हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 9 नवंबर 2025

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹89165/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹108900/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹118875/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

MushroomAD

Mushroom Soup Powder

हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी

लाखों ग्राहकों का विश्वास

सभी मेडिकल्स में उपलब्ध.

MADE IN INDIA

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद

नया पैक

- भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
- दुबलेपन को दुर करने में सहायक
- प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
- गैस तथा एसिडीटी के लिए भी लाभदायक
- उर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
- कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक

नक्सल प्रभावित राज्यों को नक्सल मुक्त करने घेराबंदी शुरू, तीन जिले के एसपी रख रहे निगरानी

आखिरी टारगेट अब हिड़मा, नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए जंगल में घुसे 2000 जवान

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल मुक्त करने का ऐलान किया है। मार्च में अब करीब पांच माह बचे हैं। इसे देखते हुए सुरक्षाबलों द्वारा नक्सल प्रभावित इलाकों में ऑपरेशन चलाया जा रहा है। कर्रेगुट्टा हिल्स में चलाए गए सबसे लंबे ऑपरेशन के बाद यह दूसरा ऑपरेशन है जो सुरक्षाबलों द्वारा हिड़मा समेत शीर्ष नक्सलियों को घेरने चलाया जा रहा है और इसकी मॉनिटरिंग कई जिले के एसपी कर रहे है।

हरिभूमि खास

माड़वी हिड़मा समेत सशस्त्र नक्सलियों की तलाश में सुरक्षाबलों की लगभग 12 टीम अलग अलग क्षेत्रों में ऑपरेशन चला रही हैं। जिसमें 2 हजार से अधिक जवान शामिल हैं। जवानों ने दक्षिण व पश्चिम बस्तर के जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन शुरू किया है। बताया जा रहा है कि बीजापुर, सुकमा व दंतेवाड़ा जिले की संयुक्त कार्रवाई की तीनों जिले ⏭शेष पेज 8 पर

समर्पण के अलावा कोई रास्ता नहीं

पिछले कुछ माह में कई पोलित ब्यूरो व केन्द्रीय कमेटी मेंबर मुठभेड़ में मारे गए हैं और लगातार समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। बचे हुए माओवादियों को घेरने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। प्रभावी कार्रवाई करने तीन जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

-सुदंरराज पी, आईजी बस्तर

दूसरा सबसे बड़ा ऑपरेशन

कर्रेगुट्टा हिल्स में तीन सप्ताह तक चलाए गए सबसे बड़े ऑपरेशन के बाद इसे दूसरा सबसे बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां मान रही हैं कि हिड़मा, देवा, एर्रा जैसे बड़े लीडर इसी इलाके में छिपे हुए हैं। दक्षिण बस्तर के जंगलों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन शुरू किया हैं जो की बीजापुर- सुकमा और दंतेवाड़ा जिले में चलाया जा रहा है। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन में बड़ी मुडभेड़ की आशंका बनी हुई है। पूरे इलाके में ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है और हेलीकॉप्टर भी स्टैंडबाय पर रखे गए हैं।

हरियाणा में हमारे साथ अत्याचार हुआ तो नक्सली बना हथियार उठाना बेकार हुआ, अब कांकेर में खेती करूंगा

गोरेलाल सिन्हा ⏭ गरियाबंद

गरियाबंद उदंती एरिया कमेटी के एरिया कमांडर सुनील उर्फ जगतार सिंह ने आत्मसमर्पण के बाद हरिभूमि से नक्सल आंदोलन के राज खोले। सुनील ने माना कि बंदूक उठाने से कोई लाभ नहीं हुआ। जनता के लिए कुछ कर नहीं पाए। आंदोलन भी अधूरा रह गया।

सुनील ने कहा कि अब वह बंदूक छोड़कर खेती करना चाहता है। वह कहता है कांकेर मेरा ससुराल है, वहीं रहकर खेती करना चाहता हूं। अब कोई आदेश नहीं, बस अपनी मर्जी से जीना है। सुनील ने हरिभूमि को बताया कि वह ग्राम थांडर थाना स्माइलबाद, जिला कुरुक्षेत्र, ⏭शेष पेज 8 पर

अब नक्सली संगठन बिखर चुका है

सीसी मेंबर और डीसीएम संगठन को दिशा नहीं दे पाए। जनता का भरोसा खत्म हो गया। सुरक्षाबलों के दबाव और जनता की दूरी ने संगठन को कमजोर कर दिया। उसने बताया कि वर्तमान में केवल 05 से 06 सीसी मेंबर बचे हैं जो छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय हैं। सुनील ने खुलकर ⏭शेष पेज 8 पर

पतंजलि®

बढ़ते पॉल्युशन और प्रचण्ड ठंड से बचने के लिए है

आयुर्वेद का सुपरफूड एवं सुपर इम्यूनिटी बूस्टर

विश्व का सर्वश्रेष्ठ

पतंजलि च्यवनप्राश व हनी

पतंजलि हनी शत-प्रतिशत खरा उतरा है प्योरिटी के 100 से अधिक पैरामीटर्स पर।

सुश्रुत, चरक व च्यवन ऋषियों की परम्परा का सच्चा निर्वहन करने वाली आयुर्वेद के क्षेत्र में, दुनिया के श्रेष्ठ संस्थान पतंजलि द्वारा 51 जड़ी-बूटियों व केसर से निर्मित श्रेष्ठतम पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश।

PATANJALI wellness Yoga, Ayurveda & Naturopathy

देश के 5 करोड़ से अधिक देशवासी जिनमें CGHS (सेंट्रल गवर्नमेंट कर्मचारी), CAPF (सेंटर आर्म पुलिस फोर्स), ECHS (भूतपूर्व सैनिकों) कार्ड धारक पेशेंट्स को रेफरल द्वारा निःशुल्क सेवा तथा देश की 30 से अधिक प्रमुख बीमा कम्पनियों (SBI General, Reliance Insurance, United Insurance, ICICI Lombard, HDFC ERGO, MEGMA, Aditya Birla) के तहत रिम्बर्समेंट सुविधा का लाभ। पतंजलि वेलनेस, योगग्राम व निरामयम् में 1 से 2 सप्ताह तक निःशुल्क सेवा का लाभ प्राप्त करें।

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 8954666111, 8954666222, 8954666333

DELHI PUBLIC SCHOOL

BILASPUR

Day-Cum-Residential School

ADMISSIONS Open 2026-27

Nursery to Class IX & XI

- Science
- Commerce
- Humanities

WHAT MAKES DPS BILASPUR SPECIAL

- Air-Conditioned Classrooms & Hostels (Boys & Girls)
- Smart Classrooms & Well-equipped Laboratories
- Focus on Academic Excellence and Holistic Growth
- Sports, Music, Arts and Personality Development
- Experienced and Dedicated Faculty
- Safe Transport Facility

Admission Forms Available from 10th November 2025

More information call +91-7771011656

admissions@dpsbilaspur.edu.in

www.dpsbilaspur.com

Scan here to Register for the Admission

LIMITED SEATS

Delhi Public School Bilaspur, Raipur Road, Tifra Bilaspur (C.G.) 495001

RCP
INFRATECH PVT. LTD.
READY TO USE

VIP CITY
A City in The City

25वें
वर्षगाँठ पर
छ.ग. राज्य के
तक के उपहार
25 लाख

BUNGALOWS
में पायें
5 लाख
7 लाख
10 लाख

SHOPS मात्र
10 लाख से
12 लाख में
(3 लाख का SURPRISE GIFT)

PLOTS AVAILABLE ON SECTOR-07

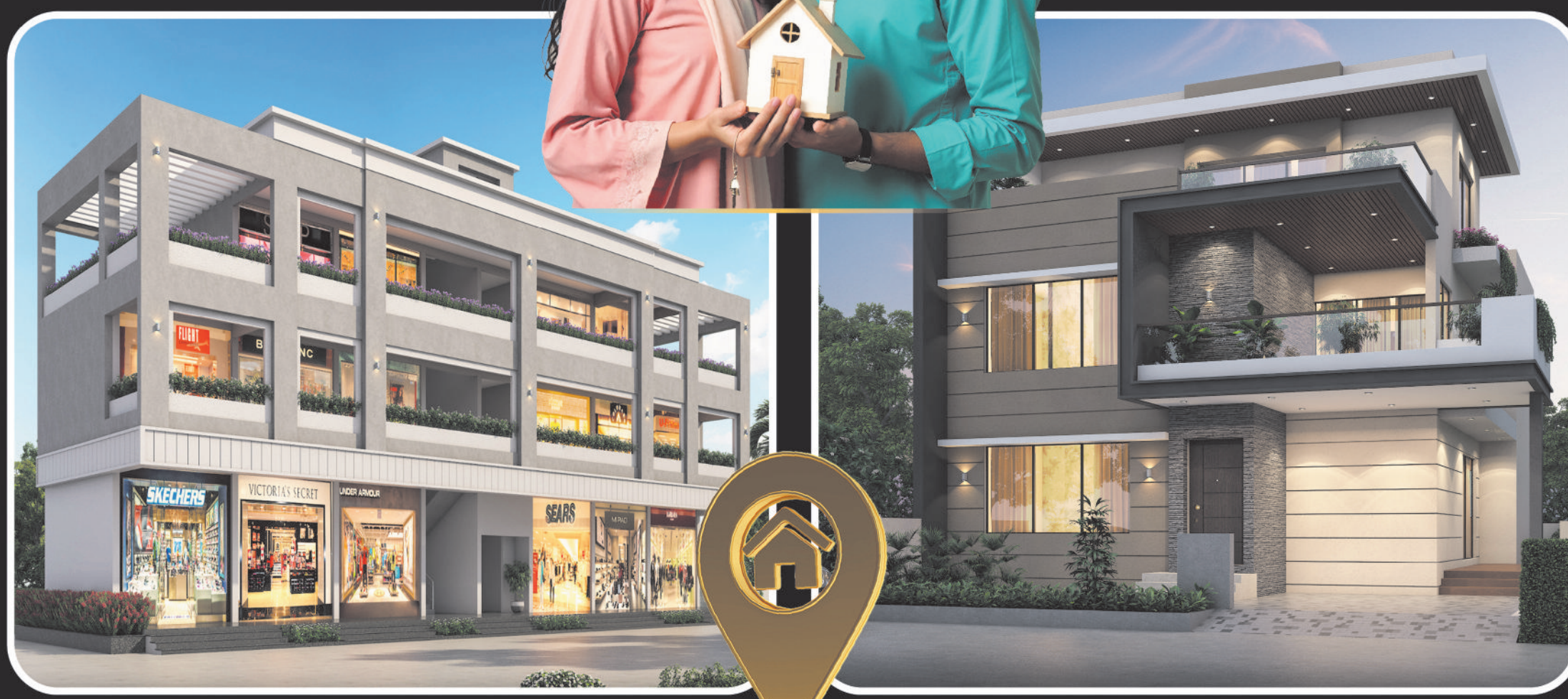

* Terms & Conditions Apply

CALL-812 000 8290

Scan this QR code to find us Google Maps

Follow us on :
@VIPCITYRPR

A Project by
RCP Infratech Pvt. Ltd.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.),
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Member of : CREDAI CHHATTISGARH
RERA REGISTERED PROJECT :
(VIP VILLAS/SHOP) RERA NO. : PCGRERA130223001603
SECTOR-07 RERA NO.: PCGRERA050625001937
www.rera.cgstate.gov.in

फायनेंस उपलब्ध

Follow us on : /vipcityrpr /vipcityrpr

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

गरियाबंद और ओडिशा के बॉर्डर इलाके में एक ऐसा गांव है, जहां कोई चेक पोस्ट ही नहीं है। जांच चौकी नहीं होने का सीधा लाभ लकड़ी तस्करों को मिला है। जिस वजह से यहां भारी मात्रा में लकड़ियों की तस्करी की जा रही है। हरिभूमि ने इस गांव का मुआयन किया तो यह बात सामने आई कि मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे इस गांव में रहने वाले लोगों को राशन लेने के लिए भी 8 किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ रहा है।

एक पैर छत्तीसगढ़ में दूसरा ओडिशा में, न बोर्ड न चौकी, 25 साल से कोई नेता नहीं झांका

हसन खान ▶▶| मैनपुर

अलग खबर

गरियाबंद के आखिरी छोर पर बसा है कोदोमाली गांव, राशन के लिए 8 किमी का सफर

गरियाबंद जिले के अंतर्गत आने वाले मैनपुर के अंतिम छोर में बसा ग्राम कोदोमाली, जो जंगल और पहाड़ी रास्तों को पारकर पहुंचा जाता है। इस गांव की जनसंख्या लगभग 730 के आसपास बताई जाती है और छत्तीसगढ़ के इस गांव से सटे ओडिशा प्रदेश का पहला गांव का नाम आचला है। हरिभूमि ने देखा कि दोनों राज्य के बीच कोई भी जांच चौकी नहीं है। यही नहीं, यहां कोई सूचना पटल भी नहीं लगा है। जिससे राहगीरों को यह जानकारी हो कि उस पार ओडिशा है। हालंकि इस क्षेत्र के ग्रामीण आने जाने वाले राहगीरों को इतना जरूर बताते है कि जैसे ही डामरीकरण पक्की सड़क मिलेगी, समझ जाना यहीं से ओडिशा प्रारंभ होता है।

राज्य के सीमा पर जांच चौकी नहीं, ओडिशा के लकड़ी तस्कर रहते हैं सक्रिय

ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्य के इस सीमा पर कोई जांच चौकी नहीं है। जिसके कारण वन अपराध के मामले में यदि वन विभाग कार्यवाही का रिकार्ड देखें, तो इस क्षेत्र से ओडिशा कीमती लकड़ी तस्करी करते दर्जनों कार्यवाही हर साल की जाती है। अभी धान खरीदी के सीजन में भी यह क्षेत्र संवेदनशील माना जाता है। लगातार उदंती सीता नदी टाइगर रिजर्व से ओडिशा में लकड़ी तस्करी की शिकायत मिल रही है। और ऐसे रास्ते से कीमती लकड़ियों की तस्करी जारी है। जिसके कारण यह जांच चौकी लगाने बेहद जरूरी है।

टाइगर रिजर्व का दंश झेल रहेः सरपंच

ग्राम पंचायत साहेबिन कछार की सरपंच चैतीबाई नायक ने बताया हमारे कोदोमाली गांव के उस पार ओडिशा का प्रथम गांव है, जहां बिजली, सड़क और सभी सुविधाएं है। हमारे यहां संवेदनशील क्षेत्र व टाइगर रिजर्व का हवाला देकर विकास कार्य नहीं हो रहा है। यदि सरकार चाहे तो एक दिन के भीतर हमारे इस क्षेत्र में बिजली पहुंच सकती है।

टाइगर रिजर्व क्षेत्र के कारण नहीं बन पा रही पक्की सड़क

बम्हनीझोला से साहेबिनकछार और साहेबिनकछार से आठ किलोमीटर कोदोमाली तक पहाड़ी पथरीली सड़क की स्थिति बेहद खराब है। टाइगर रिजर्व क्षेत्र होने के कारण यहां पक्की सडक का निर्माण नहीं किया जा रहा है। मैनपुर देवभोग नेशनल हाईवे मार्ग मे मैनपुर से 28 किलोमीटर दूर बम्हनीझोला और वहां से लगभग 25 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत साहे बिनकछार के आश्रित ग्राम कोदोमाली है। इस गांव तक पहुंचने के लिए छोटे-बड़े नदी-नालों और पहाड़ी खतरनाक रास्ते को पार किया जाता है। ग्राम पंचायत साहेबिनकछार की सरपंच चैतीबाई नायक, पूर्व सरपंच अर्जुन नायक, रूपसिंह मरकाम ने बताया कि छत्तीसगढ राज्य निर्माण के 25 वर्षों बाद भी आज तक कोई भी बड़े जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी इस गांव में नहीं आए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन मुश्किल ही नहीं, ना-मुमकिन भी...

रेलवे स्टेशन के चारों तरफ फेसिंग लगाने के बाद भी मवेशियों के लिए खुले हैं दर्जनों रास्ते। इन्हें बंद करना रेलवे की बड़ी चुनौती। फोटोः भूपेश जांगड़े

रायपुर रेलवे स्टेशन 13 एकड़ में, 24 एकड़ में बस स्टेंड, कुत्तों के घुसने के अनगिनत रास्ते

रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड और अस्पतालों में कुत्तों को रोकने के लिए करें बाड़बंदी

सोमवार से रेलवे करेगा प्लानिंग, कम समय में फंड जारी करना, टेंडर करने की चुनौती

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लाइव

सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश ने सरकार के साथ-साथ रेलवे प्रशासन की भी चिंता बढ़ा दी है। कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया है कि शैक्षणिक संस्थानों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अस्पताल परिसरों में आवारा कुत्तों की आवाजाही रोकने के लिए आठ हफ्तों के भीतर बाड़बंदी की जाए। आदेश का पालन नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। अब प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कम समय में फंड जारी करना, टेंडर प्रक्रिया पूरी करना और कार्य प्रारंभ करना है। ▶▶| शेष पेज 8 पर

बेहतर प्लानिंग की जाएगी

सुप्रीम कोर्ट का आदेश है निश्चित रूप से प्लानिंग कर बेहतर व्यवस्था स्टेशन में बनाई जाएगी, ताकि आवारा पशु भीतर प्रवेश न करें। प्लानिंग में ध्यान रखा जाएगा कि यात्रियों के साथ-साथ ट्रैफिंग व्यवस्था में कोई दिक्कत न आए। आदेश के बाद उच्च अधिकारियों से बातचीत जारी है। समय से पहले कार्य पूरा करने लक्ष्य रहेगा।

- अवधेश कुमार त्रिवेदी, सीनियर डीसीएम, रायपुर मंडल

निगम से चर्चा कर योजना बनाएंगे

आदेश आने के बाद अब प्लानिंग की जाएगी। आवारा पशुओं के संदर्भ में निगम से मदद लेगें और चर्चा भी करेंगे। स्टेशनों में बेहतर व्यवस्था तैयार करेंगे। आवारा पशु न आए इसको लेकर सभी विषयों को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग होगी।

- समीर कान्त माथुर, उप महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

हाईकोर्ट का यह है निर्देश

- राज्य सरकार सभी नियमों और प्रावधानों को कड़ाई से लागू करे।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि शहर और हाईवे पर मवेशी न दिखें।
- मवेशियों के लिए स्थायी आश्रय, पानी और चारे की व्यवस्था की जाए।
- पंचायत से लेकर निगम तक सभी जिमेदार इकाइयों को सक्रिय किया जाए

20 करोड़ खर्च, इसके बाद भी छह सालों में 200 हादसे, 80 की मौत

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

हरिभूमि तत्काल

सड़कों पर आवारा मवेशियों की समस्या गंभीर होती जा रही है। हर दिन सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, जिनमें वाहन चालक और मवेशी दोनों की जान जोखिम में पड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी प्रशासन कुछ कर नहीं पा रहा है, केवल कागजी योजनाएं बनाकर अपना पल्ला झाड़ा जा रहा है। अभियान चलाने की औपचारिकता कई बार पूरी की जा चुकी है लेकिन सड़कें मवेशी मुक्त नहीं हो सकी हैं। ▶▶| शेष पेज 8 पर

हाईकोर्ट ने की है कड़ी टिप्पणी

लगातार सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यहां तक कह दिया है कि हम मॉनिटरिंग कर रहें हैं, इसके बाद भी लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। पहले भी सुनवाई के दौरान नगर निगम से लेकर पंचायतों तक जवाबदेही तय की गई थी, लेकिन अब भी ऐसी घटनाएं होना दुखद है। अब जवाबदेही तय करते हुए संबंधित अफसरों के सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज करने को कहना पड़ेगा। कोर्ट ने कहा है कि सरकार फंड देती है, अधिकारी नियुक्त करती है, लेकिन अगर वही ड्यूटी नहीं निभा रहे तो ▶▶| शेष पेज 8 पर

हाईवे पर 20 हजार से ज्यादा मवेशी शहर की सड़कों पर संख्या लाखों में

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 20 से ज्यादा राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। इनमें 20 हजार से ज्यादा मवेशी बैठते हैं। शहरों की सड़कों पर लाखों की संख्या में मवेशी घूम रहे हैं। राजमार्ग जिन ग्रामीण इलाकों से होकर गुजरते हैं, उन गावों के मवेशी गांव से निकलकर राष्ट्रीय राजमार्ग में आकर बैठ जाते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों में मवेशियों के आने की समस्या सबसे ज्यादा बारिश के समय रहती है। बारिश के समय राष्ट्रीय ▶▶| शेष पेज 8 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

98 साल के आडवाणी पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार शाम को भारत रत्न और वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। आडवाणी शनिवार को 98 वर्ष के हो गए हैं। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महान दृष्टिकोण और तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता वाले राजनेता आडवाणी जी का जीवन भारत की प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने निस्वार्थ कर्तव्य और दृढ़ सिद्धांतों की भावना को सदैव अपनाया। उनके योगदान ने भारत के लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करे। प्रधानमंत्री के अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और अनेक केंद्रीय मंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी।

जरिता लैतफलांग पर बृहस्पत का वार

कांग्रेस में फिर फूटा बृहस्पत बम, कहा जरिता ने जिला अध्यक्ष बनाने मांगे पैसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में एक बार फिर बृहस्पत बम फूटा है। कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह ने संगठन सृजन के तहत अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। बृहस्पत सिंह ने दो टूक लहजे में कहा कि सरगुजा संभाग के कई जिलों में जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों को फोन आ रहा है।

कथित तौर पर कांग्रेस की सहप्रभारी जरिता लैतफलांग के पीए फोन करते हैं। बाद में जरिता लैतफलांग से बात कराने की बात कही जाती है। जो महिला फोन पर होती है, वह खुद को जरिता लैतफलांग बताकर अध्यक्ष बनाने के बदले पैसों की मांग करती हैं।

बृहस्पत सिंह ने वीडियो जारी कर इस संबंध में बयान दिया है। उनके वीडियो में कांग्रेस के पूर्व प्रभारी कुमारी सैलजा का भी जिक्र है। उनके संबंध में बृहस्पत सिंह ने कहा है कि कुमारी सैलजा ने भी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लोगों से वसूली की और हाईकमान को गलत जानकारी दी। बता दें, इससे पहले बृहस्पत सिंह ने टीएस सिंहदेव पर भी टिप्पणी की थी। साथ ही निपटो निपटाओ के खेल में कांग्रेस के चुनाव हारने का दावा ▶▶| शेष पेज 8 पर

राहुलजी को संज्ञान लेना चाहिए

बृहस्पत सिंह ने अपने वीडियो में इस बात का उल्लेख किया है कि एक एक दावेदार से पांच से सात लाख रुपए की मांग की जा रही है। जबकि राहुल गांधी ने कर्मठ और समर्पित कांग्रेसी को जिला अध्यक्ष बनाने संगठन सृजन कार्यक्रम की शुरुआत की है। अगर रिश्वत लेकर ही अध्यक्ष बनाए जाएंगे, तो कैसे कैसे लोग अध्यक्ष बनेंगे, इस पर भी बृहस्पत सिंह ने सवाल उठाए हैं।

फोर्स के एनकाउंटर ने डराया, मौत का खौफ, जिंदगी को चुना

सुनील ने बताया कि गरियाबंद में हाल ही में हुई 10 नक्सलियों की मुठभेड़ में मौत ने उन्हें भीतर तक डरा दिया। तब लगा कि अब या तो मरेंगे या फिर आत्मसमर्पण करेंगे। हमने जीवन चुना, मौत नहीं उसने कहा कि अब आईजी अमरेश मिश्रा के समक्ष आत्मसमर्पण के बाद उसके मन का भय समाप्त हो गया है। सरकार की पुनर्वास नीति पर सुनील ने कहा कि हम सरकारी नौकरी नहीं चाहते। खेती-बाड़ी या मजदूरी कर स्वतंत्र रूप से जीवन जीना चाहते हैं।

कपोल कल्पित बातें न करें बृहस्पतः डहरिया

कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह के बयान ने पार्टी के भीतरखाने में एक बार फिर हलचल मचा दी है। पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने इस मामले में कहा कि बृहस्पत सिंह इस समय कांग्रेस से बाहर हैं। उन्हें इस तरह कपोल कल्पित बातें नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस में पूरी पारदर्शिता से संगठन सृजन के तहत नियुक्तियां की जा रही हैं। कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा ने भी संगठन सृजन में पूरी तरह पारदर्शिता बरतने का दावा किया है।

जिला कांग्रेस ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

बृहस्पति सिंह के बयान के बाद अब सरगुजा जिला कांग्रेस ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए अपराध दर्ज करने की मांग की है। इसके साथ ही पार्टी स्तर पर भी कार्रवाई करने की बात कही है। जिला कांग्रेस कमेटी कोतवाली थाने पहुंचे थी। इस दौरान जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि बृहस्पति सिंह आदतन आधारहीन बयानबाजी करते है। इसी कारण आज वो पार्टी से निष्कासित हैं।

वैध दस्तावेज नहीं मिला

दुर्ग रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया बांग्लादेशी युवक

भिलाई। शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को जीआरपी पुलिस ने बिना दस्तावेज के गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास पासपोर्ट, वीजा या भारत का कोई भी वैध दस्तावेज नहीं है। मिली जानकारी के मुताबिक दुर्ग जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने ग्राम बुढी खाली जिला नोडल बांग्लादेश अजमीर अलीमीन शेख नामक युवक को पकड़ा है। अजमीर ने भारत आने के लिए दलाल से पांच हजार रुपए देने की बात पुलिस को बताई है। पुलिस को गोपनीय सूचना मिलने पर तुरंत दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचकर अजमीर को पकड़ लिया। उसके बाद ▶▶| शेष पेज 8 पर

मुंबई पुलिस साथ ले गई

दुर्ग जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद मुंबई पुलिस छत्तीसगढ़ पहुंचकर आरोपी को साथ लेकर गई। मुंबई पुलिस फ्लाइट से रायपुर पहुंचकर सड़क मार्ग से दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंची थी। अजमीर शेख मुंबई से भागकर कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश लौटने का प्रयास कर रहा था। उसके अन्य साथियों का नेटवर्क भी भारत में सक्रिय हो सकता है। इसे लेकर पुलिस अब खुफिया एजेंसियों से समन्वय में जांच कर रही है।

रजिस्ट्री प्रक्रिया अब होगी आसान 25 साल पुराने नियमों में बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य शासन ने संपत्तियों के गाइडलाइन निर्धारण नियमों में बड़ा सुधार करते हुए नए नियम जारी किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया था कि नियमों को सरल बनाया जाए ताकि जनता को आसानी से समझ आए और क्रियान्वयन आसान हो। उसके बाद पूर्व प्रचलित नियमों में लगभग 77 प्रकार के निर्धारण प्रावधान थे, जिन्हें घटाकर अब गणना संबंधी केवल 14 प्रावधान रखे गए हैं।

उल्लेखनीय है कि गाइडलाइन दरों की गणना इन नियमों के अनुसार की जाती है। जैसे मुख्य मार्ग की दूरी क्या होगी, कौन से तल में होने पर कितना वैल्यूएशन होगा, किन-किन परिस्थितियों में कितने-कितने मूल्य बढ़ेंगे आदि। इन नियमों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री के समय बाजार मूल्य का आकलन किया जाता है। गाइडलाइन दरों के निर्धारण संबंधी ये नियम वर्ष 2000 से बने हुए थे, इनमें कोई परिवर्तन या संशोधन नहीं हुआ था। वर्तमान नियमों में कई विसंगतियां थीं। संपत्ति के बाजार मूल्य की वास्तविक और तार्किक रूप से गणना जिसके कारण नहीं हो पाती थी। जैसे मुख्य मार्ग के आधार पर गाइडलाइन दरों की गणना का प्रावधान था, लेकिन पूरी गाइडलाइन में कहीं भी मुख्य मार्ग को परिभाषित नहीं किया गया था।

एकीकृत तरीके से भूमि का मूल्यांकन

पूर्व प्रचलित नियमों में लगभग 77 प्रकार के निर्धारण प्रावधान थे, जिन्हें घटाकर अब गणना संबंधी केवल 14 प्रावधान रखे गए हैं। जिन्हें समझना आम जनता के लिए बेहद आसान होगा। पूर्व में कई अनावश्यक प्रावधान थे, जैसे नलकूप होने पर नलकूप का अलग मूल्य, सिंचित होने का अलग एवं दो फसली होने का अलग मूल्य जुड़ता था। यदि कोई गैर परंपरागत फसल लगी हो, तो उसका भी अलग मूल्य जुड़ता था। अब भूमि का मूल्यांकन एकीकृत तरीके से किया जाएगा। किसी एक कारक के परिणामी प्रत्येक प्रभाव के लिए अलग-अलग मूल्य गणना नहीं की जाएगी।

सरकारी बिक्री सिस्टम ही रहेगा लागू, नहीं होगा ठेका

खबरें थी कि शराब अब सरकार की जगह ठेकेदार ही बेचेंगे

शराब सरकारी निगम ही बेचेगा, ठेके पर देने का कोई विचार नहीं: आबकारी मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

कुछ दिनों से आबकारी नीति में बदलाव की खबरों पर आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने चुप्पी तोड़ी है। श्री देवांगन ने कहा कि आबकारी नीति में कोई परिवर्तन राज्य सरकार नहीं कर रही है। सरकारी बिक्री सिस्टम राज्य में लागू रहेगा।

उन्होंने फिर से ठेका पद्धति अपनाए जाने को अफवाह बताते हुए कहा कि फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य में आबकारी के वित्तीय लक्ष्य को पूरा करने आबकारी नीति में परिवर्तन किए जाने के कयास लगाए जा रहे थे। खबरें थी कि शराब अब सरकार की जगह ठेकेदार ही बेचेंगे। हरिभूमि से ▶▶| शेष पेज 8 पर

अवैध शराब रोकने शराब की थी सस्ती

राज्य सरकार ने अवैध शराब रोकने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सेस और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क घटाकर शराब सस्ती की थी। सरकार को 1,000 करोड़ रुपये के संभावित राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, 67 नई शराब दुकानों की मंजूरी से इस नुकसान की ▶▶| शेष पेज 8 पर

पिछले माह हुई थी समीक्षा

आबकारी विभाग ने पिछले महीने विभागीय अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों और लाइसेंस धारकों के साथ बैठक हुई। बैठक में पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और राजस्व के बेहतर संतुलन पर चर्चा हुई। बैठक के आधार पर ही यह कयास लगने शुरू हुए थे। विभागीय अधिकारियों ने कहा अवैध शराब बिक्री रोक कर राजस्व बढ़ाने के सारे उपाय किए गए है। दुकान बढ़ाने के अलावा बिक्री पारदर्शी तरीके से ▶▶| शेष पेज 8 पर

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। महिला क्रिकेट के संघर्ष और सफलता का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

मुबारक हो उपेक्षित रात की स्वर्णिम सुबह

विश्लेषण

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 की रोशन रात भारतीय खेल जगत की एक ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम घटना के रूप में याद की जाएगी जो भारत और यहां की लड़कियों तथा महिला खिलाड़ियों के लिए एक स्वर्णिम सुबह लेकर आई। यदि इस जीत को हमने देश के महिला जगत एवं खेल जगत के लिए एक अवसर के रूप में इस्तेमाल कर लिया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जीत यह एक 'टर्निंग प्वाइंट' सिद्ध होगी। भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है।

खेल से मंत्रमुग्ध किया

पूरे टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने अपने खेल से मंत्रमुग्ध किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने हर चुनौती, हार-जीत और उतार चढ़ाव का डटकर सामना किया और लीग चरण से लेकर फाइनल तक अपनी रणनीति, अनुशासन और टीम भावना के बल पर देश को विश्व चैंपियन बनाया। इस विश्व कप के फाइनल में जीत का परचम लहराने वाली इन लड़कियों का सामना हार से भी हुआ और वह लगातार तीन मैच ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड तथा दक्षिण अफ्रीका से हारी। जब वह हार रही थीं तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ये शेरनियां पलट कर ऐसा वार भी कर सकती हैं। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को हराना ऐतिहासिक था।

टीम का जज्बा और संकल्प

फाइनल में 52 रन की बड़ी जीत इस टीम के जज्बे और संकल्प को रेखांकित करती है। इस मैच में भारतीय टीम ने न केवल तकनीकी श्रेष्ठता बल्कि मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया। हर खिलाड़ी ने टीम की सफलता में योगदान दिया, चाहे वह फील्डिंग में चपलता हो या आखिरी ओवरों में दबाव झेलने की क्षमता। इस विजय का सबसे बड़ा कारण टीम स्पिरिट और आपसी विश्वास था। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका को बखूबी समझा और व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक टीम की जीत को प्राथमिकता दी। इस टीम के कोच और देश के अंदरूनी क्रिकेट के सचिन तेंदुलकर कहे जाने वाले अनमोल मजूमदार की कभी नीली जर्सी ना पहन पाने की टीस भी इन लड़कियों ने खत्म कर दी। उनकी कोचिंग,कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट टीम की भी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तैयार करने में अहम भूमिका रही। टीम की यह एकजुटता और सामूहिक प्रयास उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें सामूहिक सफलता को सर्वोच्च माना जाता है। महिला खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया कि सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा से नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण और एक-दूसरे पर भरोसे से हासिल होती है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि सरकार और समाज तथा प्रमोटर पैसे की बारिश कर सकते हैं लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत है।

सामाजिक मानसिकता बदलेगी

'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' की तर्ज पर ही 'बेटी खिलाओ, बेटी बढ़ाओ' जैसे अभियान यथार्थ के धरातल पर चलाए जाने चाहिए। बेशक, यदि सब ठीक रहे तो यह जीत सामाजिक मानसिकता में बड़ा परिवर्तन लाएगी। अब माता-पिता अपनी बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। महिला खेल अकादमियों की स्थापना व वृद्धि के साथ वहां की दशा एवं दिशा दोनों में सुधार की गति को बढ़ाना होगा। उम्मीद करनी चाहिए कि यह जीत इन प्रयासों को और गति देगी। विश्व चैंपियन बनने के साथ ही भारतीय महिला क्रिकेट एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह विजय न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी बल्कि महिला क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करेगी और विश्व कप की जीत से इसकी लोकप्रियता और निवेश दोनों में वृद्धि होगी, ऐसी उम्मीद करना अनुचित नहीं होगा।

सरकार को देना होगा ध्यान

नए स्पॉन्सर, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मैचों की संभावना आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की सबसे मजबूत महिला क्रिकेट संरचनाओं में से एक बना सकता है। महिला क्रिकेट की इस अभूतपूर्व सफलता को बनाए रखने के लिए सरकार और समाज दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि वह महिला खिलाड़ियों को उचित आर्थिक सहायता, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र और खेल उपकरण उपलब्ध कराए। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में महिला क्रिकेट अकादमियों की स्थापना से नई प्रतिभाओं को मौका मिलेगा। साथ ही, खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स कोटा के तहत नौकरियों और प्रोत्साहनों से सम्मानित करना चाहिए ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित रहते हुए अपने खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। मीडिया और निजी क्षेत्र को भी महिला क्रिकेट को उसी स्तर की पहचान देनी चाहिए जैसी पुरुष क्रिकेट को दी जाती है। यह ट्रॉफी भारत के लिए केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस जीत ने यह संदेश दिया है कि यदि अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में विश्व विजेता बन सकती हैं।

मगर याद यह भी रखना होगा कि जीत की परंपरा कायम रखना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसलिए इससे खुश होने के साथ-साथ इसे बरकरार रखने के लिए कड़े परिश्रम की भी जरूरत होगी।

भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

क्रिकेट के आकाश पर छाई भारत की बेटियां

जय हो

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमों के बीच वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया है। इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने ये करिश्मा करके दिखाया है। इसका जश्न आज पूरा भारत मना रहा रहा है। भारत की बेटियों की जय हो! वाह, क्या खेल दिखाया है? क्या जुझारू पारी और एकाग्रता की मिसाल कायम की है? विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था। यह आधी आबादी को संबल देने वाली जीत है जो नजीर बन गई उनके लिए जो एक मुकाम हासिल करना चाहती हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबले पर हर किसी की नजरें बनी हुई थीं। 25 साल के विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के इतिहास में एक बार फिर से महिला क्रिकेट टीम के सामने एक सुनहरा मौका था और उन्होंने इसमें बाजी मारते हुए विश्वे विजेता बनकर देश का मान और गौरव बढ़ा दिया है। विमेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका जीत के लिए 299 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में पूरी मेहमान टीम 45.3 ओवर में 246 रनों पर सिमट गई और 52 रनों से टीम इंडिया ने ये मैच जीत लिया। भारत और हम भारतीयों को अपेक्षाएं ही नहीं थीं। हमने महिला क्रिकेट तो क्या, महिला खिलाड़ियों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। फाइनल मैच से पहले सेमीफाइनल में भारत की बेटियों ने जो करिश्मा कर दिखाया। उसकी बात करना जरूरी जान पड़ता है। असल में वो मैच निर्णायक मैच तो था ही। वहीं उस मैच में मिली जीत ने टीम इंडिया के आत्मविश्वास का स्तर बहुत ऊंचा कर दिया था। महिला टीम इंडिया ने 7 बार की विश्व चैम्पियन और लगातार 15 मैचों की अजेय ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित कर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया,वो पल खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने ग्रुप स्तर पर टीम इंडिया के 330 रनों का सफल चेज कर जीत हासिल की थी। लिहाजा सेमीफाइनल मुकाबले में किसी अतिरिक्त करिश्मे की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में मानो कोई फरिश्ता उतर आया और उसने अभूतपूर्व करिश्मा कर दिखाया। जेमिमा को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में 'ड्रॉप' किया गया था। जेमिमा की फॉर्म भी अच्छी नहीं थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने 70 से अधिक रन ठोके थे। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन का पहाड़-जैसा लक्ष्य दिया था। जवाब में जब टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज-शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना-अपेक्षाकृत कम स्कोर पर आउट हो गए, तो भारत की पारी डूबती-सी लगी। उन स्थितियों में जेमिमा ने नाबाद 127 रन (134 गेंद, 14 चौके) बनाकर न केवल विश्व कप का अपना पहला शतक लगाया, बल्कि कप्तान हरमनप्रीत कौर (88 गेंद पर 89 रन) के साथ तीसरे विकेट की साझेदारी में 167 रन (156 गेंद) बना कर 'पहाड़' की ऊंचाई को एक हद तक कम कर दिया।

> *विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था।*

जेमिमा ने दीप्ति शर्मा के साथ 38 रन (34 गेंद), ऋचा घोष के साथ 46 रन (31 गेंद) और अमनजोत कौर के साथ नाबाद 31 रन (15 गेंद) जोड़े और एक अविश्वसनीय-सी लग रही जीत पर मुहर लगा दी। विश्व कप का यह सबसे बड़ा और सफल चेस रहा। भारत ने 1978 में पहली बार महिला विश्व कप में हिस्सा लिया था। 2005 व 2017 में मिताली राज की कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा, पर दोनों बार ट्रॉफी हाथ से फिसल गई। आखिरकार हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम विश्व विजेता बन गई। महिला टीम की यह पहली आईसीसी ट्रॉफी है। यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की जीत है। अब गांव-शहर की लड़कियां क्रिकेट को करियर के रूप में देखेंगी। माता-पिता भी बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। 'लड़की होकर क्रिकेट' जैसी पुरानी सोच को यह जीत हमेशा के लिए बदल देगी। शेफाली, दीप्ति और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी अब हर लड़की की प्रेरणा बनेंगी। कोहली, गिल की तरह ही अब हमारी लड़कियां भी नए हेयरस्टाइल, टैटू के साथ युवाओं के लिए नई सुपरस्टार और रोल मॉडल होंगी। यह ट्रॉफी सिर्फ एक खिताब नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समान अवसर और नए भारत की नारी शक्ति का उदाहरण बन जाएगी।

महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

कीर्तिमान

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज़्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है, क्योंकि यह सिर्फ़ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है। भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफ़र का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज़ है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा। यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि "खेल लड़कियों का काम नहीं", वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं।

> *यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है।*

इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ़ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है।

जीत के जश्न का दमदार आगाज

मोनिका डागा

नई ऐतिहासिक जीत के जश्न का दमदार आग़ाज़ किया है,
घर में छुपी बंद मुस्कुराहटों को बिखेरने का साज़ दिया है,
बेटियों ने बेटियों को भविष्य का एक सुंदर ख़्वाब दिया है,
बुलंद हौसलों से कठिनाइयों को मुँह तोड़ जवाब दिया है ।

तोड़कर बंदिशें तपस्या से दृढ़ संकल्प को संजीव किया है,
प्रतिभाशाली व्यक्तित्व से जड़ों को मज़बूत अतीव किया हैं
ख़्वाबों को हक़ीक़त की धरातल पर श्रम से रंगीन किया है,
खुशियों के आँसू दे धड़कनों को आनंद यूं नवीन दिया हैं।

पैनी नज़र लक्ष्य की पकड़ संग धैर्य का समावेश किया है,
हार को जीत में ढालना है संभव श्रेष्ठतम परिवेश दिया हैं,
आत्म विश्वास और उत्साह की किरणों का प्रकाश दिया हैं,
अरबों आंखों में पल रहे रंगीन सपनों को आकाश दिया है ।

सर्पीले रास्तों पर पसीने का चमकता शीतल चंदन दिया है,
भारत का ही नहीं विश्व की धड़कनों को नया स्पंदन दिया है,
संगठन की ताकत और समर्पण का जज़्बा प्रस्तुत किया है,
जीत कर वूमेन्स वर्ल्ड कप अलग उदाहरण अद्भुत दिया हैं।

खुद पर करना होगा यकीं ऐसा महत्वपूर्ण अभ्यास दिया हैं,
जोर शोर हिलोर मचाने को रचने को नया इतिहास दिया है,
नीली जर्सी में बेटियों ने शानदार जीत को अंजाम दिया हैं,
दबी चाहतों को अर्जुन के तीर सा लक्ष्यभेदी पैगाम दिया हैं ।

म्हारी छोरियां, छोरों से कम नहीं...

इनामों की बरसात

आईसीसी महिला विश्व कप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही देश में जश्न है और लोग बेटियों को बधाई देते नहीं थक रहे हैं. इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पर लगातार इनामों की बरसात हो रही है।

▸▸ बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं।

▸▸ मध्यप्रदेश सरकार ने टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

▸▸ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने का ऐलान किया।

▸▸ रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमन प्रीत कौर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

▸▸ उत्तर प्रदेश में दीप्ति शर्मा को उपाधीक्षक बनाया गया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लिख डाली नई गौरव-गाथा

विश्व कप क्रिकेट

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 का दिन अपने-आप में ऐतिहासिक बन गया और हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। दरअसल, इस दिन हमारे देश की महिला क्रिकेट टीम 'विश्व विजेत्री' बन गई। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 298 रन बनाए तथा जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर ऑलआउट हो गई। इस मैच में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी, लेकिन भारत ने यह मुकाबला 52 रन से जीत लिया और पहली बार महिला टीम वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि,लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वूलवार्ट ने अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने दबाव में रहते हुए भी शानदार बल्लेबाजी की और लगातार दूसरा शतक जड़ते हुए 101 रन बनाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि उनकी पारी ने मैच को काफ़ी रोमांचक बनाए रखा, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। इधर, हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया और अब वह कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे महान कप्तानों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, विशेष बधाई और शुभकामनाएं। वास्तव में, यह दर्शाता है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। आज हमारे देश की महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान पर कीर्तिमान स्थापित कर रहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज महिला सशक्तीकरण हो रहा है।

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे

सच तो यह है कि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। वे राजनीति, विज्ञान, शिक्षा, खेल, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग जगत तक में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। और तो और तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में भी उनकी भूमिका तेजी से बढ़ी है। यह साबित करता है कि महिलाएं अब सीमाओं को तोड़कर हर क्षेत्र में अग्रणी बन चुकी हैं। हम यहां यह बात खुले दिल से कह सकते हैं कि महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदानों में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में देश का नाम रौशन कर रही हैं। खेल के माध्यम से

महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदान में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं।

महिलाएं आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं। जहां तक क्रिकेट की बात है तो, क्रिकेट भी अब सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं रहा है, बल्कि यह अब समान अवसर और सम्मान का प्रतीक बन गया है। यह बदलाव समाज में महिलाओं की बढ़ती ताकत और उनकी नई पहचान का सशक्त उदाहरण है। बताते चलें कि 25 जून 1983 को कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था। वही इतिहास अब दोबारा लिखा गया है, पर इस बार बल्ला थामा हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर विश्व क्रिकेट में एक नया स्वर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

भारतीय नारी शक्ति की जीत

यह जीत सिर्फ एक खेल की जीत नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की उड़ान का प्रतीक है। हर महिला खिलाड़ी ने मैदान पर ऐसा जज़्बा दिखाया, मानो 1983 की आत्मा फिर से जीवित हो उठी हो। करोड़ों भारतीयों के दिलों में गर्व और खुशी का सैलाब उमड़ पड़ा है। महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी कि मेहनत और हौसले से कोई भी सपना असंभव नहीं। अब भारत न केवल पुरुष क्रिकेट का, बल्कि महिला क्रिकेट का भी विश्व विजेता बन चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वास्तव में यह सच्चे अर्थों में 'नए भारत' का गौरव क्षण है। इस खिताबी जीत में शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा का अहम योगदान रहा। रोहतक की शेफाली ने पहले 78 गेंद पर 87 रन बनाए और फिर बाद में अपनी फिरकी का जादू चलाते हुए शीर्ष पांच में से दो साउथ अफ्रीकी बैटर्स के विकेट भी निकाले। दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए और शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी ऑफ-स्पिन से 39 रन देकर 5 विकेट भी लिए। वास्तव में सच तो यह है कि भारतीय जीत की वास्तुकार बनीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा।

उन्होंने ही निर्णायक क्षणों में शतकवीर वूलवार्ट का विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें टूट गईं। उनकी इस जादुई गेंदबाजी ने टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की। शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत से देशभर में महिलाओं के खेल के प्रति नजरिया और भी सकारात्मक होगा। यह जीत न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की लड़कियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीत देश भर में महिला क्रिकेट के प्रति जागरूकता और समर्थन को भी बढ़ाएगी। उम्मीद है कि इस सफलता से महिला क्रिकेट को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा

तरकश

संजय के दीक्षित

तीन दिन का VVIP डेरा

छत्तीसगढ़ में अब तक के सबसे बड़े आयोजन की प्रशासनिक तैयारी शुरू हो गई है। 28 नवंबर से 30 नवंबर तक नवा रायपुर के आईआईएम में डीजीपी-आईजी सम्मेलन आयोजित होना है। इसमें हिस्सा लेने देश के सभी राज्यों और केंद्र शसित प्रदेशों के डीजीपी, गृह सचिव, आईजी हिस्सा लेंगे। सबसे महत्वपूर्ण रहेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नेशनल सिक्यूरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल का तीन दिन तक रुकना। डीजीपी कांफ्रेंस 28 नवंबर से शुरू होगा, इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल संभवतः 27 नवंबर को रायपुर पहुंच जाएंगे। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी 28 नवंबर की शाम आएंगे। और 30 नवंबर को सायं कांफ्रेंस के समापन के बाद दिल्ली रवाना होंगे। पीएम का मिनट-टू-मिनट प्रोग्राम अभी फायनल नहीं हुआ है मगर खबर है रायपुर पहुंचने के तुरंत बाद वे पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने बीजेपी मुख्यालय जा सकते हैं। ऐसा दो-एक राज्यों में डीजीपी कांफ्रेंस के दौरान हुआ है।

कांफ्रेंस में नो इंट्री

पीएम नरेंद्र मोदी करीब पौने तीन दिन रायपुर में रहेंगे मगर बीजेपी मुख्यालय अगर गए तो ठीक...मगर उसके बाद उनसे कोई मिल नहीं पाएगा। डीजीपी कांफ्रेंसों में राज्य सरकारों की भूमिका एयरपोर्ट पर उनकी अगुवानी और विदाई देने और व्यवस्था मुहैया कराने तक सीमित रहती है। इसके अलावा राज्य सरकार का इस आयोजन से कोई वास्ता नहीं रहता। यह कांफ्रेंस विशुद्ध तौर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय का है और उसमें प्रदेश के डीजीपी, एसीएस होम और पांचों आईजी के अलावा और किसी की इंट्री नहीं होगी। आईआईएम में रोज सुबह योगा से कांफ्रेंस की शुरूआत होगी और ब्रेक फास्ट, लंच, डिनर तक टेबल डिस्कशन जारी रहेगा। टाईम का यूटिलाइज करने के लिए शेड्यूल ऐसा तैयार किया जाता है कि नाश्ते और भोजनों के टेबलों पर भी मंथन का दौर जारी रहे। खुद पीएम मोदी कई-कई ग्रुपों में डीजीपी से टेबल पर चर्चा करते हैं तो जरूरत के हिसाब से उनकी वन-टू-वन भी होती हैं। मोदी जब से पीएम बने हैं, तब से डीजीपी कांफ्रेंस का महत्व और अनुशासन काफी बढ़ गया है।

NSA का फर्स्ट विजिट

छत्तीसगढ़ चूकि शांतप्रिय प्रदेश है, इसलिए नेशनल सिक्यूरिटी एडवाइजर को कभी यहां आने की जरूरत नहीं पड़ी। एनएसए की आमदरफ्त आमतौर पर जम्मू-कश्मीर, नार्थ ईस्ट के अशांत प्रदेशों की या फिर विदेशी मामलों में ज्यादा रहती हैं। मगर 2025 का डीजीपी कांफ्रेंस रायपुर में आयोजित हो रहा, लिहाजा पहली बार रायपुर में एनएसए का विजिट होगा। वो भी अजीत डोभाल जैसे बेहद ताकतवर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का। आईपीएस बैकग्राउंड के अजीत डोभाल लंबे समय तक रॉ में रहे हैं।

CIC, IC की नियुक्ति

छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। बिलासपुर हाई कोर्ट ने स्थगन समाप्त करते हुए याचिका खारिज कर दी। बताते हैं, कोर्ट में बड़ा दिलचस्प हुआ। जिस 25 साल के अनुभव की शर्त को चैलेंज किया गया था, कोर्ट ने उसे सही करार दिया। विरोधी पक्ष ने कोई तर्क-वितर्क भी नहीं किया। हाई कोर्ट से शुभ खबर आने के कुछ घंटे बाद शुक्रवार देर शाम CIC के एक मुख्य दावेदार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात भी कर ली। इससे ऐसा प्रतीत होता है अगले हफ्ते किसी भी रोज मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में चयन कमेटी की बैठक के बाद आदेश निकल जाएगा।

करप्शन पर कंट्रोल नहीं

सरकार के दो बरस होने जा रहे हैं। इस दौरान सुधार के क्षेत्र में कई बड़े कदम उठाए गए। कुछ विभागों में रिफार्म की कोशिशें अच्छी हुई। मगर एक बात लोगों को अभी भी खटक रहा, वो है करप्शन। तमाम कोशिशों के बाद सरकारी मशीनरी में करप्शन का लेवल डाउन नहीं हो रहा। आश्चर्य यह है कि ये तब भी नहीं रुक रहा, जब सरकार के पास साफ-सुथरी छबि की एक बेहतरीन टीम है। चीफ सिकरेट्री विकास शील हों या फिर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, डीजीपी अरुणदेव गौतम हों या फिर खुफिया चीफ अमित कुमार। इन चारों शीर्ष अधिकारियों की ईमानदारी और निष्ठा पर विपक्ष के लोग भी सवाल नहीं खड़ा कर सकते। बावजूद इसके अगर भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पा रहा तो सिस्टम में बैठे लोगों को मंथन करना चाहिए कि लाइलाज बन चुकी इस बीमारी का निदान क्या है। हालांकि, सिस्टम को ऑनलाइन करने के प्रयास तेज हुए हैं...ई-ऑफिस से फाइलों को कोई ज्यादा दिन तक रोक नहीं पा रहा...मगर सिस्टम इतना खटराल हो चुका कि सिर्फ इससे काम नहीं चलेगा। पॉलीटिकिल लेवल पर भी इस पर काम करना होगा। वास्तव में जरूरत है सौदान सिंह जैसे शख्सियत की, जो आवश्यकता पड़ने सायकिल चला सके, और डंडा भी।

मंत्रियों का जनदर्शन क्यों नहीं?

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनदर्शन फिर से प्रारंभ होने जा रहा है। 13 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास में उनका जनता दरबार लगेगा। हालांकि, सीएम हादस में पहले भी कुछ जनदर्शन हुए थे। मगर व्यस्तता की वजह से कुछ महीनों से यह कार्यक्रम बंद हो गया था। सरकार के रणनीतिकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री का जनदर्शन अब अनब्रेक चलेगा। याने कोई बेहद विशेष परिस्थिति होगी, तभी इसमें बदलाव किया जाएगा। खैर, सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि मंत्रियों का भी रेगुलर जनदर्शन हो। कुछ मंत्रियों की स्थिति ये हो गई है कि आम आदमी से मिलना दूर, पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके पास फटकने नहीं दिया जाता। यही हाल, कलेक्टरों का है। सरकार ने कलेक्टरों को कई बार जनदर्शन लगाने कहा मगर ग्राउंड पर उसका पालन नहीं हो रहा। दो-चार को छोड़ दें तो शायद ही कोई कलेक्टर जनदर्शन करता हो। जाहिर सी बात है कि आम आदमी हो या कार्यकर्ता, संवेदनशीलता से कोई सुनने वाला मिल जाए तो उसकी आधी पीड़ा वैसे ही दूर हो जाती है।

पांच बेस्ट कलेक्टर!

छत्तीसगढ़ में 33 जिले हैं और स्वाभाविक तौर पर इतने ही कलेक्टर। मंत्रालय के कुछ अफसरों ने कलेक्टर कांफ्रेंस के बाद अनआफिसियल तौर पर इनकी ग्रेडिंग तैयार की है, उनमें पांच कलेक्टरों को परफार्मेंस की दृष्टि से सबसे उपर रखा गया है। हालांकि, ग्रेडिंग में परसेप्शन की भी भूमिका हो सकती है। क्योंकि, इन पांच में से दो-तीन को पहले से माना जाता है कि वे रिजल्ट देने वाले अफसर हैं। बहरहाल, 13 कलेक्टरों के वर्क को संतोषजनक माना गया है। और चार को खराब। अगर सियासी परिस्थितियां अनुकूल रही तो अगली लिस्ट में इन्हें बदला जा सकता है।

पुलिस कमिश्नर में ब्रेकर

सरकार बदलते ही पुलिस कमिश्नर सिस्टम पर चर्चा शुरू हुई थी। 2024 के स्वतंत्रता दिवस पर इसका ऐलान होना था। मगर 2025 का गणतंत्र दिवस निकल गया। इस साल 15 अगस्त को इस ऐतिहासिक सुधार की घोषणा हुई मगर अभी भी यह कागजों से बाहर नहीं आ पाया है। उपर से अदृश्य शक्तियों ने दुर्ग के साथ नाइंसाफी कर दी। जाहिर है, प्रारंभ में रायपुर और दुर्ग में इस सिस्टम को लागू करने पर बात हुई थी। घोषणा से पहले गृह विभाग ने रायपुर और दुर्ग आईजी से इस सिलसिले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। मगर जब पुलिस कमिश्नर के लिए ड्राफ्ट बनाने का निर्देश जारी हुआ तो दुर्ग डिलिट हो चुका था। बहरहाल, डीजीपी के निर्देश पर बनी सात सदस्यीय कमेटी ने सितंबर में ड्राफ्ट तैयार कर गृह विभाग को भेज दिया। अंदेशा था कि राज्य निर्माण के रजत जयंती जैसे ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों पुलिस के इस सबसे बड़े रिफार्म का आगाज हो जाएगा। मगर किन्हीं वजहों से ऐसा हो न सका। अब इसे कब और किस रुप में लागू किया जाएगा, कोई कुछ ठीक से बता पाने की स्थिति में नहीं है।

मंत्रियों की छुट्टी?

सियासी गलियारों में अटकलें बड़ी तेज है कि मंत्रिमंडल से दो-एक मंत्रियों को बदला जा सकता है। दावे यहां तक किए जा रहे कि दिसंबर में किसी भी दिन मंत्रिमंडल में सर्जरी हो सकती है। जाहिर है, इस तरह की खबरों की कोई पुष्टि करता नहीं। ऐसी खबरें द्रुत गति से फैलती भी है। सो, हर तीसरा आदमी यह सवाल कर रहा...किन मंत्रियों को बदला जा रहा। हालांकि, इस उड़ी हुई खबरों के बीच यह सवाल भी गौरकाबिल है कि दो महीने पहले सितंबर में जब तीन मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया गया...उसी समय मंत्रिमंडल का पुनर्गठन क्यों नहीं हुआ?

कलेक्टरों को अभयदान

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य याने एसआईआर प्रारंभ हो गया है। 6 फरवरी 2026 तक सरकारी मुलाजिम डोर-टू-डोर जाकर मतदाता सूची को चेक करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य सरकार ने कलेक्टर्स, एडिशनल कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों समेत इस कार्य में लगे कर्मचारियों के तबादले पर रोक लगा दी है। इससे खासतौर से कलेक्टरों का ट्रांसफर प्रभावित होगा। सूबे में कलेक्टरों की एक छोटी लिस्ट काफी दिनों से प्रतीक्षित है। ऐसे संकेत भी थे कि राज्योत्सव के बाद एक लिस्ट निकलेगी। मगर एसआईआर शुरू हो जाने के बाद अब 7 फरवरी 2026 से पहले कलेक्टरों का ट्रांसफर मुमकिन नहीं होगा। अलबत्ता, सरकार चाहे तो निर्वाचन आयोग से परमिशन लेकर छोटे स्तर पर तबादले किए जा सकते हैं। मगर देखना यह होगा कि सरकार के लिए यह कितना जरूरी है।

आईपीएस की लिस्ट

पिछले महीने राज्य सरकार ने चार पुलिस अधीक्षकों समेत करीब आधा दर्जन आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया। मगर महासमुंद के एसपी आशुतोष सिंह का नाम लिस्ट से गायब देख लोगों को बड़ा आश्चर्य हुआ। आशुतोष डेपुटेशन पर दिल्ली जा रहे हैं। सीबीआई में उन्हें एसपी की पोस्टिंग भी हो गई है। पोस्टिंग मिलने के बाद चूकि डेपुटेशन पर जाना अनिवार्य रहता है, इस लिहाज से समझा जा रहा था कि आईपीएस की लिस्ट में सबसे उपर उनका नाम होगा। मगर ऐसा हुआ नहीं। बहरहाल, जैसी कि सूचना है राज्य सरकार किसी भी दिन किसी आईपीएस को महासमुंद का एसपी अपाइंट कर आशुतोष को सीबीआई के लिए रिलीव कर देगी। हो सकता है, राजभवन में नए एडीसी भी नियुक्त किए जाएं। एडीसी का मामला भी लंबे समय से लटका हुआ है। सरकार ने सुनील शर्मा की जगह उमेश गुप्ता को नया एडीसी नियुक्त किया था। मगर सुनील शर्मा को अभी भी कंटिन्यू करना पड़ रहा है।

अफसर का पावर

किसी अफसर का पावर और संपर्क कितना मजबूत हो सकता है, इस वाकये से आप अंदाजा लगा सकते हैं। असल में, स्कूल शिक्षा विभाग के मंत्री बनने के बाद गजेंद्र यादव कड़े तेवर दिखा रहे हैं। कई जेडी, डीईओ को सस्पेंड करने के बाद वे डीपीआई के कुछ अधिकारियों को बदलने का प्रयास शुरू किए थे। शिक्षकों के ट्रांसफर की नोटशीट लीक करने की वजह से एक अफसर उनके निशाने पर था। मगर इसकी भनक अधिकारी को लग गई। और उसका जलवा देखिए...अधिकारी की सिफारिश लेकर दो-दो मंत्री गजेंद्र यादव के पास धमक गए। गजेंद्र तब एक जिले के दौरे पर सर्किट हाउस में रुके थे। दो-दो मंत्रियों को देख वे हैरान रह गए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. सत्ताधारी पार्ट को 14 की 14 सीटें देने वाले संभागीय मुख्यालय अम्बिकापुर की सड़कें इतनी बदतर क्यों हो गई है?
2. क्या ये सही है कि बीजेपी के कुछ नेता भी विपक्ष का किरदार निभा रहे हैं?

बीएससी नर्सिंग में एडमिशन के लिए विद्यार्थियों का टोटा, खाली 4811 सीट, आवंटन 464 का

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

एक बार फिर प्रदेश में संचालित निजी नर्सिंग कालेजों में बीएससी नर्सिंग की सीटों के लिए विद्यार्थियों का टोटा हो गया है। मॉपअप राउंड के लिए नर्सिंग कालेजों में 4811 सीट खाली थी, जिसमें से 464 का आवंटन हुआ है। जारी आवंटन लिस्ट के आधार 12 नवंबर तक एडमिशन होगा। कालेजों में विद्यार्थियों की कमी की वजह आईएनसी द्वारा निर्धारित न्यूनतम 40 और 50 अंक की पात्रता के नियम का पेंच है।

जारी मॉपअप राउंड में आठ शासकीय कालेज की 80 सीटों का आवंटन किया गया है। इसके बाद 124 निजी कालेजों 4731 सीटों के लिए 384 अभ्यर्थी ही मिल पाए हैं। इन्हें प्रवेश के लिए पांच दिन का मौका दिया गया है। इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा करीब सात साल पहले नर्सिंग की पढ़ाई का स्तर सुधारने का हवाला देकर प्रवेश परीक्षा में सामान्य वर्ग के 50 और आरक्षित वर्ग के 40 प्रतिशत अंक लाने वाले अभ्यर्थियों को पात्र किए जाने का नियम बनाया गया था। यह नियम अभी भी बड़ी संख्या में बीएससी की सीटें खाली रहने की वजह बना हुआ है। हर साल निजी नर्सिंग कालेज प्रबंधन सीटों का हवाला देकर नियम में शिथिलता लाने की गुहार लगाते हैं और लंबी प्रक्रिया और समय के बाद एडमिशन का काम पूरा होता है। मॉपअप राउंड के दौरान नर्सिंग कालेजों में 3345 प्रबंधन और 1466 शासकीय कोटे की सीट रिक्त है। पूर्व की काउंसिलिंग के दौरान करीब ढाई हजार सीटों पर प्रवेश हो पाया है। मॉपअप राउंड के बाद बचे-खुचे विद्यार्थियों के लिए स्ट्रे राउंड का आयोजन होगा, जिसमें शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की संख्या सौ से ज्यादा नहीं होगी।

पिछली बार 5 फीसदी न्यूनतम अंक

पिछले साल प्रवेश के लिए विभिन्न तरीके के निवेदन के बाद प्रवेश परीक्षा को 5 फीसदी अंकों के साथ पास करने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया था। प्रवेश की प्रक्रिया फरवरी तक पूरी की गई थी। स्ट्रे राउंड के बाद निजी नर्सिंग कालेज एसोसिएशन चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के सामने अपनी परेशानी रखेंगे। इस आधार पर नियमों में शिथिलता लाने आईएनसी को पत्र प्रेषित किया जाएगा, जिस आधार पर निजी नर्सिंग कालेजों की सीटों का भविष्य तय होगा।

विशेष: बाल दिवस 14 नवंबर

हम सब जानते हैं कि देश-समाज का भविष्य हमारे नौनिहालों के हाथों में है। इसलिए उनके लालन-पालन से लेकर उनके समग्र विकास पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। नए दौर में बच्चों के सामने कैसी चुनौतियां हैं, उन्हें किन स्तरों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, इसे हमें समझना होगा। तभी उनका बचपन सुरक्षित होगा और उनके साथ देश-समाज का भविष्य भी बेहतर बन सकेगा।

हमारी सजगता से बच्चों को मिलेगा सुरक्षित बचपन-बेहतर भविष्य

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर भारत में बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका पारंपरिक अर्थ रहा है- बच्चों की मासूमियत और जिज्ञासा को सहेजना। लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि जब से बाल दिवस शुरू हुआ था, तब से अब तक इसके भावनात्मक अर्थ पूरी तरह से बदल चुके हैं। कभी यह बच्चों को टॉफी देने, उनसे कार्यक्रम करवाने और स्टेज से उन्हें अच्छी-अच्छी बातें सुनाने का दिन हुआ करता था। लेकिन 21वीं सदी के इस 25वें साल में बाल दिवस का मतलब हर बच्चे को डिजिटल, मानसिक और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बचपन देना है।

बदल गए बाल दिवस के मायने

आज बच्चों से मुखातिब होने का मतलब उन्हें केवल शिक्षा और पोषण तक सीमित रखना नहीं है बल्कि आज के बच्चों का एक्सपोजर- एआई, सोशल मीडिया, मोबाइल एडिक्शन, जलवायु संकट और करियर को लेकर तरह-तरह के दबावों से घिरा हुआ है। आज बचपन के चारों तरफ नई-नई चुनौतियां हैं, जिन्हें शायद आज के चार दशक पहले के बच्चे जानते तक नहीं थे। इसलिए साल 2025 में बाल दिवस का वही मतलब नहीं है, जो 1970 या 80 में हुआ करता था। आज बाल दिवस का मतलब बच्चों को सुरक्षित, स्वतंत्र और खुशहाल इंसान बनाने का सपना ही नहीं बल्कि उन्हें उचित अवसर देना भी है। इसलिए आज यह दिन बच्चों को याद करने का नहीं, उनकी दुनिया को बेहतर बनाने का दिन है। आज यह दिन हममें उनके भविष्य के निर्माण के प्रति चिंता पैदा करता है। नई सदी की नई चुनौतियों के अनुरूप आज बच्चों के बचपन को संजोने से आगे बढ़कर उन्हें भविष्य के अनुरूप इंसान गढ़ने का दिन है।

कई दबावों से घिरा है बचपन

पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उनका सोचना था कि अगर बच्चों को सही दिशा में सोचने, सवाल करने और सीखने की आजादी मिले तो वे आपकी कल्पना से भी ऊंची उड़ान भर सकते हैं। लेकिन हमने आजादी के बाद के पिछले 80 सालों में बचपन को फलने-फूलने के लिए एक खुला वातावरण देने की बजाय आज के बच्चों को प्रेशर कुकर पीढ़ी बना दिया। आज दस साल का बच्चा भी अपने करियर की उस तरह चिंता करता है, जैसी चिंता आजादी के तुरंत बाद के दिनों में 40 साल के अधेड़ भी नहीं करते थे। उस जमाने में बचपन का मतलब होता था- खेलना, बेफिक्र होकर जीना और जीवन की असफलताओं से गुजरकर सफलता की ओर बढ़ना। लेकिन आज स्थिति एकदम बदल गई है। ऐसा माहौल बन गया है जैसे आज जीवन में असफलता के लिए कोई जगह ही नहीं है। आज की तारीख में दस-बारह साल के बच्चे एक नहीं कई-कई क्षेत्रों में पारंगत बनने के लिए वैसी गंभीर ट्रेनिंग लेते हुए मिल जाएंगे, जैसे कभी वयस्क लिया करते थे।

बच्चों के बीच न पनपे असमानता

डिजिटल युग में बचपन की बाधाएं बिल्कुल अलग हैं। आज 27 करोड़ बच्चे इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। अब किताबों से पहले उनके हाथ में स्मार्ट मोबाइल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिन्हें जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी हासिल नहीं हैं। ऐसे में भला देश के सभी बच्चे एक तरह से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? यहां स्मार्ट फोन रखने वाले बच्चे ऑनलाइन शिक्षा, कोडिंग, डिजाइन और उद्यमिता के भविष्य का पाठ अपनी स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वहीं करोड़ों गांवों, कस्बों के बच्चों के लिए ये पाठ उनकी जिंदगी शुरू हो जाने के बाद भी मुश्किल से शुरू हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह से व्यवस्था करके भारत में बच्चों के बीच असमानता की इस बड़ी खाई को पाटना होगा। आज बड़े पैमाने पर नई पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि अब डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी नहीं बल्कि उस मोड़ पर आ गई है, जहां इसे नैतिक शिक्षा का भी हिस्सा बनना चाहिए। बच्चों को आज यह बताना जरूरी है कि डिजिटल माध्यम उनके अच्छे भविष्य को संवारने का साधन मात्र है, साध्य नहीं।

भविष्य के लिए करना होगा तैयार

आज बाल दिवस के मौके पर हम बच्चों को कोई चीज समझाने के लिए रटाने की जिद नहीं कर सकते बल्कि उन्हें समस्या का हल निकालने का मैथड समझाना होगा, साथ ही नैतिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें भरनी होगी, ताकि वह भविष्य में सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में ही सफल न हों बल्कि जीवन जीने के मामले में भी बेहद कामयाब हो सकें। आज बच्चों में पर्यावरणीय चेतना जगाना एक्स्ट्रा एक्टिविटी नहीं, न उनको विशेष बनाना है बल्कि यह जीने की जरूरी गतिविधि का हिस्सा है।

इसी तरह बच्चों में समानता और समावेशिता की सीख देना सिर्फ उन्हें बेहतर इंसान बनाने की कोशिश नहीं है बल्कि उन्हें आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में योग्य बने रहने का जरूरी गुण है और याद रखिए, आज के बच्चों को न तो पूरी तरह से घर की जिम्मेदारी पर छोड़ा जा सकता है और न ही मां-बाप उन्हें बेहतर इंसान और सफल नागरिक बनाने की सारी जिम्मेदारी स्कूलों पर डाल सकते हैं। यह स्कूलों और घरों के साझे अभियान का समय है। अगर हम बच्चों को भविष्य का सफल और शिष्ट नागरिक बनाना चाहते हैं, तो उन्हें आगामी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। तभी बाल दिवस मनाना भी सफल होगा। *

बच्चों के तनाव को करें दूर

साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के मुताबिक आज हर सात में से एक बच्चा किसी न किसी तरह के मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मोबाइल युग के पहले ऐसा खतरा दूर-दूर तक नहीं होता था। आज बच्चों के सामने परीक्षा का डर, सोशल मीडिया की चिंता और माता-पिता की उम्मीदों की धुकधुकी उन्हें सहज नहीं होने देती। अगर हम बच्चों को भविष्य का स्वस्थ और सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो हमें उनके स्वास्थ्य को लेकर सहानुभूति से सुनने की सोच बदलनी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग सेल, ओपन टॉक सेशन और इमोशनल लिट्रेसी प्रोग्राम लागू करने की बेहद जरूरत आन पड़ी है। आज बाल दिवस बड़ी शिद्दत से हमें याद दिलाता है कि बच्चों में भावनात्मक मजबूती, उनके सफल होने की बुनियादी शर्त है। साथ ही आज बदलते युग की जरूरतों में किसी न किसी कुशलता में दक्ष होना और अपनी गतिविधियों में वैल्यू एडिशन करने की क्षमता पाना भी जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि साल 2030 के बाद मशीनें सिर्फ मशीनें नहीं रहेंगी, वह इंसान से भौतिक प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। आने वाले दिनों में परंपरागत नौकरियां बदल जाएंगी। इसलिए आज की पीढ़ी को सीखना ही नहीं बहुत सतर्कता और सावधानी से अपनी क्रिएटिविटी और कोलेब्रेशन की क्षमता को भी साथ-साथ बढ़ाना है।

दायित्व
डॉ. अनिता राठौर

बचपन से किशोरावस्था तक बच्चों के जीवन में सबसे बड़ी भूमिका पैरेंट्स और टीचर्स की होती है। ऐसे में बच्चों के बेहतर, तनावरहित और उज्ज्वल भविष्य के लिए दोनों को उनकी जरूरतों और समस्याओं को गंभीरता से समझना होगा।

पैरेंट्स-टीचर्स जरूर समझें बच्चों की जरूरतें-समस्याएं

हर साल मनाए जाने वाले बाल दिवस का आशय हमें इस बात का एहसास भी कराना है कि कैसे आने वाले समय में बच्चे अपनी कल्पना, मासूमियत और संवेदनशीलता को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ सकें? लेकिन सवाल है क्या आज अभिभावक और अध्यापक सचमुच बच्चों के रोजमर्रा की जरूरतों को समझते हैं? क्या तकनीक के बदलाव के इस दौर के बच्चों की जुबान और उनके मन पर तेजी से पड़ रहे प्रभावों को वो समय के अनुरूप समझ पा रहे हैं और इसको ध्यान में रखते हुए उनके विकास की जरूरत की भाषा बोल-समझ पा रहे हैं?

बदलें अपनी मानसिकता: जिस तरह से इंटरनेट, सोशल मीडिया, स्मार्ट क्लास, डिजिटल गेम्स और जूम्स गैदरिंग ने आज की समूची जीवनशैली को बदलकर रख दिया है, उस जीवनशैली को आज की एक दशक पुरानी भाषा से न तो समझा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। लेकिन सवाल है, क्या आज भी कई दशक पुराने अध्यापक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की बागडोर अपने हाथों से संभाले हुए हैं, उन्हें डिजिटल युग के इन बच्चों की अभिव्यक्ति की भाषा समझ में आती है? क्या वे उन्हें उनके अनुरूप भाषा में जवाब दे पा रहे हैं? यह सिर्फ अध्यापकों के समक्ष का सवाल नहीं है। सच तो यह है कि यह बात अभिभावकों पर भी पूरी तरह से लागू होती है। आज के बच्चों का बचपन सिर्फ खेल के मैदान में नहीं बल्कि खेल के मैदान में कम, स्क्रीन की रोशनी के बीच ज्यादा बीतता है। लेकिन उनके अधिकांश अभिभावक साथ ही अध्यापक भी आज भी 90 के दशक की उस मानसिकता में अटके हुए हैं, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे किताबों में डूबे रहें, अपनी क्लास में सबसे ज्यादा नंबर लाएं, बड़ों की बातों को बिना सवाल किए मानें और घर में जब रिश्तेदार आएं तो उनके सामने वे अपने मां-बाप और रिश्तेदारों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब गर्दन नीची करके दें।

बदल गई बच्चों की मन:स्थिति: आज के बच्चों की मन:स्थिति बिल्कुल बदल गई है। सच तो यह है कि आज के तेज रफ्तार विकास और चमत्कारिक हो चली तकनीकी के इस युग में उनके मनो-मस्तिष्क में जिज्ञासाओं और आशंकाओं की तेज रफ्तार के अंधड़ चल रहे हैं। फिर भी अभिभावक हों या अध्यापक, उनसे 90 के दशक के बच्चों की तरह ही अनुशासन और आज्ञाकारिता की मांग करते हैं। मां-बाप और स्कूल टीचर बच्चों को आज भी पुराने खांचे और सांचे में ढाले रखना चाहते हैं। आज के मां-बाप और अध्यापक इस बात को समझ ही नहीं रहे कि तेजी से आ धमके डिजिटल युग ने किशोरों की समूची मानसिक संरचना को बदल कर रख दिया है। आज 14 से 16 साल के बच्चे न सिर्फ भविष्य के अपने करियर को लेकर चिंतित हैं बल्कि अपने लाइफस्टाइल को लेकर भी उन पर अभी से दबाव है।

आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं यानी, ऐसी पीढ़ी जो तकनीक के साथ पैदा हुई है और समझती है कि उन्हें डांटने और रोकने की इजाजत भी मां-बाप के पास नहीं होनी चाहिए।

समझें नए दौर के बच्चों की जरूरतें: एक बड़ी समस्या यह भी है कि आज अभिभावक अपने बच्चों की ज्यादातर जरूरतों को भौतिक रूप ही समझते हैं। जैसे- उनका स्कूल अच्छा होना चाहिए, उनके पास अच्छी क्वालिटी का मोबाइल होना चाहिए, वो प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर या ट्यूटर से कोचिंग पढ़ें और उनके कपड़े अच्छे से प्रेस (इस्त्री) होने चाहिए। मां-बाप भूल जाते हैं कि बच्चों की इन सब चीजों के अलावा भी जरूरतें हैं। उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतें। लेकिन यह सिर्फ मां-बाप की ही कहानी नहीं है, आज के अध्यापक भी भूल जाते हैं कि उनके छात्र, उनसे टेक्नोलॉजी में कुशलता के अलावा जीवन की कठिन गांठों को सुलझाने की उम्मीद भी रखते हैं। आज के किशोरों के दिल की बात सुनने वाला कोई नहीं है, न स्कूल में अध्यापक, न घर में मां-बाप।

जी लेने दें बच्चों को बचपन: आज अभिभावकों और अध्यापकों को ठहरकर इन बातों पर गौर करना चाहिए। ऐसे संक्रमण काल में यह जरूरी है कि अध्यापक और अभिभावक दोनों ही बच्चों के दिल की आवाज को गंभीरता से सुनें। आज भी बच्चों को उनकी रुचियों के मुताबिक जीने और बचपने का आनंद लेने की छूट दी जानी चाहिए, जिसके लिए जरूरी है कि अभिभावक और अध्यापक दोनों ही आज के बचपने की भाषा को गंभीरता से समझें, तभी इस सब कुछ की संभावना वाले युग में बच्चों का बचपन शानदार और खुशियों से भरा होगा। *

गजल
प्रताप सोमवंशी

वो सारा दर्द छुप जाता था जो घर-बार के अंदर
वही दिखने लगा है आज-कल अखबार के अंदर

वो घर के एक बूढ़े की तरह सबसे निभाता है
मुसीबत छह दिनों की छुप गई इतवार के अंदर

ये रिश्ते तौलना, गिनना, उठाना, देखना, रखना
ये हम परिवार के अंदर हैं या बाजार के अंदर

वहां रिश्तों की खिड़की पर हैं कितने कीमती पर्दे
घुटन महसूस होती है मुझे दीवार के अंदर

किसी को भी कभी शीशे के जैसे मत समझ लेना
बहुत चुभता है जब टूटा है कुछ किरदार के अंदर

भलाई सिर्फ इतना चाहती है सौंपकर सबकुछ
बदल जाए कहीं दुनिया में कुछ दो-चार के अंदर

बहुत मजबूत होते हैं ये मजबूरी के कांधे भी
जो पूरा गांव ढो कर रख गए बाजार के अंदर

व्यंग्य / विनय मोघे

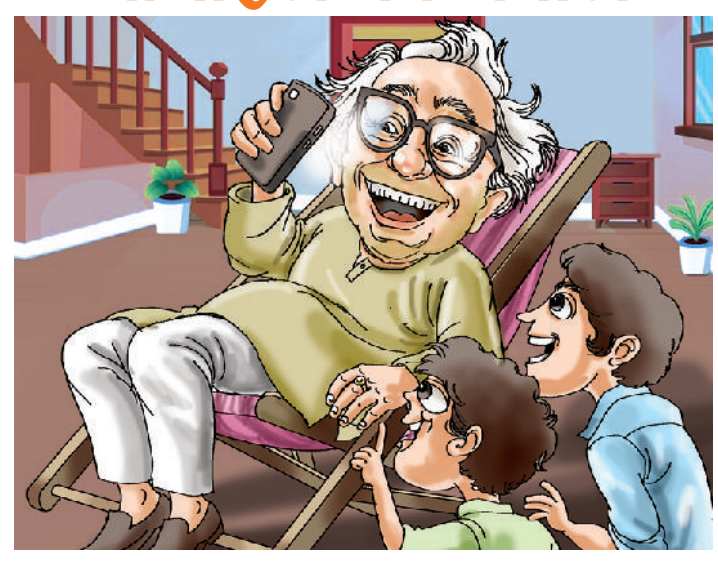

मोबाइल का बवाल

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो ख्यालीराम के कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए।

सत्तर वर्षीय ख्यालीराम का परिवार चिंतित है, क्योंकि ख्यालीराम ने अन्न-जल त्याग देने की घोषणा कर दी है। कारण यह है कि घरवालों ने उनका मोबाइल उनसे ले लिया है। अब उनका फेसबुक, व्हाट्सएप सब बंद है। दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है, इसीलिए उन्होंने अन्न-जल से अपना, संपर्क तोड़ लेने की ठान ली है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें अच्छा वाला स्मार्टफोन दिलाया था। उनके पौत्रों ने उनके मोबाइल पर कई सारे एप्स डाउनलोड कर दिए थे। ख्यालीराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कांपते हाथों और कमजोर नजरों से ख्यालीराम उन एप्स का उपयोग करने लगे। बस यहीं से उनकी और उनके परिवार की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया।

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। साथ ही में RIP की जगह दो बार PIP-PIP भी लिख दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए थे। हर बर्थ-डे और एनिवर्सरी पर सेम गलती करते या उनसे कोई और गलती हो जाती है। केक के चित्र की जगह या तो दूध की बोतल वाला चित्र भेज देते या कुत्ते को दी जाने वाली हड्डी का। बधाई संदेशों को खुद टाइप नहीं कर पाते तो कॉपी पेस्ट कर दिया करते। ऐसे में कभी एनिवर्सरी के उनके संदेश में अकसर पति-पत्नी की जोड़ी बदल जाती थी। पतियों को शायद उनका ऐसा करना अच्छा लगता हो पर पत्नियां नाराज हो उठती थीं। उनकी गलतियों से बचने के लिए उनके दोनों पौत्रों ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजने का आइडिया सुझाया। एक बर्थ-डे पर उन्होंने जो वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें सिर्फ उनके खांसने की आवाज और दो बार 'हे राम, ये खांसी तो मार ही डालेगी मुझे।' सुनाई दिया। पूरे मैसेज में बर्थ-डे का जिक्र कहीं नहीं हुआ।

फेसबुक पर अपने पुराने मित्रों, सहेलियों को ढूंढने के चक्कर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले कई लोगों को अपना मित्र बना लिया था। कुछ ही दिनों में उनके मित्रों की कुल संख्या सैकड़ा पार कर गई थी, जिनमें असली मित्र बहुत ही कम थे। कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण उनके फेसबुक मित्रों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही थी। एक दिन किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप पर उनके कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण 43 इंच एलईडी टीवी ऑर्डर हो गया, वो भी 'कैश ऑन डिलीवरी।' जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन घरवालों ने उनसे मोबाइल वापस ले लिया। मोबाइल के आदी हो चुके ख्यालीराम अब अन्न-जल के बिना रह सकते हैं पर मोबाइल के बिना नहीं। घरवाले सोच रहे हैं, उन्हें अन्न-जल दें या मोबाइल? *

एआई इमेज

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

बड़ा आदमी

सुभाष के बारह वर्षीय बेटे राहुल ने मचलते हुए कहा, 'पापा, मुझे बड़ा आदमी बनना है।'

'इस सीढ़ी पर चढ़कर बैठ जा।' सुभाष ने दीपावली की सफाई के लिए निकाली गई सीढ़ी की ओर इशारा करते हुए मजाकिया ढंग से कहा।

राहुल भी हंसी-हंसी में सीढ़ी के तीन डंडों पर चढ़कर ऊपर बैठ गया।

पिता ने पहले अपने और फिर उसके सिर पर हाथ ले जाते हुए बताया, 'देखो, अब तुम मुझसे भी बड़े हो गए। ध्यान दो, तुम एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए बड़े बने हो।'

राहुल ने शिकायती लहजे में कहा, 'ऐसे नहीं, मुझे सचमुच का बड़ा आदमी बनना है।'

'इसके लिए तुम्हें अपने ही आस-पास के किसी बड़े आदमी को ढूंढना होगा, उसके समीप रहना होगा और फिर उसके जैसा बनने की कोशिश भी करनी होगी।'

राहुल ने सवाल किया, 'लेकिन कोई बड़ा आदमी है, मैं कैसे पहचानूंगा?'

'हां, यह समस्या तो है। पहले के समय में पहचान का तरीका अलग था। कोई सज्जन होता था, ज्ञानी होता था, समाज के हित के लिए काम करता था तो उसे बड़ा आदमी माना जाता था। आज के जमाने में किसी व्यक्ति के आस-पास के लोगों को व्यवहार देखकर यह जाना जाता है।' सुभाष ने बताया।

'उस व्यक्ति के बजाय उसके आस-पास के लोगों का व्यवहार देखकर पहचाना जाएगा कि वह कितना बड़ा आदमी है?' राहुल ने आश्चर्य से पूछा।

'हां!' पिता सुभाष ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, 'कोई आदमी कहीं पहुंचे तो उसे आता देखकर वहां बैठे सारे लोग खड़े हो जाएं, वह आकर बैठ जाए तो सभी बैठ जाएं, वह आदमी चलने के लिए उठकर खड़ा हो तो शेष लोग भी खड़े हो जाएं, उसे छोड़ने बाहर तक जाएं, तब समझो कि वह बड़ा आदमी है।' *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

जीने का रास्ता दिखाती कहानियां

समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है। इस बदलाव की सबसे बड़ी मार परिवार, रिश्ते, नाते और हमारी संवेदनाओं पर पड़ी है। हर किसी की जिंदगी में हर दिन कुछ ना कुछ टूट रहा है, बिखर रहा है। तकनीक की तरक्की ने दूरियों को और बढ़ाने का काम किया है। इन्हीं दूरियों, बिखराव और भटकाव के बीच जीने का रास्ता तलाशती हैं 'पा की डायरी' की कहानियां। इस पुस्तक की लेखिका आशा शर्मा हैं। लेखिका अपनी इन कहानियों में एक स्वप्न बुनती हैं। स्वप्न जिसमें परिवार का साथ, रिश्तों में नमी व स्त्री की स्वतंत्रता हो। शीर्षक कहानी 'पा की डायरी' दांपत्य प्रेम की अनूठी बानगी है। एक डायरी जो जीवन भर पत्नी को परेशान करती रही। पति के मृत्यु के बाद उसका रहस्य खुलता है, जो पत्नी को हैरान कर देता है। 'दिमाग वाली लड़की' आज की आत्मचेता स्त्री के स्वाभिमान की कहानी है। 'अधबुना स्वेटर' में लेखिका ने रिश्तों की गर्माहट की बड़ी आत्मीय कहानी लिखी है। 'प्रतिरूप', 'पिघलती बर्फ', 'जी ले जरा' आदि कहानियां भी जीवन के उतार-चढ़ाव को खूबसूरती से उकेरती हैं। कह सकते हैं कि ये आज के जटिल समय की कहानियां हैं। मगर लेखिका ने इसे बड़े सरल तरीके से लिखा है। बिल्कुल सुलझे अंदाज में। *

पुस्तक: पा की डायरी (कहानी संग्रह), **लेखिका:** आशा शर्मा, **मूल्य:** 260 रुपए, **प्रकाशक:** समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली

भारत के इतिहास में पहली बार जीवन भर मुफ्त बिजली

मात्र 5 हजार रुपए प्रति किलोवाट के दर से भुगतान करके आज ही बुक करें सोलर सिस्टम एवं गिफ्ट पाए 20 हज़ार* से 5 लाख* तक का

भारत सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत (केंद्र सरकार +राज्य सरकार +एडवांस सोलर) से पायें सब्सिडी 1,28,000 एवं 30 वर्षों के अनुभव एवं विश्वास के साथ एडवांस इंटरनेशनल ग्रुप अब सोलर के क्षेत्र में क्रांति ला रही है।

छत्तीसगढ़ के सभी गाँव, ब्लॉक, तहसील एवं जिला हेतु-मुफ्त बिजली अब सबके लिये मुफ्त बिजली के साथ अब अतिरिक्त बिजली बेचकर कमा भी सकते है

क्षमता	कुल सब्सिडी केंद्र सरकार + राज्य सरकार + एडवांस सोलर कंपनी द्वारा सब्सिडी* ("हर घर सोलर" अभियान योजना के तहत)	एडवांस सोलर कंपनी द्वारा गिफ्ट / डिस्काउंट (on MRP)	सभी ऑफर का लाभ लेने के के बाद अनुमानित मासिक EMI	मासिक बिजली बचत रुपये* (लगभग)
2kw	95,000/- 60,000 + 30,000 + 5000	20,000/-	290/-*	₹ 1600 से 2000 तक
3kw	118,000/- 78,000 + 30,000 + 10,000	30,000/-	650/-*	₹ 2400 से 3000 तक
4kw	118,000/- 78,000 + 30,000 + 10,000	30,000/-	1050/-*	₹ 3200 से 4000 तक
5kw	118,000/- 78,000 + 30,000 + 10,000	40,000/-	1670/-*	₹ 4000 से 5000 तक
8kw	118,000/- 78,000 + 30,000 + 10,000	80,000/-	3543/-*	₹ 6400 से 8000 तक
10kw	128,000/- 78,000 + 30,000 + 20,000	1,40,000/-	4668/-*	₹ 8000 से 10,000 तक
15kw	--------/-	160,000/-	7664/-*	₹ 15,000 से 18,000 तक
20kw	--------/-	2,00,000/-	10219/-*	₹ 20,000 से 25,000 तक
25kw	--------/-	2,00,000/-	12774/-*	₹ 25,000 से 30,000 तक
50kw	--------/-	5,00,000/-	24700/-*	₹ 50,000 से 60,000 तक

EMI Calculation 6.5% , It May Very As Per Civil Score And Bank

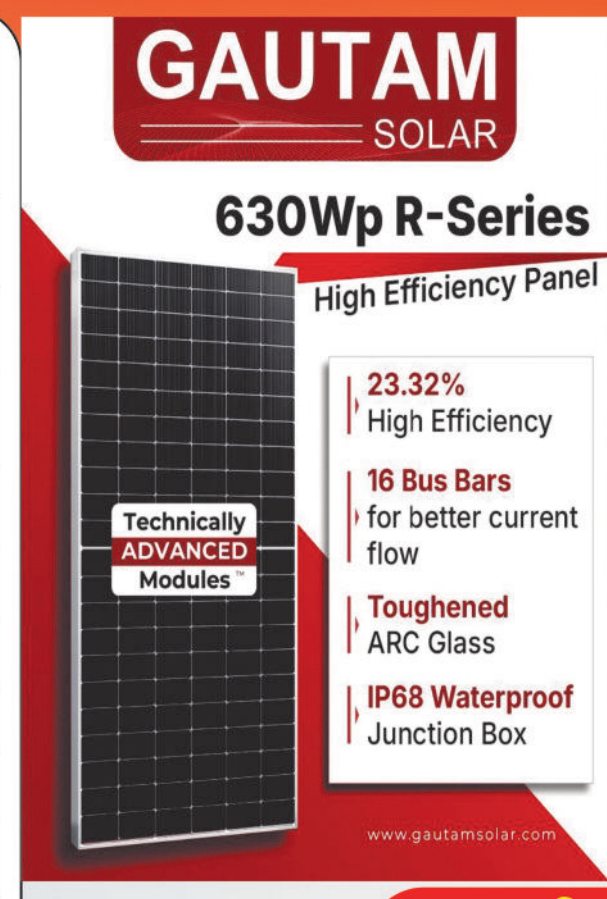

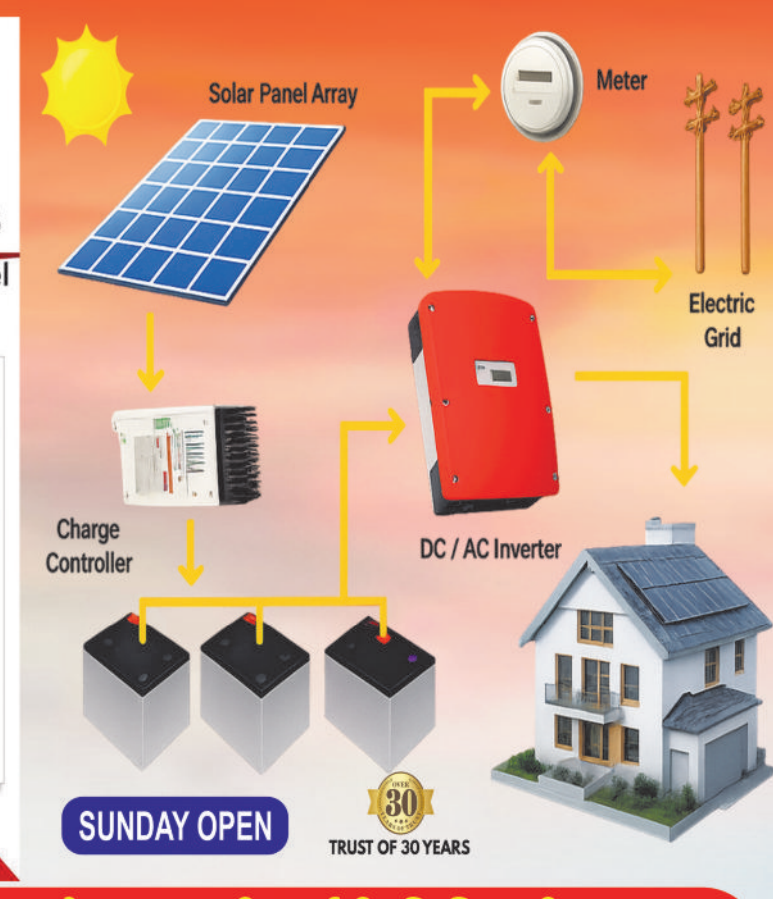

सोलर क्रांति योजना

ग्रुप कनेक्शन लीजिए और पाइए अतिरिक्त कैश डिस्काउंट

2,5,10 सोलर कनेक्शन एक साथ लेने पर प्रति कनेक्शन उतने हज़ार का डिस्काउंट प्रत्येक कनेक्शन पर मिलेगा-

यदि आप 10 सोलर कनेक्शन एक साथ लेते है तो 10 हज़ार का डिस्काउंट सभी 10 सोलर कनेक्शन पर मिलेगा (2 से 10 कनेक्शन तक)

ऑफर केवल 25 अक्तूबर से 5 नवंबर 2025 तक

एडवांस सोलर कंपनी द्वारा सोलर सिस्टम लगवाने के फायदे

- सर्विस इंडस्ट्री का सर्वाधिक 30 वर्षों का अनुभव
- सबसे ज़्यादा 30 वर्ष वारंटी सोलर पैनल में एवं 10 वर्ष रिप्लेशमेंट वारंटी इन्वर्टर में
- टॉप कॉन एन कट 600 वाट का सोलर मॉड्यूल तकनीक का उपयोग
- ई-बीम फायर प्रूफ डीसी वायर का उपयोग करने वाली एक मात्र कंपनी
- छतीसगढ़ की सबसे बड़ी टीम प्रत्येक ब्लॉक,तहसील एवं शहर हेतु
- 'सोलर क्रांति' एवं 'हर घर सोलर अभियान' सहित फ्री गिफ्ट एवं डिस्काउंट ऑफर

आज ही एडवांस सोलर रायपुर सिटी ऑफिस विजिट करें एवं स्पॉट बुकिंग करके आकर्षक गिफ्ट घर ले जाए।

अब दिन हो या रात-सीएसईबी की बिजली कट होने पर भी एडवांस हाइब्रिड सोलर से आपके घर की बिजली जलती रहेगी

सोलर पैनल- भारत का टॉप ब्रांड # गौतम सोलर

स्ट्रक्चर (फ्रेम)- हैवी गैल्वेनाइज्ड आयरन

केबल्स- फिनोलेक्स, हैवल्स, माइक्रोटेक

इन्वर्टर - हैवल्स, पॉलीकैब, लुमीन्स, एडवांस-पीवी ब्लिंक

सोलर पैनल वारंटी- 30 वर्ष , इंवर्टर वारंटी- 10 वर्ष, फ्री सर्विस 5 वर्ष

2 KW से 200KW तक के लिये बैंक फाइनेंस उपलब्ध

OTP डिस्काउंट ऑफर

पूर्ण भुगतान एक बार में कीजिए एवं ओटीपी (वन टाइम पेमेंट)डिस्काउंट ऑफर में अतिरिक्त डिस्काउंट का लाभ लेवे ।

- 3 kw -3000/- OTP discount
- 5 kw-5000/- OTP discount
- 8 kw-8000/- OTP discount
- 10 kw-10000/- OTP discount

हाउसिंग सोसाइटी/अपार्टमेंट में कॉमन उपयोग हेतु 50KW तक का सोलर सिस्टम बिल्कुल मुफ्त

अब फ्लैट/अपार्टमेंट में सोलर सिस्टम लगाना हुआ आसान

कोई भी व्यक्ति या सोसाइटी व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से फ्लैट या सोसाइटी में सोलर सिस्टम लगवा सकता है और सब्सिडी का लाभ ले सकता है। सामूहिक रूप से किसी भी सोसाइटी या अपार्टमेंट में 10 से अधिक कनेक्शन लेने पर प्रति 10KW पर एक किलोवाट का कनेक्शन सोसाइटी हेतु निःशुल्क दिया जायेगा।

एडवांस सोलर सिस्टम लगाने हेतु लिंक के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करें

- उपभोक्ता द्वारा सोलर सिस्टम लगाने हेतु आवेदन फार्म / कोटेशन लिंक पर जाकर प्राप्त करें।

www.advancesolar.in पर भी आप आवेदन कर सकते है या इस लिंक के माध्यम से भी आप आवेदन कर सकते है https://advancesolar.in/quotation.php

Khanna

डीलरशिप ऑफर !!

एडवांस सोलर कंपनी द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ब्लॉक, तहसील एवं जिला हेतु डीलर बनने का ऑफर दिया जा रहा है। आज ही एडवांस सोलर कंपनी का डीलर बने एवं कमाये 3 लाख से 10 लाख तक प्रतिमाह । अपने क्षेत्र में डीलर बनने हेतु आवेदन हेतु करे

www.advancesolar.in पर भी आप आवेदन कर सकते है या इस लिंक के माध्यम से भी आप आवेदन कर सकते है https://advancesolar.in/dealer.php

Call / Whatsapp 8839871093/ 9109969159

कंपनी चैनल पार्टनर ऑफ़र

बिना किसी लागत के एडवांस सोलर का चैनल पार्टनर (एजेंट) बनने का सुनहरा मौका

जुड़िये भारत की तेजी से बढ़ती हुई कंपनी एडवांस इंटरनेशनल सोलर के साथ एवं पायें व्यवसाय के साथ बेहतर एवं सुरक्षित भविष्य के साथ ही लगभग 1 लाख तक या उससे अधिक आय प्रति माह पार्ट टाइम प्रतिदिन केवल 1 घंटा दे कर

कौन कौन बन सकते हैं कंपनी ऑथराइज़्ड चैनल पार्टनर

वर्तमान व्यवसायी | सरकारी कर्मचारी | प्राइवेट क्रमचारी | कोई भी महिला | संविदा कर्मचारी | एलआईसी एजेंट | किसान | एडवोकेट | जमीन /रियल एस्टेट एजेंट | टीचर/प्रोफेसर | आंगनबाड़ी कार्यकर्ता | सभी तरह के दुकानदार | कॉलेज स्टूडेंट | इंटेरियर /आर्किटेक्ट | डॉक्टर/इंजीनियर

www.advancesolar.in पर भी आप आवेदन कर सकते है या इस लिंक के माध्यम से भी आप आवेदन कर सकते है। https://advancesolar.in/channel.php

Contact: 7828123533

ADVANCE SOLAR

ONGRID -HYBRID SOLAR SYSTEM
DOMESTIC - COMMERCIAL - INDUSTRIAL
www.advancesolar.in
solaradvance4@gmail.com
Terms and condition apply

City office (For Customer Visit)
LAVISH LIFE BUILDING BESIDE MOWA BRIDGE, NEAR LODHIPARA CHOWK RAIPUR 79702 88888

Technical office
IIS CAMPUS KAVILAS NAGAR BHANPURI RAIPUR CG

ADVANCE SOLAR

4.8 kw topcon solar system with 5 kw inverter after all subsidy deduction Only at 142000/-*

अधिक जानकारी हेतु एडवांस कंपनी जिला अधिकारी से संपर्क करें एवं इंजीनियर विजिट हेतु आज ही रजिस्ट्रेशन करायें.

रायपुर-9109969109, दुर्ग -9109969116 धमदा दुर्ग- 7898351523, भिलाई 3- 9827931365, बालोद 9109969110, बेमेतरा 9109969107, कबीरधाम (वर्धा) 9109969116, राजनांदगांव 7000594271, डोंगरगढ़- 9329227744, मुंगोली 9109969109, बिलासपुर- 9109969119, सरकंडा- 8319991904, खैरागढ़ हुईखदान मंडई- 9109969107, मोहला मानपुर-8839871093, उत्तर बस्तर-7970288888, कोरिया-8839871093, सरगुजा-9109969109, बलरामपुर-रामानुजगंज-9926157982, सूरजपुर - 9129969110, जशपुर 9109969107, कोरबा -9109969116, गोरेला पेंड्रा मरवाही-9109969125, रायगढ़-9109969125, जांजगीर-चांपा-9109969110, सक्ती-9109969125, महासमुंद- 9109969109, गरियाबंद-9109969125, बलौदाबाजार-भाटापारा 9109969119, धमतरी 9109969125, कुरूद- 8435970600, कांकेर (उत्तर बस्तर) 9109969125, नारायणपुर-9109969110, कोंडागांव-9109969119, (जगदलपुर)-9109969125, बीजापुर-9109959116, सुकमा-9109969107 दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) 4109969110 धरमजयगढ़-सारंगढ़-9109969109

हाईकोर्ट ने बर्खास्तगी आदेश को गलत माना, इधर स्पेशल कोर्ट ने अनाचार, अपहरण में आजीवन कारावास की सजा सुना दी

बिलासपुर। कानून के गलियारे में ऐसा उलटफेर बहुत कम देखने को मिलता है जहां एक ही व्यक्ति को दो दिनों के भीतर राहत भी मिले और जिंदगीभर की सजा भी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के पूर्व नौसैनिक और फूड इंस्पेक्टर प्रहलाद प्रसाद राठौर का मामला भी ऐसा ही है। हाईकोर्ट ने उन्हें बर्खास्तगी के आदेश से राहत दी थी। इसमें कहा गया कि उन्हें सेवा से हटाना गलत था। लेकिन दो दिन भी नहीं बीते कि रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने उसी व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुना दी है।

दरअसल पेंड्रा रोड निवासी प्रहलाद प्रसाद राठौर को 30 अगस्त 2018 को भूतपूर्व सैनिक कोटे से फूड इंस्पेक्टर नियुक्त किया गया था। मार्च 2024 में पुलिस वेरिफिकेशन रिपोर्ट के आधार पर उनकी सेवा समाप्त कर दी गई। रिपोर्ट में उनके खिलाफ पुराने प्रकरणों का हवाला था। वर्ष 2002 में जब वे नाबालिग थे और जिनका निपटारा लोक अदालत में समझौते से हो चुका था। राठौर ने इस बर्खास्तगी को हाईकोर्ट में चुनौती दी। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बीडी गुरु की

नौसेना के पूर्व सैनिक और फूड इंस्पेक्टर प्रहलाद प्रसाद राठौर का मामला

डिवीजन बेंच ने 3 नवंबर 2025 को फैसला सुनाते हुए बर्खास्तगी रद्द कर दी और कहा कि राठौर को सेवा से हटाने से पहले पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया था।

सेवा बहाली आदेश के दो दिन बाद, रायपुर की स्पेशल कोर्ट (एट्रोसिटीज) ने राठौर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मामला बलौदा बाजार की एक जिला पंचायत सदस्य से जुड़ा है, जिन्होंने राठौर पर अपहरण, धमकी और अनाचार का गंभीर आरोप लगाया गया था। शिकायत के अनुसार, राठौर ने खुद को अविवाहित बताकर महिला से संबंध बनाए, फिर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 31 जनवरी 2023 को उन्हें रायपुर के एक होटल बुलाया। वहां उन्हें बंधक बनाकर अनाचार किया गया। अगले दिन उन्हें सुनसान स्थान पर ले जाकर अन्य लोगों के साथ मारपीट की गई। लंबी सुनवाई के बाद स्पेशल जज (एट्रोसिटीज) पंकज कुमार सिन्हा ने राठौर को दोषी पाया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। फैसला सुनते वक्त भी राठौर पेंड्रा जेल में पहले से बंद थे, जहां वे लोक संपत्ति गबन धारा 409 के एक अन्य मामले में सजा काट रहे थे। फैसले के बाद उन्हें सीधे रायपुर जेल भेज दिया गया।

पांच महीने बाद...फरार सूदखोर वीरेंद्र तोमर गिरफ्तार

दूसरे भाई रोहित की पुलिस कर रही पतासाजी, लगातार फरारी से पुलिस पर उठ रहे थे सवाल

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

मारपीट, हत्या की कोशिश, जबरन वसूली के साथ सूदखोरी सहित कई अन्य गंभीर अपराधों में फरार चल रहे तोमर बंधुओं में से पुलिस ने एक आरोपी की गिरफ्तारी करने की खबर है। सूत्रों के अनुसार क्राइम ब्रांच तथा पुरानी बस्ती पुलिस ने विरेंद्र तोमर को गिरफ्तार कर लिया है। वीरेंद्र को ग्वालियर से पकड़े जाने की खबर है।

उल्लेखनीय है कि सूदखोर रोहित तोमर के खिलाफ कारोबारी द्वारा तेलीबांधा थाना में मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद दो जून को वीरेंद्र तथा उसका भाई रोहित दो जून को फरार हो गए। दोनों आरोपियों ने पुलिस के शिकंजे में फंसने से बचने सभी तरह के कानूनी दांव पेंच अजमाए। तमाम तरह के कानूनी दांव पेंच अजमाने के बाद भी दोनों भाईयों को किसी तरह से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट में पिछले दिनों अग्रिम जामानत की याचिका खारिज होने के बाद पुलिस ने दोनों भाइयों की तलाश पहले से तेज कर दी। इसी दौरान पुलिस को वीरेंद्र के मध्यप्रदेश में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस की अलग-अलग टीम बनाकर मध्यप्रदेश रवाना किया गया। मध्यप्रदेश में पुलिस की टीम वीरेंद्र की कॉल लोकेशन ट्रेस कर घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक तोमर पुलिस को देख भागने की कोशिश की। चारों तरफ से घिरे पुलिस को चकमा नहीं दे पाया और वह पकड़ा गया।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने दोनों भाइयों की जानकारी देने वाले के लिए पांच हजार रुपए इनाम की पूर्व में घोषणा की है। बावजूद इसके विरेंद्र तथा उसका भाई लगातार पुलिस को चकमा देते हुए छिपते छिपाते बचते रहे। दोनों भाइयों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस ने उनकी संपत्ति अटैचमेंट की कार्रवाई भी की है।

सूत्रों के मुताबिक विरेंद्र तोमर को पुलिस ने ग्वालियर में उसके एक रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार किया है। जिनके यहां से पुलिस ने वीरेंद्र को गिरफ्तार किया है। वह उसका दूर का रिश्तेदार है या नजदीक का इस बात की फिलहाल जानकारी नहीं मिल पाई है। बताया जा रहा है, फरारी के दौरान वीरेंद्र लंबे अरसे से उत्तरप्रदेश, राजस्थान के अलग-अलग शहरों में भी रहा है। हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज होने के बाद वीरेंद्र को अपनी गिरफ्तारी का भय सताने लगा। इसके बाद वह भागकर ग्वालियर पहुंच गया।

वीरेंद्र तक ऐसे पहुंची पुलिस

सूत्रों के मुताबिक वीरेंद्र तथा रोहित की हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज हुई। इसके बाद से पुलिस ने वीरेंद्र के परिजनों के साथ उनके परिचितों के मोबाइल नंबर को सर्विलांस में ले लिया। इसी दौरान किसी ने वीरेंद्र को कॉल कर अग्रिम जमानत खारिज होने की जानकारी दी, जिसे पुलिस ने ट्रेस कर लिया। जिस नंबर पर वीरेंद्र को कॉल किया गया था, पुलिस उस नंबर को ट्रेस करते हुए ग्वालियर पहुंची और उसे गिरफ्तार किया।

दोनों भाइयों के खिलाफ दो दर्जन से ज्यादा मामले

वीरेंद्र तथा रोहित के खिलाफ राजधानी के अलग-अलग थानों में दो दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज है। दोनों भाइयों के भाठागांव स्थित मकान में छापा मारकर लाखों रुपए कैश के साथ सोने-चांदी के जेवर तथा प्रापर्टी के दस्तावेज जब्त की है। जब्त जेवर तथा नगदी, प्रापर्टी पेपर पुलिस के कब्जे में है। विरेंद्र तोमर को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस शनिवार देर शाम ग्वालियर से रायपुर के लिए रवाना हो गई है। रविवार को यहां लाने के बाद पुलिस उससे उसके भाई के संबंध में पूछताछ करेगी। विरेंद्र की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके भाई रोहित को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

हाईकोर्ट की निचली अदालतों को सलाह- अनावश्यक रूप से लंबी तारीखें न दें, क्योंकि इससे मुकदमों के निपटारे में देरी होती है

विशेष रूप से तब जब आरोपी न्यायिक हिरासत में हो, साक्ष्य दर्ज करने के लिए छोटी और लगातार तारीखें तय की जानी चाहिए

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने निचली अदालतों (ट्रायल कोर्ट्स) को सलाह दी है कि वे अनावश्यक रूप से लंबी तारीखें न दें, क्योंकि इससे मुकदमों के निपटारे में देरी होती है। अदालत ने कहा कि विशेष रूप से तब जब आरोपी न्यायिक हिरासत में हो, साक्ष्य दर्ज करने के लिए छोटी और लगातार तारीखें तय की जानी चाहिए।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने टिप्पणी की करते हुए कहा है कि "यह देखा गया है कि कई मामलों में ट्रायल कोर्ट्स लंबे समय की तारीखें दे देते हैं, भले ही आरोपी जेल में हो। ऐसी प्रथा न केवल मुकदमे के निपटारे में देरी करती है, बल्कि संविधान द्वारा गारंटीकृत शीघ्र न्याय के मौलिक अधिकार को भी प्रभावित करती है। इसलिए सभी ट्रायल कोर्ट्स को निर्देशित किया जाता है कि वे अनावश्यक स्थगन से बचें और जहां आरोपी न्यायिक हिरासत में है, वहां साक्ष्य के लिए छोटी और लगातार तारीखें तय करें, सिवाय इसके कि कोई अपरिहार्य या विवश करने वाली परिस्थिति ना हो।

हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी एक आरोपी की दूसरी जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान की जिसे मादक द्रव्य और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 20-B (II)(C) के तहत गिरफ्तार किया गया था। इस धारा के तहत 10 से 20 साल तक की कठोर सजा और 1 से 2 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। साथ ही यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से गांजा का उत्पादन, परिवहन, बिक्री या कब्जा करता है तो उस पर यह धाराएं लगाईं जाती हैं। प्रकरण में गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी और उसके सह-आरोपी के संयुक्त कब्जे से 33.7 किलोग्राम गांजा जब्त किया था। पहली जमानत याचिका खारिज हो चुकी थी। दूसरी याचिका में आरोपी ने कहा कि वह नवंबर 2024 से जेल में है, और 14 गवाहों में से अब तक केवल 3 की गवाही हुई है। जिनमें से सभी शत्रु गवाह बन गए हैं। अगली सुनवाई जनवरी 2026 के लिए तय की गई थी, इसलिए आरोपी ने जमानत की मांग की।

डीएसपी के विरूद्ध जारी वसूली आदेश निरस्त

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने महिला डीएसपी के खिलाफ वसूली आदेश को निरस्त कर दिया है। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता को अधिक वेतन भुगतान वसूली आदेश दिनांक से पांच वर्षों पूर्व का है। इसके साथ ही याचिकाकर्ता डी.एस.पी. को वसूली आदेश सेवानिवृत्ति दिनांक से 6 महीने पहले जारी किया गया है जो कि नियमविरूद्ध है एवं निरस्त किए जाने योग्य है। आसमां कॉलोनी, बिलासपुर निवासी महिला डी.एस.पी. श्रीमती एस.एस.टेकाम कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.पी.), बिलासपुर में पदस्थ थीं। उक्त पदस्थापना के दौरान पुलिस अधीक्षक (एस.पी.), बिलासपुर द्वारा डी. एस.पी. श्रीमती एस.एस.टेकाम के विरूद्ध एक वसूली आदेश इस आधार पर जारी किया गया कि उनकी सेवाकाल के दौरान वेतन नियतन में त्रुटि के कारण अधिक वेतन भुगतान कर दिया गया है, उक्त वसूली आदेश के आधार पर उनके वेतन से कटौती प्रारम्भ कर दी गई। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में एडवोकेट अभिषेक पाण्डेय एवं वर्षा शर्मा के माध्यम से रिट याचिका दायर कर अपील की गई। इसमें कहा गया कि किसी भी शासकीय अधिकारी / कर्मचारी के सेवा निवृत्त होने के एक साल के भीतर अधिक वेतन भुगतान का हवाला देकर उनके वेतन से वसूली नहीं की जा सकती है। इसके साथ ही यदि अधिक वेतन भुगतान वसूली आदेश जारी किए जाने के पांच) वर्षों पूर्व का है ऐसी स्थिति में भी अधिक वेतन भुगतान का हवाला वसूली नहीं की जा सकती है। हाईकोर्ट ने वसूली आदेश को निरस्त कर पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.पी.) बिलासपुर एवं पुलिस अधीक्षक (एस.पी.), बिलासपुर को यह निर्देशित किया गया कि वे याचिकाकर्ता से वसूल की गई सम्पूर्ण राशि उनके बैंक खाते में वापस जमा करें।

10 नवंबर को गुजरात दौरे पर जाएंगे सीएम साय, उद्योगपतियों से करेंगे मुलाकात

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

दो दिवसीय छत्तीसगढ़ इनवेस्टर कनेक्ट में होंगे शामिल

सीएम विष्णु देव साय 10 और 11 नवंबर को गुजरात प्रवास पर रहेंगे। वे अहमदाबाद में होने वाले "छत्तीसगढ़ इनवेस्टर कनेक्ट" कार्यक्रम में शामिल होंगे।

जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार 10 नवंबर को सुबह 8.30 माना विमानतल से रवाना होकर 10 बजे अहमदाबाद पहुंचेंगे। वहां गुजरात के मुख्यमंत्री ने मुलाकात करने के बाद इंवेस्टर मीट में शामिल होंगे। इस दौरान वे उद्योगपतियों से वन-टू-वन मुलाकात करेंगे और राज्य में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री पहले स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (नर्मदा जिले) में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर 12 बजे नामटेक ग्लोबल स्कील कॉलेज गांधीनगर जाएंगे। यहां से साबरमती रिवर फ्रंट हेलीपेड से हेलीकाप्टर से केवडिया में सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे।

उसके बाद अगले दिन 11 नवंबर को अहमदाबाद में निवेशकों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह आयोजन निवेशकों के लिए छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार और संभावित साझेदारी के अवसरों को समझने का सुनहरा मौका साबित होगा। छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य इस पहल के माध्यम से राज्य को निवेश और औद्योगिक विकास का केंद्र बनाना है। 11 नवंबर को वे इंवेस्टर मीट में शामिल होने के बाद शाम 7.30 बजे अहमादाबाद से रवाना होकर 9.20 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

राज्योत्सव में जाने के विवाद पर दामाद ने सास का किया मर्डर

रायपुर। माना थाना क्षेत्र के बरौद, फोकटपारा में राज्योत्सव में शामिल होने जाने के विवाद पर एक व्यक्ति ने अपनी सास के चेहरे पर मुक्का मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। सास पर हमला करने के बाद युवक फरार है। आरोपी को गिरफ्तार करने पुलिस उसके छिपने के संबंधित ठिकानों पर छापे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार विरेंद्र कुमार कुर्रे ने अपनी सास राजबाई बांधे (65) की हत्या की है। घटना दिनांक को विरेंद्र अपने ससुराल पहुंचा था। विरेंद्र की पत्नी राज्योत्सव में जाने की जिद कर रही थी।

हिन्दू राष्ट्र की मांग करने दंतेवाड़ा से रायपुर तक शिव सैनिक 10 बसों से करेंगे यात्रा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर 11 से 14 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ शिवसेना से जुड़े हिन्दूवादी लोग दिव्य रथ के साथ दंतेवाड़ा से रायपुर तक निकलने वाली यात्रा में भारी तादाद में शामिल होंगे। हिन्दू राष्ट्र मोर्चा यात्रा की अगवाई छत्तीसगढ़ शिवसेना के धनंजय सिंह परिहार करेंगे। सनातन की अलख जगाने के लिए 10 बसों और 70 से ज्यादा कारों में सवार होकर धर्म प्रेमी इस यात्रा का हिस्सा बनेंगे। साथ ही हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा को मजबूत करने के लिए प्रसिद्ध हिन्दूवादी नेता शिवसेना के प्रदेश प्रमुख श्री परिहार भी यात्रा में शामिल होंगे।

हिंदूवादी नेता एवं छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के मुख्य आन्दोलनकारी के रूप में भी श्री परिहार को जाना जाता है। 11 नवंबर को दंतेश्वरी माता मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद रैली शुरू होगी। 14 नवंबर को हिन्दू राष्ट्र मोर्चा रायपुर शिवसेना के प्रदेश कार्यालय पहुंचने के बाद इसका समापन होगा। यह जानकारी शनिवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश महासचिव रेशम सिंह जांगड़े, संजय नाग, सन्नी देशमुख ने दी। उन्होंने बताया कि हिन्दू राष्ट्र मोर्चा में हजारों शिवसैनिक और सनातनी शामिल होंगे। जो जाति-पाती के भेदभाव को मिटाकर हिन्दू समाज को एकजुट करने का संदेश देंगे। नक्सल प्रभावित इलाकों से मोर्चा निकालने का उद्देश्य लोगों को धर्म के प्रति सजग करना है। उन्होंने कहा कि सरकार से उम्मीद करते हैं कि इस धार्मिक यात्रा को सफल बनाने सुरक्षा प्रदान करे। भाजपा और संघ परिवार भी इस मोर्चा से सहमत है। शिवसेना प्रमुख धनंजय सिंह परिहार का लक्ष्य है कि यह मोर्चा हिन्दू परिवार को जागरूक करने का माध्यम बनेगा। हम गांव-गांव, गली-गली में नुक्कड़-नुक्कड़ और सभाओं के माध्यम से हिन्दुओं को जगाएंगे, हिन्दुओं की एकता आज समय की सबसे बड़ी मांग है। हमें मुस्लिम और इसाई समुदाय से परहेज नहीं, लेकिन हमारा मुख्य उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की अलख जगाना है।

राशिफल

मेष — नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। खर्च बढ़ेंगे। मीठे खानपान के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग भी बन रहे हैं।

वृष — मानसिक शान्ति बनाये रखने के लिए प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। कारोबार के प्रति सचेत रहेत। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

मिथुन — यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह — रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है।

कन्या — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

तुला — आय में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखें। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। यश की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। किसी मित्र का सहयोग से सम्पत्ति में निवेश हो सकता है।

धनु — खर्च बढ़ेंगे। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। भवन सुख में वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मकर — कारोबार का विस्तार होगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ — अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। बातचीत में संयत रहें। किसी मित्र के सहयोग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन — आय में वृद्धि होगी। यात्रा लाभप्रद रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति से बचने के प्रयास करें। आत्मसंयत रहें।

14 को कैबिनेट, राष्ट्रपति के आगमन सहित कई मुद्दों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 14 नवंबर को कैबिनेट की बैठक बुलाई है। बैठक में राष्ट्रपति के आगमन, धान खरीदी की तैयारियां और कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक मंत्रालय में 11.30 बजे से होगी। मुख्य सचिव विकासशील ने सभी एसीएस प्रमुख सचिव, सचिवों से कैबिनेट से मंजूरी के लिए आवश्यक प्रस्ताव 11 नवंबर तक भेजने के निर्देश जारी किए हैं।

बैठक में 20 नवंबर को अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन की सूचना कैबिनेट को देते हुए तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी की अब तक की गई तैयारी पर चर्चा होगी इसी दिन मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक रखी गई है।

बैठक में धान खरीदी शुरू करने के पूर्व सहकारी बैंक कर्मियों और संविदा कंप्यूटर ऑपरेटरों की हड़ताल के मामले में चर्चा कर हल निकालने का प्रयास होगा। बताया गया कि बैक कर्मियों ने किण्डो समिति की रिपोर्ट लागू करने की मांग की है। वहीं संविदा कर्मी अपने नियमितीकरण और आउट सोर्सिंग का विरोध कर रहे हैं।

पड़ोसी के बहकावे में आकर मायके गई महिला तो पति ने उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

सनकी युवक ने अपनी गर्भवती पत्नी की बेदम पिटाई कर उसकी हत्या कर दी। आरोपी युवक पत्नी के नाराज होकर मायके जाने से आक्रोशित था। आरोपी ने महिला की तब तक पिटाई की जब तक उसकी मौत नहीं हुई। मारपीट के दौरान महिला लगातार अपने गर्भवती होने की जानकारी देते रही लेकिन आरोपी ने उसकी सुनवाई नहीं की। अब इस मामले में जांच उपरान्त पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि थाना अंतर्गत ग्राम जजगा कठरापारा निवासी 30 वर्षीय राजू दास आ. बन्नू दास घर में किराने की दुकान चलाता है। उसके इस काम मे उसकी पत्नी मन बसिया माझी भी हाथ बंटाया करती थी जिससे उसने प्रेम विवाह किया था। इसके बाद भी नशे का आदी राजू नशे में आकर अपनी पत्नी के साथ मारपीट किया करता था। घटना के दिन राजू दास किसी काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। जब वो वापस घर आया तो उसकी पत्नी घर में नहीं थी और घर का दरवाजा भी आगे पीछे से खुला हुआ था। आसपास पता लगाने के बाद पता चला कि पड़ोसी महिला के बहकावे में आकर उसकी पत्नी अपने मायके चली गई है। दरअसल राजू का अपने पड़ोस में रहने वाले पड़ोसी से अनबन हो गया था जिसकी वजह से जब भी राजू कही बाहर जाता पड़ोस की महिला आकर उसकी पत्नी को बहका देती थी। जिसके बाद राजू की पत्नी घर छोड़कर अपने मायके चली जाती थी। घटना के दिन भी यही हुआ था पड़ोसी महिला के बहकावे में आकर राजू की पत्नी मनबसिया माझी अपने मायके कोट रनईटिकरा चली गई थी। पड़ोसी के बहकावे में पत्नी के मायके जाने की जानकारी मिलते ही आक्रोशित राजू पत्नी के घर पहुंचा और समझाकर अपने साथ घर ले आया लेकिन घर आते ही पड़ोसी के बहकावे में आकर मायके जाने की बात को लेकर उसने पत्नी की पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान सात माह की गर्भवती पत्नी पेट मे पल रहे बच्चे की दुहाई देकर अपनी जान की भीख मांगती रही लेकिन पति का दिल नहीं पसीजा। पति तब तक डंडे से पीटता रहा जब तक उसकी पत्नी की जान न निकल गई।

■ गर्भवती पत्नी की डंडे से पीटा, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

शब्द पहेली - 6042

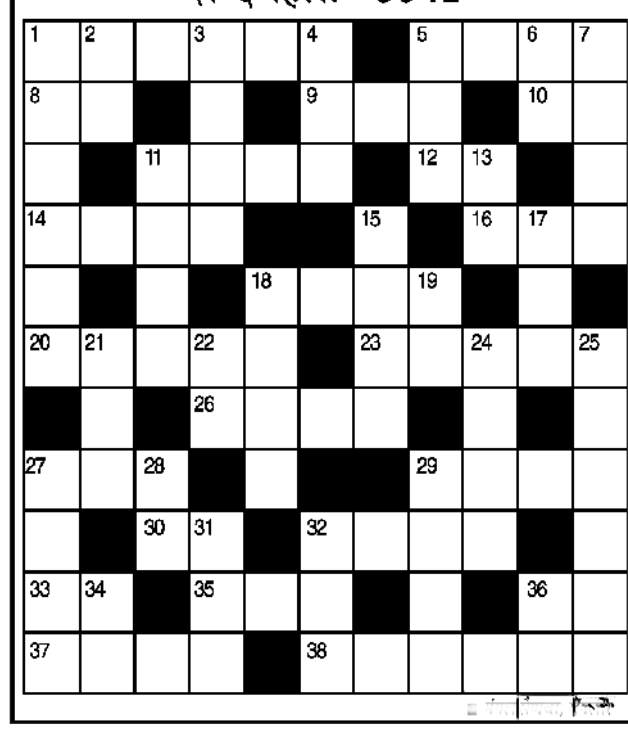

बाएँ से दाएँ
1. जो आदरणीय न हो-6
5. अनुक्षेपक,अंश -4
8. साथ-2
9. छोटी तलवार-3
10. विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11. दुश्मनी-4
12. इस जगह-2
14. अनवरत-4
16. लाचार,बेबस-3
18. धुलाई करना-4
20. न्यूनता,निम्नता-5
23. समुद्री यात्री-5
26. पूंजी,संपत्ति-4
27. असंयमी,स्वच्छंद-3
29. वन में रहनेवाला-4
30. उम्मीद,आशा-2
32. सौंठ,एक कंद-4
33. जोर,बल-2
35. बसंतकाल-3
36. जोश,उग्रता-2
37. पाताल-4
38. सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1. जो संवैधानिक न हो-6
2. सांप,सर्प-2
3. दानेदार-4
4. जिगर,कलेजा-3
5. प्रेम,प्यार-3
6. पंख,पराया-2
7. मरियल, निर्बल-4
11. शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13. शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15. सुस्त,उनींदा-4
17. पदक-3
18. विश्वासघात-4
19. बहुमूल्य पत्थर-2
21. रानी,शहजादी-3
22. फलों का जूस-2
24. कुतरने वाला-4
25. मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27. अपमान,उपेक्षित-4
28. पिता की बहन-2
29. सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31. बलवान-3
32. प्रार्थना-3
34. तिल,मस्सा-2
36. 52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6041 का हल

आ	द	त	न	■	ल	■	वा	य	लि	न
■	ल	■	य	■	प	व	न	■	स्त्र	फा
ए	■	■	ध	व	ल	■	र	■	■	स
रु	र	द	म	■	पा	ल	■	फ	क	त
सा	■	म	■	दा	ना	■	सा	■	मा	■
न	वी	ल	त	म	■	अ	ज	वा	ई	न
■	र	■	या	■	स	दा	■	रि	■	सी
प	ता	का	■	ह	क	■	अ	स	मा	न
र	■	■	जी	■	प	र	दा	■	■	ता
वा	त	■	न	ल	का	■	व	■	द	■
ज	रु	र	त	■	ना	■	त	ल	या	र

सूडोकु नवताल - 6052

कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6051 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

खबर संक्षेप

वोटिंग से 3 दिन पहले लेडी एसएसपी सस्पेंड

तरनतारन। भारत चुनाव आयोग ने तरनतारन की एसएसपी डॉ. रवजोत कौर ग्रेवाल को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई तरनतारन उपचुनाव से ठीक 3 दिन पहले की गई है। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) सिबिन सी को ग्रेवाल के खिलाफ शिकायत दी थी। उन पर आम आदमी पार्टी की कठपुतली बनकर अकाली दल के कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कर गिरफ्तार करने का आरोप लगाया था। उल्लेखनीय है कि डॉ. ग्रेवाल तरनतारन की पहली महिला एसएसपी थीं और करीब दो माह पहले ही उन्हें यहां की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल ने एसएसपी डॉ. ग्रेवाल के अलावा 2 डीएसपी का तबादला करने की मांग की थी। अकाली दल के एडवोकेट अर्शदीप सिंह कलेर ने भी दिल्ली में चुनाव आयोग को इस मामले की शिकायत की थी।

स्कूटी सवार का कटा 21 लाख का चालान

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां पुलिस ने एक स्कूटी का 20 लाख 74 हजार रुपये का चालान कर दिया। अब यह विवादित चालान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिससे पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है। जिसके बाद अधिकारी इस मामले में अपनी सफाई दे रहे हैं। दरअसल बीती 4 नवंबर को नई मंडी कोतवाली क्षेत्र स्थित गांधी कॉलोनी चौकी पर एक स्कूटी सवार अनमोल सिंघल का 20 लाख 74 हजार रुपये का चालान कर दिया था। चालान को लेकर हवाला दिया गया था कि स्कूटी सवार ने ना तो हेलमेट लगाया हुआ था और ना ही उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस था। इसके अलावा सवार के पास गाड़ी का कोई कागज भी नहीं था। जिसके चलते चालान के बाद पुलिस ने गाड़ी को सीज कर दिया। स्कूटी सवार ने जब चालान को सोशल मीडिया पर वायरल किया तो पुलिस भी हरकत में आई और आनन-फानन में चालान को 4 हजार रुपये कर दिया। अधिकारियों की माने इस स्कूटी पर कार्रवाई करते हुए 207 एमवी एक्ट की धारा लगती है।

चकमा देकर आईजीआई एयरपोर्ट से भाग गया ब्रिटिश नागरिक

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सुरक्षा में गंभीर चूक का मामला सामने आया है। जहां पिछले हफ्ते बैंकॉक से आया एक ब्रिटिश नागरिक कथित तौर पर इमिग्रेशन एरिया से भाग गया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 28 अक्टूबर को हुई, जब ब्रिटिश नागरिक फिट्ज पैट्रिक नामक यात्री बैंकॉक से एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 333 से दिल्ली पहुंचा। पैट्रिक को थाईलैंड के रास्ते यूनाइटेड किंगडम प्रत्यर्पित किया जाना था लेकिन दिल्ली पहुंचने के बाद वह अधिकारियों से बच निकला। पुलिस ने बताया कि इमिग्रेशन मंजूरी के दौरान, वह कथित तौर पर सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर अनिवार्य औपचारिकताएं पूरी किए बिना ही प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकल गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीतामढ़ी से विपक्ष पर बोला हमला

'राजद के लोग बच्चों को बड़े होकर 'रंगदार' बनने प्रोत्साहित करते हैं'

हरिभूमि न्यूज ⏭ पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण के प्रचार के लिए सीतामढ़ी में पहुंचे और यहां उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आरजेडी के लोग बच्चों को बड़े होकर 'रंगदार' बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे इस तरह के प्रचार से दुख होता है। ऐसी सरकार बिल्कुल नहीं होना चाहिए , जिसमें कट्टा, कुशासन, क्रूरता और भ्रष्टाचार हो। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी एक एक वायरल वीडियो का ज़िक्र कर रहे थे, जिसमें केशव कुमार नाम का एक बच्चा लालू यादव और तेजस्वी यादव का चेहरा वाला झंडा पकड़े हुए दिखाई दे रहा है। रिपोर्टर बच्चे से पूछता है कि बड़े होकर तुम क्या बनना चाहते हो? बच्चे ने जवाब दिया, बड़ा होकर, रंगदार बनना है। रंगदार बनकर लूट पाट करेंगे, मार देंगे।

बिहार में विस चुनाव के लिए 11 को होगा दूसरे चरण का मतदान

लोग नहीं दे रहे महागठबंधन को वोट

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि लोग बिहार में आरजेडी वाले महागठबंधन को वोट नहीं दे रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वे सत्ता में आ गए तो उनकी सरकार उनके सिर पर कट्टा रख देगी और उन्हें हाथ ऊपर करने का आदेश देगी। उन्होंने कहा कि मैं जहां भी जाता हूं, वहां प्रचलित भावना यही पाता हूं कि हम कट्टा सरकार नहीं चाहते, हम फिर से एनडीए सरकार चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि लोग ऐसा शासन नहीं चाहते जो उनके सिर पर कट्टा रखकर उन्हें हाथ ऊपर करने को कहे। लोग हाथ ऊपर नहीं, बल्कि स्टार्टअप चाहते हैं, जिसे एनडीए आगे बढ़ाएगा। एनडीए कट्टा से दूर रहता है और स्कूल बैग, कंप्यूटर, क्रिकेट बैट और हॉकी स्टिक को बढ़ावा देता है।

रिकॉर्ड वोटिंग का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव आयोग के अनुसार पहले चरण में 64.66 प्रतिशत मतदान के साथ 75 वर्षों में सबसे अधिक मतदान पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे विपक्ष को झटका लगा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने विपक्ष को 65 वोल्ट का झटका दिया है। उनकी रातों की नींद उड़ गई है। प्रधानमंत्री लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि भारी मतदान एनडीए को मिल रहे ज़बरदस्त समर्थन का संकेत है।

'बिहार से घुसपैठियों को निकाल बाहर करेंगे'

कटिहार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को कटिहार जिले के कोढ़ा की चुनावी सभा में कहा, बिहार में हुए पहले चरण के चुनाव में लालू एंड कंपनी का सूपड़ा साफ हो गया है। प्रथम चरण में ही बिहार में प्रचंड बहुमत से एनडीए सरकार बनाने की नींव रखी जा चुकी है। उन्होंने जनता से आग्रह करते हुए कहा कि दूसरे चरण में सीमांचल वालों को इस तरह से मतदान करना है कि राजद और 'जंगलराज' वाले दूर-दूर तक दूरबीन से भी दिखायी न पड़े। शाह ने कहा कि आप लोगों ने जरा भी गलती किया तो जंगल राज वाले कपड़ा बदलकर, भेष बदलकर, चेहरा बदलकर आने के लिए तैयार है। जंगलराज आयेगा तो घुसपैठिये पूरे सीमांचल को बर्बाद कर देंगे। यह घुसपैठिये युवाओं का नौकरी खा जाते हैं। गरीबों के राशन खा जाते हैं। देश को असुरक्षित करते है। एनडीए सरकार बना दो, सीमांचल और बिहार से एक-एक घुसपैठिये को देश से बाहर कर देंगे। घुसपैठियों के सारे अवैध कार्य बंद कराएंगे, इसके साथ ही घुसपैठियों ने जो अतिक्रमण किया है उसे जमींदोज करने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी। घुसपैठियों को वोट बैंक बनाने वाला महाठगबंधन बिहार का भला नहीं कर सकता, बिहार को बाढ़मुक्त एनडीए ही बनाएगी।

'बाहरी बिहार को झुकाने में लगे, बिहारी झुकेगा नहीं'

एजेंसी ⏭ नवादा

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को नवादा की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके पीछे 30-30 हेलीकॉप्टर लगा दिए हैं। बाहरी लोग बिहार को झुकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बिहारी झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार का हेलीकॉप्टर हमेशा आगे रहेगा। अपनी चुनावी सभा में तेजस्वी यादव ने कई बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर हर घर में एक सरकारी नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बिहार को ऐसा बनाने का संकल्प लिया, जिससे किसी भी बिहारी भाई को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े।

चुपचाप वोट करने की अपील

यह पहली बार था जब तेजस्वी यादव ने नवादा के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ एकजुट होकर जनसभा को संबोधित किया। सभा में उमड़ी भीड़ को देखकर उन्होंने जनता के अभिनंदन को स्वीकार किया और लोगों से 'लालटेन' छाप पर चुपचाप वोट करने की अपील की। रजौली विधानसभा में राजद उम्मीदवार पिंकी भारती के लिए वोट मांगे गए। वहीं, गोविंदपुर में बाहुबली नेता कौशल यादव की पत्नी पूर्णिमा यादव के लिए जनता से आशीर्वाद मांगा गया।

'20 साल कुछ नहीं दिया और चुनाव आए तो दिए 10 हजार'

एजेंसी ⏭ कटिहार

कटिहार की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भाजपा पर तीखे और अनूठे अंदाज में हमला बोला। उन्होंने महिला मतदाताओं से भाजपा की तुलना एक ऐसे शराबी और अत्याचारी पति से की, जो सालों तक पत्नी को पीटने के बाद चुनाव के समय एक साड़ी देकर उसे बहलाने की कोशिश करता है। प्रियंका ने कहा कि ये लोग (भाजपा) आपको आज 10-10 हजार रुपये दे रहे हैं। क्या इन्होंने पहले कभी दिए थे? नहीं। ये इसलिए दे रहे हैं क्योंकि चुनाव है।

पैसे ले लेना पर वोट मत देना

प्रियंका ने कहा कि सोचिए, अगर आपकी कोई सहेली होती जिसका पति रोज उसे डांटता, पीटता और फिर एक दिन अचानक उसके लिए एक साड़ी ले आता, तो आप अपनी सहेली को क्या सलाह देतीं? आप यही कहतीं ना कि इसकी बातों में मत आना। यह 10 साल से तुम्हें पीट रहा है। इसके बहकावे में मत आना। ठीक इसी तरह, बीजेपी वालों ने सोचा कि चुनाव आ गए हैं, तो महिलाओं को 10 हजार रुपये दे दो और वोट मिल जाएगा। उन्होंने महिला मतदाताओं से समझदार बनने की अपील करते हुए कहा कि आप सब समझदार हो. इनसे पैसे ले लो, लेकिन वोट इन्हें बिलकुल मत देना।

धोखाधड़ी वाले विज्ञापन से मेटा ने कमाए 1.41 लाख करोड़ रुपए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मेटा एक बार फिर विवादों में फंस गई है और इस बार कंपनी धोखाधड़ी वाले विज्ञापन दिखाकर मोटी कमाई करने को लेकर सुर्खियों में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में मेटा प्लेटफॉर्म्स के रेवेन्यू का 10.1 प्रतिशत धोखाधड़ी और प्रतिबंधित वस्तुओं का विज्ञापन दिखाने से आया।

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की कुछ गलत नीतियों और कमियों के कारण उसके फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप जैसे ऐप्स पर धोखाधड़ी वाले विज्ञापन चल रहे थे। बताया जा रहा है कि रेवेन्यू में गिरावट से बचने के लिए, कंपनी ने 'सबसे ज्यादा घोटालेबाज' माने जाने वाले अकाउंट्स को हटाने में भी हिचकिचाहट दिखाई, क्योंकि ऐसा करने से उसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के डेवलपमेंट के लिए फंडिंग की कमी हो सकती थी। मेटा से मिले इंटरनल डॉक्यूमेंट्स का हवाला देते हुए, रॉयटर्स ने बताया कि सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप पर कम से कम तीन सालों तक धोखाधड़ी वाले ई-कॉमर्स प्रोडक्ट्स, इन्वेस्टमेंट स्कीम्स, अवैध ऑनलाइन कैसीनो और बैन मेडिकल प्रोडक्ट्स की बिक्री से संबंधित विज्ञापनों की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने में विफल रहा। कंपनी ने कथित तौर पर अनुमान लगाया है कि 2024 में उसके कुल वार्षिक रेवेन्यू का 10 प्रतिशत, जो लगभग 16 बिलियन डॉलर (यानी लगभग 1.41 लाख करोड़ रुपये) है, ऐसे धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों से आएगा।

■ मार्क जकरबर्ग की कंपनी फंसी फिर विवादों में

कंपनी ने जानबूझकर किया नजरअंदाज

ज्यादातर विज्ञापन तो ऐसे कंपनियों के थे जिनके बारे में बताया गया था कि वे इतने संदेह के साथ काम कर रहे थे कि कंपनी का इंटरनल वार्निंग सिस्टम उन्हें चिह्नित कर सकता था। हालांकि, दस्तावेजों से पता चलता है कि विज्ञापनदाताओं पर प्रतिबंध केवल तभी लगाया जाता है जब मेटा के ऑटोमैटेड सिस्टम यह अनुमान लगाते हैं कि वे धोखाधड़ी करने की कम से कम 95 प्रतिशत निश्चितता रखते हैं। इस सीमा से नीचे के विज्ञापनों के लिए, कथित तौर पर पेनाल्टी के तौर पर ज्यादा पैसे वसूले जाते हैं।

धोखाधड़ी केस में ईओडब्लू का दावा

वेंडर्स को भुगतान नहीं, दिखाए फर्जी खर्च शिल्पा-राज के खिलाफ मिले नए सबूत

एजेंसी ⏭ मुंबई

फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से जुड़े 60 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड केस में नए खुलासे हुए हैं। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) को जांच में नए सबूत मिले हैं, जिनके मुताबिक शिल्पा और उनके पति की कंपनी ने वेंडर्स को भुगतान नहीं किया और फर्जी खर्च दिखाए। ईओडब्लू का दावा है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ फंड डायवर्जन के ठोस सबूत मिले हैं। ईओडब्लू अब थर्ड पार्टी फोरेंसिक ऑडिट कराने की तैयारी में है, जिससे पैसे का इस्तेमाल कहां किया गया? इसकी सटीक जानकारी हासिल की जा सके।

यह है मामला

शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ 2015 में एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) की शिकायत पर केस दर्ज हुआ था। ईओडब्लू के अधिकारियों के मुताबिक अब तक की जांच और दर्ज किए गए बयानों से फंड डायवर्जन के संकेत मिल रहे हैं। कारोबारी दीपक कोठारी की एनबीएफसी से लिए गए लोन की रकम बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए अन्य संबद्ध कंपनियों में ट्रांसफर की गई। इन फंड डायवर्जन को विदेश यात्राएं, प्रसारण शुल्क, वेयरहाउसिंग और ऑफिस खर्च के रूप में दिखाया गया।

कंपनी कर्मचारियों से होगी पूछताछ

ईओडब्लू के अधिकारियों का दावा है कि जांच में यह भी सामने आया है कि बेस्ट डील टीवी से जुड़े कई वेंडर्स को भुगतान नहीं किया गया, जिनमें एक कूरियर कंपनी के साथ ही मीडिया सॉल्यूशन फर्म भी शामिल है। वहीं, शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की कंपनी ने दावा किया था कि सभी देनदारियां पूरी कर दी गई हैं। ईओडब्लू अब इन कंपनियों के कर्मचारियों से भी पूछताछ करने की तैयारी में है।

तुर्की का बड़ा कदम

नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

एजेंसी ⏭ इस्तांबुल

तुर्की ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 37 व्यक्तियों के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया है। तुर्की के इस्तांबुल मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय ने गाजा युद्ध से जुड़े नरसंहार के आरोप में ये वारंट जारी किए हैं। अभियोजक कार्यालय का कहना है कि इजरायल गाजा पट्टी में नागरिकों को व्यवस्थित रूप से निशाना बना रहा है। इजरायल हमास के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। यह संघर्ष 7 अक्टूबर 2023 को आतंकवादी संगठन हमास द्वारा इजरायली नागरिकों पर किए गए हमलों के बाद शुरू हुआ था।

इजरायल बार-बार खारिज करता है आरोप

वारंट में कथित तौर पर युद्ध के शुरुआती दिनों की कुछ घटनाओं का उल्लेख किया गया है, जिनमें 17 अक्टूबर 2023 को अल-अहली बैपटिस्ट अस्पताल की घटना भी शामिल है। हालांकि इजरायल और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला था कि यह विस्फोट फिलिस्तीन इस्लामिक जिहाद नामक आतंकवादी संगठन की असफल रॉकेट लॉन्चिंग का नतीजा था। इजरायल का दावा है कि वह नागरिकों को निशाना नहीं बनाता बल्कि वह मानवीय सहायता की आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए लगातार प्रयास करता है।

इस्तांबुल के मुख्य लोक अभियोजक जारी करते रहते हैं वारंट

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन लंबे समय से हमास के खुले समर्थक रहे हैं। वहीं इस्तांबुल के मुख्य लोक अभियोजक ने पहले भी पत्रकारों और राष्ट्रपति एर्दोआन के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इनमें अपने ही देश के सबसे प्रमुख विपक्षी नेता एकरेम इमामओग्लू का भी नाम है, जिन देशद्रोह के आरोपों पर मुकदमा करने की तैयारी हो रही है।

इजरायल हमास के बीच हुई शांति

इजरायल की गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ कार्रवाई 7 अक्टूबर 2025 से शुरू हुई, जो दो साल से थोड़ा ज्यादा समय तक चली. इजरायल और हमास आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 20 सूत्रीय प्लान पर राजी हुए, जिसमें दोनों ओर से बंधकों की रिहाई और गाजा से इजरायली सैनिकों की वापसी की बात थी। 13 अक्टूबर 2025 को हमास की ओर से 20 जिंदा बंधकों को रिहा किया गया, जिसके बाद अब थोड़ी शांति है। हालांकि अब भी इजरायल की ओर से सुरक्षा कार्रवाइयां जारी हैं।

कुपवाड़ा में एक्शन

एलओसी में घुसपैठ की कोशिश, 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। भारतीय सेना को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से शुक्रवार को घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया था। भारतीय सेना की यूनिट चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकी मारे गए। ऑपरेशन अभी जारी है। सेना ने इसे 'ऑपरेशन पिंपल' नाम दिया है।

मारे गए आतंकियों की पहचान या उनके संगठन की जानकारी अभी नहीं मिली है। इससे पहले 5 नवंबर को किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में मुठभेड़ हुई थी। आतंकियों की फायरिंग से एक जवान घायल हो गया था। आतंकी केरन सेक्टर के घने जगंलों में छिपे थे।कुपवाड़ा में मुठभेड़ के बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (CIK) ने शनिवार को घाटी की कई जेलों में छापा मारा। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान अगर कुछ भी अवैध बरामद होता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने इसे नियमित जांच का हिस्सा बताया और कहा कि इंटरनल सिक्योरिटी को मजबूत करने और जेल सुविधाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

26 दिन पहले भी दो आतंकी मारे गए थे

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में 13 अक्टूबर को सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया था। यह ऑपरेशन भारत-पाकिस्तान बॉर्डर (एलओसी) के पास कुंबकडी के जंगल में चला था। आतंकियों ने यहां से घुसपैठ की कोशिश की थी, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम किया।

FEDERAL BANK YOUR PERFECT BANKING PARTNER

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि नीचे उल्लिखित खाते/खातों में स्वर्ण आभूषणों को फेडरल बैंक लिमिटेड, **रायपुर मुख्य शाखा, रायपुर/शंकर नगर शाखा, भिलाई शाखा** तथा **बिलासपुर शाखा** द्वारा **15.11.2025** या किसी भी बाद की तिथि/दिनों को नीचे दर्शाई गई शाखाओं में निजी बिक्री के लिए रखा जाएगा क्योंकि संबंधित उधारकर्ता गिरवी रखी वस्तुओं को भुनाने/ऋण खाते/खातों को नियमित करने में विफल रहे हैं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित शाखाओं से संपर्क किया जा सकता है।

ग्राहक का नाम	ग्राहक का खाता क्रमांक
पूनम पटेल	14455600002828
सुंदरी खेमानी	14455600003107
किर्ती शुक्ला	14456100039328
अमरीन खान	14455600002844
राकेश खेमानी	14456400007090, 14455600002760, 14455600002901
श्रुति कुमारी	14455600003040
महेश किशोर अग्रवाल	14455600002570, 14455600002554, 14455600003099, 14455600003081
संजय सिंह सोनाये	14455600001697, 14455600002919
नदीविनती साय वैभवी	14455600002877
प्रद्युम बेहरा	14455600002976
हेमलता सिंह	19456900000723, 14456400006985, 14456400007017

नीलामी/निजी बिक्री 15.11.2025 को की जाएगी।
रायपुर मुख्य शाखा - एलसी आर्केड, भूतल, वंदना बजाज के पास, आश्रम चौक, रामकुण्ड, जी.ई. रोड, रायपुर (छ.ग.) - 492001, फोन नं. - 0771-2236278

ग्राहक का नाम	ग्राहक का खाता क्रमांक
पिंटू ब्रह्मा	19456400017995, 19456400019355, 19456400019348
रशिदा बेगम	19456900000657, 19456100029738
हेमलता सिंह	19456900000723
अमरप्रीत कौर भाटिया	19456900001192
अमर जादवानी	19456900001762
श्रावणी मुखर्जी	19456400018431
एल. जगदीश रेड्डी	19456900001143, 19456900001200, 19456900001911, 19456900001275
दीपक गैन	19456400018506
सुमीत सोनी	19456400018472, 19456400019892
अशोक कुमार श्रीवास	19456400018571, 19456100029753, 19456400019025

नीलामी/निजी बिक्री 15.11.2025 को की जाएगी।
रायपुर/शंकर नगर शाखा - 18/1421, कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) - 492007, फोन नं. 07712422900

ग्राहक का नाम	ग्राहक का खाता क्रमांक
संतोष यादव	25036400003971, 25036400003963
समसुद्दीन	25036900000469
प्रशांत गुरव	25036400003864
जी. राजकुमार	25036400003542
पी. गौतम	25036900000410, 25036900000444
चंद्रेश नायक	25036400003047
कुंदन सिंह	25036400004276
अजय कुमार सिंह	25036900000402

नीलामी/निजी बिक्री 15.11.2025 को की जाएगी।
भिलाई शाखा - विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा), दक्षिण गंगोत्री, व्यवसायिक भूखण्ड योजना, सुपेला भिलाई नगर, दुर्ग (छ.ग.)-490023

ग्राहक का नाम	ग्राहक का खाता क्रमांक
ऋषि छाबड़ा	16665600002515
पिंकी कोरी	16666400054045
मकसुदा	16666100009679
साहिल ग्रायाकर	16666400050902

नीलामी/निजी बिक्री 15.11.2025 को की जाएगी।
बिलासपुर शाखा - फेडरल बैंक, गुरूकृपा बिल्डिंग, व्यापार विहार मेन रोड, बिलासपुर (छ.ग.), फोन नं. - 07752-261462

न्यायालय तहसीलदार गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //

ग्राम खरखराडीह प.ह.नं. 03
रा.प्र.क्र. 202510114700055/अ-6/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका/क्रेता श्रीमती पेमिन यादव पति श्री दीपक चंद यादव निवासी सेक्टर 01 गीतांजली नगर, तेलीबांधा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम खरखराडीह प.ह.नं. 03 रा.नि.म. तोरला तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ.ग. स्थित खसरा नं. 428/3 का भाग रकबा 1500 वर्गफुट भूमि को आवेदिका/क्रेता द्वारा अनावेदक/विक्रेता अजय वर्मा डेव्हलपर्स एंड बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा अजय वर्मा पिता जी.एस.वर्मा से पंजीकृत विक्रय विलेख पत्र दिनांक 30/06/2023 के माध्यम से क्रय किया गया। पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30/06/2023 के आधार पर नामांतरण हेतु भुईया सी.टी. 202526440333400006 में प्राप्त हुआ। साक्ष्य का विषय होने के कारण एवं हल्का पटवारी से विस्तृत जांच प्रतिवेदन लिये जाने हेतु प्रकरण न्यायालय में हस्तांतरित किया गया। तत्संबंध में राजस्व प्रकरण न्यायालय विचाराधीन है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 11/11/2025 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 24/10/2025 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
गोबरा नवापारा

राजधानी दिल्ली से शुरू हुई पं. धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा

सनातन हिंदू एकता यात्रा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 'सनातन हिंदू एकता यात्रा' निकाल रहे हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता यात्रा की शुरुआत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के छतरपुर से हो गई है, जो वृंदावन पहुंचकर संपन्न होगी। बागेश्वर धाम सरकार की अगुवाई में निकल रही इस यात्रा में शामिल होने के लिए शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के अनुयायियों के साथ ही देशभर से साधु संत दिल्ली पहुंचे हैं। दरअसल, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता यात्रा दिल्ली के छतरपुर मंदिर परिसर से शुरू हुई। यात्रा की शुरुआत के मौके पर विशाल कार्यक्रम हुआ, जिसमें धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के देशभर से आए श्रद्धालुओं के साथ ही संत-महंत और आम नागरिक शामिल हुए।

डेढ़ सौ किमी की पदयात्रा

धीरेंद्र शास्त्री ने आज डेढ़ सौ करोड़ भारत वासियों की एकता के लिए डेढ़ सौ किलोमीटर की पदयात्रा कर रहा हूं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सनातन की एकता के लिए यह उनकी दूसरी पदयात्रा है। इस मौके पर साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सांस्कृतिक रूप से सजग राष्ट्र बनाना है। इसमें सभी धर्मों और मतों को मानने वालों का राष्ट्र धर्म एक हो, सोच एक हो। दिल्ली से वृंदावन तक की यात्रा में जगह-जगह धार्मिक सभाएं होंगी और भजन के कार्यक्रम भी होंगे।

साधु-संतों ने दिया रक्षा का संदेश

इस कार्यक्रम के मंच से देश के प्रतिष्ठित साधु-संतों ने मंच से सनातन धर्म की एकता और रक्षा का संदेश दिया। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भी इस कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सनातन धर्म सिर्फ आस्था नहीं है। यह भारत की आत्मा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर अपने धर्म, अपनी संस्कृति और अपने राष्ट्र की रक्षा करनी होगी। बागेश्वर धाम सरकार ने कहा कि हमारी यात्रा राजनीतिक नहीं, आध्यात्मिक है। राजनीतिक यात्रा होती, तो हम वृंदावन से दिल्ली आते. लेकिन आध्यात्मिक यात्रा है। तभी दिल्ली से वृंदावन जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सात नवंबर ऐतिहासिक दिन है। सन 1966 में इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गो वध के खिलाफ संसद मार्ग पर आंदोलन कर रहे साधु संतों पर गोलियां चलवाई थीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

आखिरी टारगेट अब...

के एसपी नजर बनाए हुए हैं और यह ऑपरेशन पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के बटालियन नंबर 1 के लीडर माड़वी हिड़मा और उसकी बटालियन को घेरने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। **हिड़मा को मार गिराना बड़ी चुनौती-** गौरतलब है कि माड़वी हिड़मा पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन नंबर 1 का प्रमुख है जो भाकपा (माओवादी) का सैन्य विंग है। हिड़मा माओवादियों की केंद्रीय समिति का सदस्य भी है- जिस पर 1 करोड़ रुपए का ईनाम घोषित है। हिड़मा अब तक के सबसे बड़े नक्सल हमले 2010 के ताड़मेटला और 2013 के झीरम घाटी नरसंहार समेत कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड है और इस ऑपरेशन का उद्देश्य हिड़मा और उसके साथियों को पकड़ना या मार गिराना है जो सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती मानी जा रही है। हिड़मा गुरिल्ला युद्ध में माहिर है और अक्सर सुरक्षा बलों को चकमा देकर भागने में सफल रहा है। इससे पहले भी वह करेंगुट्टा समेत बड़े ऑपरेशनों के दौरान बच निकलने में कामयाब हो चुका है।

हरियाणा में हमारे...

हरियाणा का रहने वाला था। जनवरी 2004 में यमुनानगर हरियाणा में माओवादियों द्वारा संचालित शोषित तुलनात्मक संघर्ष मंच में हुआ। सुनील ने बताया कि हरियाणा में जातिगत भेदभाव और जमीन की समस्या से परेशान होकर माओवादी संगठन से जुड़ा। दलित वर्ग पर अन्याय और शोषण हो रहा था। आत्मरक्षा और न्याय की लड़ाई के लिए हथियार उठाना मजबूरी थी। उसने कहा उस समय मास्टर सतीश और नवीन किसान-मजदूर संघर्ष संगठन का नेतृत्व कर रहे थे, उनके साथ जुड़कर सुनील ने आंदोलन का रास्ता चुना। सुनील उर्फ जगतार सिंह ने बताया कि 2006 में पहली बार पिस्टल मिला, किसी को मारने के लिए नहीं, खुद की रक्षा के लिए। **फोर्स के एनकाउंटर ने डराया, मौत का खौफ, जिंदगी को चुना -** सुनील ने बताया कि गरियाबंद में हाल ही में हुई 10 नक्सलियों की मुठभेड़ में मौत ने उन्हें भीतर तक डरा दिया। तब लगा कि अब या तो मरेंगे या फिर आत्मसमर्पण करेंगे। हमने जीवन चुना, मौत नहीं उसने कहा कि अब आईजी अमरेश मिश्रा के समक्ष आत्मसमर्पण के बाद उसके मन का भय समाप्त हो गया है। सरकार की पुनर्वास नीति पर सुनील ने कहा कि हम सरकारी नौकरी नहीं चाहते। खेती-बाड़ी या मजदूरी कर स्वतंत्र रूप से जीवन जीना चाहते हैं। सरकार हमें बस जमीन दे, ताकि गुजारा कर सकें। पुलिस की निगरानी में नहीं, अपने तरीके से जीना है। उसने यह भी कहा कि सरकार ने जो भरोसा दिया है, उस पर अमल करे, ताकि आत्मसमर्पण करने वाले बाकी नक्सली भी शांति का रास्ता अपनाएं। **हम कुछ नहीं कर पाए, आंदोलन अधूरा रह गया -** हमने बीस साल जनता की लड़ाई लड़ी, लेकिन अब लगता है कि जिस जनता के लिए हथियार उठाए, उनके लिए कुछ कर नहीं पाए। आंदोलन अधूरा रह गया। उसका मानना है कि सरकार यदि सच में गांवों में डॉक्टर, शिक्षक और रोजगार दे दे, तो कोई भी बंदूक नहीं उठाएगा। वह कहता है कांकेर मेरा ससुराल है, वहीं रहकर खेती करना चाहता हूं। अब कोई आदेश नहीं, बस अपनी मर्जी से जीना है। **हरियाणा से छत्तीसगढ़ तक का सफर, जंगलों में बीते 20 साल** - सुनील 2015 तक हरियाणा में सक्रिय रहा, फिर 2016 में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद क्षेत्र में स्थानांतरित हुआ और उदंती एरिया कमेटी में शामिल हुआ। वह कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा । 2018 में चिखली-अम्मोरा मुठभेड़, 2023 में करला झर जंगल की मुठभेड़, 2024 में गरीबा जंगल में कमांडर जग्गू की मौत और 2025 में मोतीपानी और कांडसरा मुठभेड़। उसने स्वीकार किया कि जब तक जंगल में थे, किसी की मौत का दुख नहीं होता था, लेकिन अब लगता है कि खून-खराबा बंद होना चाहिए।

अब नक्सली संगठन...

बताया कि संगठन के खर्च का इंतज़ाम कैसे होता था। हम तेंदूपत्ता संग्रहण, ठेकेदार उगाही और जनता के स्वैच्छिक दान से फंड जुटाते थे। कोई दबाव नहीं डालते थे, लेकिन मुखबिरी करने वालों को बख्शा नहीं जाता था। उसने यह भी स्वीकार किया कि कभी-कभी स्थानीय ठेकेदार और व्यापारी भी नक्सल फंडिंग में शामिल रहते थे।

20 करोड़ खर्च,...

गलियों से लेकर मुख्य सड़कों और नेशनल हाइवे तक सिर्फ मवेशी दिखाई देतें हैं। खासतौर पर रात के समय ये समस्या और गंभीर हो जाती है क्योंकि अंधेरे में मवेशी दिखाई नहीं देते। पिछले 6 सालों की आंकड़ों की ही बात करें तो 200 से अधिक हादसे हो चुके हैं जिसमें 80 के करीब लोगों की मौत और 140 से अधिक लोग घायल हो चुकें हैं। 20 करोड़ से अधिक अब तक खर्च किए जा चुके हैं। इस बारे में जनहित याचिका पर हाईकोर्ट के आदेश के बाद केस पर लगातार सुनवाई हुई, जिसमें समय-समय पर मुख्य सचिव को प्रदेश स्तर पर कार्य योजना बनाने के आदेश दिए गए लेकिन, 10 साल बाद भी व्यवस्था जस की तस है। हरिभूमि ने पड़ताल की तो शहर से लेकर नेशनल हाईवे तक जगह-जगह मवेशियों का झुंड बैठा मिला, जिससे हादसे हो रहे हैं, वहीं जिम्मेदार दूर तक नहीं दिखाई दिए। **यह है लोगों का कहना**-तिफरा निवासी रामेश्वर साहू ने बताया कि सड़कों पर गायों के कारण हमेशा डर बना रहता है कि कभी भी दुर्घटना हो सकती है। लोग अपनी जान जोखिम में डालकर गाड़ियों को साइड से निकालते हैं, लेकिन कई बार सड़क पर बैठे मवेशी अचानक उठ जाते हैं, जिससे हादसे हो जाते हैं। विकास तिवारी ने भी इस समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि हाईवे और मुख्य सड़कों पर मवेशी खुलेआम घूमते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम भी हो जाता है। कोनी क्षेत्र के छात्र सुभाष कुर्रे ने बताया कि रात के समय मवेशी सड़क पर दिखाई नहीं देते जिससे खतरा और भी बढ़ जाता है। हाईवे पर तो वाहन की गति धीमी रखनी पड़ती है क्योंकि कोई भी समय मवेशी सामने आ सकते हैं। **शासन ने यह कदम उठाने की जानकारी दी**-हाईकोर्ट में शासन की ओर से इस बारे में जवाब दिया गया है कि जिला प्रशासन ने मैदानी अमलों को मवेशियों को सड़कों से हटाने का आदेश दिया है। मवेशियों के गले में रेडियम लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही जनपद पंचायत से लेकर पंचायत सचिव की टीम बनाई गई है जो रात सात बजे से 12 बजे तक सड़कों पर मवेशी हटाएंगे। इसके साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में संयुक्त निगरानी दल गठित की जा रही है। पशुपालन विभाग के साथ मिलकर नसबंदी और कान टैगिंग अभियान चलाए जा रहे हैं, सड़कों पर घूमने वाले आवारा मवेशियों के लिए आश्रय स्थल और आश्रय स्थल स्थापित कर रहे हैं,उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और चिह्नांकन कर रहे, राजमार्गों के किनारे के गांवों में जागरूकता अभियान चला रहे, लापरवाह पशुपालकों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जा रही। इसके साथ ही आवारा मवेशियों के दीर्घकालिक प्रबंधन के लिए जोगीपुर में 205.10 एकड़ का गौ अभयारण्य प्रस्तावित है। इधर सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि मवेशियों के लिए स्थायी गौशालाओं और गौठानों की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि उन्हें खुले में छोड़ने की नौबत न आए। इसके अलावा, पशुपालकों को भी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और मवेशियों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए। **यह मिली हालत-** - एनएच-130 पर बिलासपुर से कोनी के बीच करीब 7 किमी में ही 100 से अधिक मवेशी मिले। इस दौरान आईटीआई गेट के सामने सड़क पर मवेशी सड़क पर दिखे। बाईं ओर एक गाय सड़क पर बीचों-बीच बैठी थी। दो डिवाइडर के बीच और दो अन्य सड़क के दूसरी ओर बैठी थी। इंजीनियरिंग कॉलेज गेट के पास मवेशियों का एक झुंड सड़क पर था। और रास्ता जाम था। इससे आगे कोनी थाने के ठीक सामने मवेशियों का झुंड़ सड़क पर बैठा मिला। रानीगांव के पास एक साथ 20 के करीब मवेशी सड़क पर बैठे थे और बाजू से गाड़ियां गुजर रही थी।- बिलासपुर शहर से तिफरा और उससे आगे हाईकोर्ट तक एक दो जगह पर ही मवेशियों का झुंड मिला। इसके आगे चकरभाठा चौक से लेकर पेंड्रीडीह बाइपास तक हर एक किमी में सड़कों पर मवेशियों का झुंड दिखा। इस नेशनल हाइवे पर इन्हें रोकेने के लिए ना तो कोई बोर्ड था और ना ही कोई सरकारी अमला। हां वीआईपी गाड़ियों के मूवमेंट के दौरान कुछ ट्रैफिक पुलिस कर्मी चहल कदमी करते दिखाई दिए। - इसी तरह मंगला से उसलापुर सकरी रोड पर जगह-जगह मवेशी बैठे रहे। वहीं, नूतन चौक से सीपत रोड, महाराणा प्रताप चौक से मंगला रोड, महामाया चौक से कोनी रोड, तोरवा से मोपका रोड, गांधी चौक से तोरवा चौक, लिंक रोड, राजेंद्र नगर रोड, नेहरू चौक से मंगला रोड, शनिचरी बाजार रोड, गोड़पारा, बृहस्पति बाजार, चिंगराजपारा में मवेशी सड़कों पर दिखे।

हाईकोर्ट ने की...

जिम्मेदार कौन है? आप गर्व करते हैं कि हाईवे और चौड़ी सड़कें बना लीं, लेकिन उन पर मवेशी मर रहे हैं, लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। यह कैसी व्यवस्था है?

हाईवे पर 20...

राजमार्गों में मवेशियों की संख्या और बढ़ जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में चारागाह की जमीन पर अवैध कब्जा होने के साथ जगह का उपयोग रहवासी क्षेत्र के रूप में करने की वजह से स्थिति और भी विकराल हो गई है। **रेस्क्यू करना आसान नहीं-** शहर की सड़कों के साथ स्टेट, नेशनल हाईवे में सड़कों पर कब्जा जमाए मवेशियों को रेस्क्यू करना आसान नहीं है। मवेशियों को रेस्क्यू करने वर्तमान में राज्य के अलग-अलग जिलों में जितने लोगों की टीम लगती है, वह नाकाफी है। मवेशियों को रेस्क्यू करने स्थानीय प्रशासन को अलग से विभाग बनाना पड़ेगा। **रेस्क्यू करने के बाद रखने की परेशानी** - मवेशियों को रेस्क्यू करने के बाद रखना एक बड़ी चुनौती है। मवेशियों को रखने के लिए जो गोठान बनाए गए हैं, वह एक से डेढ़ एकड़ के क्षेत्र में हैं। उन गोठानों में क्षमता से कई गुना ज्यादा मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर भर दिया जाता है। इसके कारण मवेशियों को पर्याप्त चारा-पानी नहीं मिलता और संक्रमण के शिकार होने के साथ मवेशी एक जगह खड़े रहते हैं। मवेशियों को चलने-फिरने के साथ बैठने की जगह नहीं मिलती। इसके कारण मवेशियों की आखिर मृत्यु हो जाती है।

कांग्रेस में फिर...

भी किया था।

कांग्रेस में लेनदेन का चलनः भाजपा -

बृहस्पत सिंह के जिला अध्यक्ष बनाने के लिए पैसों के लेनदेन के आरोपों पर भाजपा की भी प्रतिक्रिया आई। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस में पैसों के लेनदेन का चलन रहा है। पहले भी इस तरह की बातें होती रही हैं, लेकिन विपक्ष का यह हाल होना चिंताजनक है।

दुर्ग रेलवे स्टेशन...

मुंबई पुलिस उसे लेकर लौट गई। 7 नवंबर को मुंबई पुलिस से दुर्ग जीआरपी को सूचना मिली थी कि एक बांग्लादेशी नागरिक के खिलाफ बिना पासपोर्ट और वीजा के मुंबई में रहने का मामला दर्ज है। शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस से बंगाल जा रहा है। वहां से वह बांग्लादेश भागने की फिराक में है। सूचना मिलते ही दुर्ग जीआरपी ने ट्रेन के दुर्ग स्टेशन पहुंचने से पहले प्लेटफॉर्म पर टीम तैनात कर दी। ट्रेन आते ही एस-1 कोच में दबिश दी गई। जहां से अजमीर को हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर उसने पुलिस को बताया की ट्रेन का जनरल टिकट खरीदा था, टीटी से बात कर स्लीपर कोच (एस-1) में सीट बनवा लिया था।

शराब सरकारी निगम...

मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा, वर्तमान आबकारी नीति को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने सभी शराब दुकानों में व्यवस्थित रूप से बिक्री की जा रही है।उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2017 से डॉ. रमन सिंह सरकार द्वारा सरकारी बिक्री प्रणाली शुरू की गई थी। भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार ने इसे जारी रखा था। अब भाजपा सरकार बनने के बाद इसमें परिवर्तन के कयास लग रहें हैं। यह कहा जा रहा है कि पिछले वर्ष आबकारी के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य से 3,000 करोड़ रुपए के राजस्व घाटे के बाद अब 2025-26 के लिए 12,500 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है।

अवैध शराब रोकने...

भरपाई का अनुमान है। बताया जाता कि छत्तीसगढ़ में शराब की कीमतें ज्यादा थीं। जिस कारण से दूसरे राज्य में अवैध रूप से शराब की तस्करी होती थी। अवैध रूप से शराब की तस्करी के कारण राजस्व को घाटा होता था। ऐसे में सरकार ने शराब की कीमतों को कम करने का फैसला लिया था।

पिछले माह हुई...

हो इसे लेकर ऑनलाइन सिस्टम भी लागू किया गया है।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों के क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिए।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

Education INSTITUTIONS

राजीव लोचन आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज चंदखुरी दुर्ग (छ.ग.)

आयुर्वेद पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश सूचना

छत्तीसगढ़ शासन चिकित्सा शिक्षा (आयुष) मंत्रालय द्वारा अनुमति तथा छत्तीसगढ़ सह-चिकित्सा परिषद छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एक वर्षीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।

क्र.	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या
1.	आयुर्वेद कम्पाउंडर	05
2.	पंचकर्म सहायक (तकनीशियन)	29

योग्यता :- 10 + 2 प्रणाली की बायोलॉजी विषय के साथ छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मंडल अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण

आवेदन शुल्क 1000/- रू. का बैंक ड्राफ्ट/नगद के साथ अंतिम तिथि 22.11.2025 तक सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ महाविद्यालय के पते पर सीधे / डाक द्वारा कार्यालयीन अवधि में आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं।

1. शासकीय / निजी संस्थान में नियुक्ति हेतु मान्य
2. छत्तीसगढ़ शासन पैरामेडिकल कांउसिल द्वारा पंजीयन

विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र हेतु महाविद्यालय के वेबसाइट www.rlamcollege.org का अवलोकन करें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फर्निशिंग दुकान में काम करने हेतु 10 लड़के, 10 लड़कियां चाहिए पता- वीआर फर्निशिंग, विशाल मेगा मार्ट केएफसी के बाजू में अशोक नगर चौक के पास सीपत रोड बिलासपुर 9893127584 (39096)

आवश्यकता है- गर्ल्स हॉस्टल में खाना बनाने हेतु महिला की तत्काल आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गर्ल्स हॉस्टल कपिल नगर सरकण्डा बिलासपुर 9691061167 (39095)

आवश्यकता है- साफ सफाई हेतु दो लड़के, ऑफिस कार्य हेतु एक लड़कासाफ सफाई हेतु दो कामवाली बाई चाहिए (रहने खाने की सुविधा) पता- रामा मैग्नेटो मॉल के सामने बिलासपुर 8988888542, 8839169907 (39100)

आवश्यकता है-सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9893281946 (39086)

Requirment-Post Sales Co-ordinator Backoffice Computer Work, Skill Required (1) Knowledge in computer- MS Word, Excel, E-Mail (2) Good Communication Skills. Qualification- Graduate and Above Working Experience 0-5 Year. Contact Details- Flodyne Corporation Plot no. 71B, Industrial Area Sirgitti, Bilaspur 9755637001 (39083)

आवश्यकता हैं
प्राचार्य-1पद (डिप्लोमा इले. बीई इलेक्ट्रीकल)
प्रशिक्षण अधिकारी- 10पद (डिप्लोमा इले+ इले. ITI)
कम्प्यूटर आपरेटर- 5पद (आनलाईन वर्क, कोपा, PGDCA)
चपरासी- 10पद (10वी पास)
साक्षात्कार- दिनांक 15/11/2025 समय 11 से 4बजे
सम्पर्क करें
प्राचार्य न्यू महाराणा ITI
लोधीपारा पुराना सरकंडा बिलासपुर
9203905369, 9203914561

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन एवं इंटिरियर कम्पनी के मार्केटिंग हेतु अनुभवी फील्ड ऑफिसर मेल -2, फीमेल -2, कारीगर (कारपेंटर) -2 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एसबीआई एटीएम, गौरव पथ, मंगला चौक बिलासपुर 7566777007 (39099)

आवश्यकता है- रामा वैली प्रीमियम कालोनी परसादा में 2 गार्ड की आवश्यकता है। न्यूनतम योग्यता- ग्रेजुएट। 8 घंटा ड्युटी 8000 पेमेंट। संपर्क करे- 8871694739 (39098)

आवश्यकता है-राजस्व सम्बन्धी कार्यों के लिए शासकीय आफिसों में जाकर काम करवाने हेतु 5वर्ष अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार स्थान बिलासपुर सम्पर्क करें- 9243530500 (39087)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर (39064)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य कम्प्यूटर के लिए (महिला/ युवती) आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 12000 से 15000 तक सम्पर्क करें- 8817395214 (38799)

आवश्यकता है-बिलासपुर की प्रतिष्ठित कम्पनी में ऑफिस असिस्टेंट (युवती) कम्प्यूटर एक्सेल, डेटाबेस अनुभवी अथवा फ्रेशर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7587483128, 7646952934 (39082)

आवश्यकता है-OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के लड़कियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000 रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 88188 77406, 9644433021 (39071)

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने के लिए कुक पुरुष कर्मचारी की आवश्यकता है। रहने की सुविधा उपलब्ध। आधार कार्ड के साथ सम्पर्क 9827195555 (39101)

आवश्यकता है-अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर जिसे बीजी सॉफ्टवेयर आता हो (महिला/ युवती) एवं अन्य कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- अमर जनरल स्टोर व्यापार विहार बिलासपुर 98274 73604, 9131452265 (39088)

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित कम्पनी में कार्य करने हेतु सेल्समेन, डिलीवरी ब्वाय, एवं टेली कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर (39090)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है (कार्य पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी, पैकर) सम्पर्क करें- जगत फार्मा, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर (39081)

आवश्यकता है-बिलासपुर के बहू प्रतिष्ठित संस्थानों में भारी मात्रा में सुरक्षागार्ड एवं पशु चिकित्सालय में काम करने, पशुओं की देखभाल करने हेतु 30 कर्मचारी की आवश्यकता है। पीएफ ईएसआईसी इत्यादि। सम्पर्क करें- रिलायबल सर्विसेज जी18 ग्राउण्ड फ्लोर, अम्बे प्लाजा हाईटेक बस स्टैण्ड के सामने तिफरा बिलासपुर 981614171, 9202580757, 9522250437 (39073)

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलर काम के लिए लड़को की जरूरत है केवल अविवाहित 18 से 28 वर्ष आयु वाले ,ऑल इंडिया प्लेसमेंट शुरुआती वेतन 12000 रहने के लिए कमरा दिया जाएगा 7310671995, 6387630593 (522)

आवश्यकता है-फुटवियर शॉप में अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल, मार्केटिंग फील्ड वर्क, बिजी एकाउंट हेतु आवश्यकता है बॉयोडाटा सहित सम्पर्क करें- चरणस्पर्श शूमॉल रघुराज सिंह स्टेडिम के सामने बिलासपुर 93003 00333, 8889900889, 07752407333 (39089)

आवश्यकता है-पानी फेक्ट्री में काम करने हेतु छोटा हाथी, पिक अप ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 9754246350, 8818885830 (39074)

आवश्यकता है-रेस्टोरेन्ट में कार्य करने हेतु असिस्टेंट कुक, तन्दूर रोटी कारीगर, किचन हेल्पर, सर्विस हेतु लड़के, लड़कियों एवं फ्रेशर लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलापुर 7879121999 (39077)

आवश्यकता है-टेलरिंग शॉप में साफ सफाई हेतु एक एवं टेलरिंग कार्य हेतु एक लड़का चाहिए संपर्क करें टेलर्स एम. प्रमोद रिवर व्यू रोड आर्य समाज मंदिर के पास गोड़पारा बिलासपुर 9303471448 (39076)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 13000, सुपरवाइजर 16000, फील्ड ऑफिसर 15000, कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यता अनुसार (आवास फ्री) सम्पर्क करें-Alert Sgs Private Limited, FF-6 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 77470 00019, 7747000016, 7746000016 (348)

आवश्यकता है-LED वाहन (पिकअप ट्रक) हमारी कंपनी को अनुभवी चालक की आवश्यकता है जो LED डिस्प्ले पिकअप ट्रक चलाने में सक्षम हो। उम्मीदवार के पास वैध लाइसेंस और कम से कम 2वर्ष का अनुभव होना चाहिए। ड्राइविंग स्किल्स के अलावा, LED सिस्टम की बेसिक जानकारी वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिम्मेदारियाँ वाहन संचालन, रखरखाव, एवं डिस्प्ले सेटअप में सहायता सम्पर्क करें-7970010958, बिलासपुर (354)

आवश्यकता है-अनुभवी साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर एवं साइट इंचार्ज की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 8839455596 (39070)

आवश्यकता है-बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर (39022)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 13000 से 15000, सुरक्षा सुपरवाइजर वेतन 16000 से 18000, एरिया रिक्रूटमेंट ऑफिसर वेतन 16000 से 18000, फील्ड ऑफिसर वेतन 14000 से 16000 एवं ऑफिस असिस्टेंट वेतन योग्यता अनुसार रहने के लिए आवास फ्री सम्पर्क करें-BISS सिक्यूरिटी निमोरा रोड रावा भाटा बिरगांव रायपुर 88893 33550, 9111400666 (16)

आवश्यकता है-घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 88899 97826 (38966)

आवश्यकता है-गर्ल्स हॉस्टल वार्डन एवं बॉयज हॉस्टल वार्डन की आवश्यकता है वेतन अनुभव एवं योग्यता अनुसार। उचित सर्टिफिकेट्स एवं डाक्यूमेंट्स के साथ सम्पर्क करें-सीपीएस टाटीबंध, रायपुर 9752148000, 91091 66622, 7869190431 (4842)

आवश्यकता है-खेती बाड़ी का सभी काम करने हेतु परिवार वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर काम कर सके दोनों मिलाकर तनख्वाह 13000 सम्पर्क करें- 9754293974 (39068)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु गर्ल्स एवं महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 6000 से 12000 कमीशन+ बोनस जॉब टाइम 10 से 5:30 सम्पर्क करें- मैग्नेटो मॉल के पास विद्या नगर बिलासपुर 9243494920, 91097 53599 (355)

आवश्यकता है-जिलानुसार 875 लड़के लड़कियों की आवश्यकता है पढ़ाई 8वीं से ग्रेजुएशन ड्राइवर माली गार्ड सफाई कर्मचारी रहने खाने की सुविधा सैलरी 26500 से 58500 इच्छुक व्यक्ति अपना आधार कार्ड मार्क शीट पास पोर्ट साइज फोटो व्हाट्स एप करें- 7054311719 (1211)

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग के लिए युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9424145652, 9981428990 (357)

बेचना

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है-सर्वमंगला पेट्रोल पम्प के पीछे आशा नगर उस्लापुर में डाइवर्टेड नक्शा पास डबल स्टोरी का भूमि 60×50 में 60 फुट उत्तर मुखी फ्रंट 25फीट सीमेन्ट रोड बेचना है सम्पर्क- 9300333519 (39093)

बेचना है-रामा लाईफ सिटी सकरी बिलासपुर में प्लाट 1763, कंस्ट्रकशन ग्राउंड फ्लोर 1000, फर्स्ट फ्लोर 766 कुल बिल्टअप 1766. कार पार्किंग, आंगन, गार्डन सहित मकान बेचना है सम्पर्क करें- 84529 11557 (39069)

बेचना है-अशोक नगर परिवार कालोनी में 20×59= 1180 वर्गफुट पश्चिम मुखी डायवर्टेड एवं सकरी ग्लोबल सिटी में 1000 वर्गफुट के दो डायवर्टेड प्लाट 25×40, 25×40 बेचना है सम्पर्क करें- 7000589595 8103693750 (39072)

बेचना है-बिलासपुर में खमतराई अशोक नगर प्रत्यक्षा विहार में डबल रोड से लगा डायवर्टेड प्लाट 2200 वर्गफीट 65 का फ्रंट है बेचना है सम्पर्क करें-भूमि स्वामी 95898 48485 9300482613 (39067)

बेचना है-बिलासपुर प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक साईं बाबा हॉस्पिटल के पास 2 BHK स्वतंत्र मकान बेचना है फाइनेंस सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- 6265041277, 8461997770 (353)

बेचना है-विकसित T&C अप्रूव्ड आवासीय कालोनी आर. के. रेसीडेन्सी तिफरा में दो स्वतंत्र मकान बेचना है कीमत 2BHK 45 लाख एवं 3BHK 80 लाख सम्पर्क करें- 93009 89627 (39017)

बेचना है-बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट प्लाट और व्यापार विहार में एक कमर्शियल प्लॉट साईज 375 वर्गफीट कीमत 16000 रूपए प्रति वर्गफुट में बेचना है सम्पर्क करें-9630083740, 97706 76030 (39066)

बेचना है- व्यापार विहार रोड पर फ्लैट क्षेत्रफल 1100 वर्गफिट तीन बेडरुम, एल साइज हाल, माड्युलर किचन, दो बाथरूम नीचे ऊपर दो ही फ्लैट होने से लेन्टर पर स्टोर रूम एवं लेन्टर उपयोग हेतु। सम्पर्क करें- 9407677091 (39103)

किराया

किराया- बिनोवा नगर में L-4, D/47, ग्राउंड फ्लोर में 2BHK सर्वसुविधायुक्त मकान बैंक या शासकीय कर्मचारी, छोटे परिवार को किराए से देना है किराया 7000 मासिक सम्पर्क करें- परमानन्द गौरहा 7974783683 (39094)

किराया-मुंगेली रोड में ग्रीन गार्डन नीलगिरी अपार्टमेंट में रिनोवेटेड 3 बेडरूम का फ्लैट सर्वेंट क्वार्टर सहित किराये पर देना है सर्विस क्लास को प्राथमिकता। किराया 18000/- सम्पर्क करें- 7023445244 (39091)

किराया-3BHK फ्लैट सर्वसुविधायुक्त परिसर में चकरभाटा मार्केट से लगा, हाईकोर्ट से वाकिंग डिस्टेंस, बिलासपुर एयरपोर्ट से नजदीक किराए से देना है बहुत वाजिब कीमत में विक्रय भी संभव सम्पर्क -9826130163, 8770523386 (39085)

किराए से देना है
मंगला चौक के पास द्वितीय तल में पाँच हजार वर्गफीट, पचास फीट फ्रंट जगह किराए से देना है।
सम्पर्क करें 73891-91615

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11", एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

खबर संक्षेप

21 साल के राहुल वीएस बने भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वीएस छठी आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप को एक राउंड शेष रहते हुए जीतकर देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी एशियाई जूनियर चैंपियन भी है। वह 2021 में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने लिखा, 'राहुल वीएस को एक राउंड शेष रहते आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीतने और इस प्रक्रिया में देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने पर हार्दिक बधाई। आपको आगे भी कई उपलब्धियां हासिल करने और भारत को गौरवान्वित करने में निरंतर सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' फिलीपीन्स में आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप में राहुल ने जीत हासिल करके अपना अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया। वह पिछले दो सप्ताह के अंदर ग्रैंडमास्टर बनने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले युवा खिलाड़ी इलमपर्थी एआर ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी।

एशेज सीरीज का प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया : वुड

पर्थ। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया आगामी एशेज श्रृंखला में प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए आत्मविश्वास से भरी है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 से ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला नहीं जीत पाई है और उसका लक्ष्य इस बार यह इंतजार खत्म करने का होगा। वुड ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से श्रृंखला में प्रबल दावेदार है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारी टीम में भी इस बात का आत्मविश्वास है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।' मार्क वुड ने 15 महीनों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है और वह फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में भी नहीं खेले हैं। इस टूर्नामेंट के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी। वह इंग्लैंड की गेंदबाजी योजनाओं का एक अहम हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत प्रतिशत फिट हूं। मुझे लगता है कि अभ्यास के दौरान हमेशा अपना शत प्रतिशत देना बहुत मुश्किल है। मैं लंबे समय तक दौड़ नहीं लगा पाया था लेकिन धीरे-धीरे मैं अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रहा हूं। मुझे विश्वास है कि मैं पहले टेस्ट मैच तक में खेलने के लिए पूरी तरह फिट हो जाऊंगा।'

पंत को लगी चोट, फिर भी की बल्लेबाजी

बेंगलुरु। भारत 'ए' के कप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए दोबारा मैदान पर उतरते ही चोट की चिंताओं को दूर कर दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के मैदान पर दिन के शुरुआती सत्र के अंतिम क्षणों में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोराकी की गेंद पर तीन बार चोट लगने के बाद पंत को एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। पंत जब रिटायर हर्ट हुए तब वह 22 गेंद में 17 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। उनकी जगह ध्रुव जुरेल मैदान पर आए। उन्हें बाद में बाएं हाथ पर पट्टी बांधे देखा गया। पहली पारी में 24 रन बनाने वाले पंत को 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

बारिश में धुला भारत और आस्ट्रेलिया का अंतिम टी20 मैच, टीम इंडिया ने जीती सीरीज

अभिषेक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सबसे तेज पूरे किए 1 हजार रन, बने दुनिया के पहले बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंतिम मैच ब्रिसबेन में खेला गया। इस मुकाबले में बारिश आने से पहले ही अभिषेक शर्मा ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

अभिषेक ने जैसे ही अपनी बैटिंग के दौरान 11वां रन बनाया तो वह दुनिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज एक हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले बैटर बन गए। ब्रिसबेन मुकाबले से पहले अभिषेक शर्मा के नाम 521 गेंदों में 989 रन दर्ज थे। लेकिन गाबा के मैदान में उन्होंने सात गेंद में जैसे ही 11 रन और बनाए तो उनके नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

अभिषेक शर्मा ने 528 गेंद में 1 हजार रन पूरे किए और ऐसा करने वाले पहले बैटर बन गए हैं। जबकि इससे पहले 569 गेंद में टिम डेविड ने 1 हजार टी20 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए थे। 573 गेंद में सूर्यकुमार यादव और 599 गेंद में इंग्लैंड के फिल साल्ट ने टी20 में एक हजार रन पूरे किए थे।

अभिषेक ने 528 गेंदों में पूरे किए एक हजार रन

अभिषेक का टी20 कॅरियर

भारत के लिए तूफ़ानी सलामी बैटर के रूप में जगह बनाने वाले अभिषेक शर्मा भारत के लिए अभी तक 29 टी20 मैचों में एक हजार से अधिक रन बना चुके हैं और वह 37 के करीब की औसत और 189 के धांसू स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं। अभिषेक शर्मा का तूफ़ानी अंदाज अगले साल 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के काफी काम आएगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। अभिषेक ने सीरीज में 163 रन बनाए। अभिषेक लगातार दूसरी सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने हैं। एशिया कप 2025 में भी वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

बारिश के कारण मैच रद्द

अभिषेक शर्मा की बात करें तो वह चार मैचों में 140 रन बनाकर टॉप में चल रहे थे। इसके बाद अंतिम टी20 मैच में भी उनका बल्ला चला लेकिन बारिश आने से पहले पांच रन और 11 रन पर अभिषेक के दो कैच छूटे। दो जीवनदान मिलने के चलते अभिषेक शर्मा 13 गेंद में एक चौके और एक छक्के से 23 रन बनाकर नाबाद रहे तो शुभमन गिल भी 16 गेंद में छह चौके से 29 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने बारिश आने तक 4.5 ओवर में बिना विकेट गंवाए 52 रन बनाए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई, जिससे मैच रद्द करना पड़ा।

सबसे कम गेंदों पर 1 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज

528 गेंद - अभिषेक शर्मा
573 गेंद - सूर्यकुमार यादव
599 गेंद - फिल साल्ट
604 गेंद - ग्लेन मैक्सवेल
609 गेंद - आंद्रे रसेल/ फिन एलन

सबसे कम पारियों में 1 हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी

27 पारी - विराट कोहली
28 पारी - अभिषेक शर्मा
29 पारी - केएल राहुल
31 पारी - सूर्यकुमार यादव
40 पारी - रोहित शर्मा

2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया से नहीं गंवाई टी20 सीरीज

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार चौथी टी20आई सीरीज में जीत दर्ज की। साथ ही साथ भारत ने साल 2008 के बाद से ऑस्ट्रेलिया से कोई भी टी20 सीरीज नहीं गंवाई है। यही नहीं सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेली और इसमें भारत को शानदार जीत मिली।

विश्व चैंपियनशिप में रविंदर सिंह ने पहले दिन जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| काहिरा

सेना के अनुभवी निशानेबाज रविंदर सिंह ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (पिस्टल और राइफल) के पहले दिन 50 मीटर फ्री पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण और टीम रजत पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया। जम्मू-कश्मीर के भारतीय सेना के हवलदार के लिए यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले 29 वर्षीय रविंदर ने बाकू में 2023 विश्व चैंपियनशिप में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता था।रविंदर 2019 से भारतीय टीम में अंदर-बाहर होते रहे हैं। उन्होंने गैर-ओलंपिक स्पर्धा में 569 अंक हासिल कर शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के किम चेयोंगयोंग (556 अंक) और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट एंटोन अरिस्तारखोव (556 अंक) को पीछे छोड़ दिया, जिन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस साल की शुरुआत में 10 मीटर एयर पिस्टल में राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक जीतने वाले रविंदर ने 93 के कम स्कोर के साथ शुरुआत की लेकिन अगले पांच राउंड में 98, 94, 95, 93 और 96 अंक बनाकर 47 निशानेबाजों के बीच कुल 569 का स्कोर बनाया।

जुरेल ने ठोका शतक, पंत ने खेली तूफानी पारी भारत ए ने साउथ अफ्रीका को दिया 417 का टारगेट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिया ए के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी करते हुए दूसरी पारी में भी शतक लगा दिया। ध्रुव पहली पारी में भी शतक लगाकर नाबाद (137 रन) रहे थे और भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचाने का काम किया था। ध्रुव जुरेल ने दूसरी पारी में भी टीम को मुसीबत से निकालने का काम किया और अपना शतक पूरा किया। ये उनका दूसरे टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ बैक-टू-बैक शतक रहा साथ ही ये उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का 5वां शतक रहा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट से पहले ध्रुव का लय में आना टीम इंडिया के लिए काफी अच्छा संकेत है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरी पारी में 7 विकेट पर 382 रन बनाए और पारी की घोषणा कर दी। इसके साथ ही भारत की कुल बढ़त 416 रन की हो गई और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 417 रन का टारगेट मिला है।

जुरेल का लगातार दूसरा शतक

दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल ने अपना शतक 159 गेंदों पर पूरा किया। ध्रुव ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 12 चौके लगे। ध्रुव ने दूसरी पारी में हर्ष दुबे के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 250 गेंदों पर 184 रन की शानदार साझेदारी की। हर्ष दुबे ने भी टीम के लिए अच्छी पारी खेली और उन्होंने 116 गेंदों पर 84 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक छक्का और 12 चौके निकले।

पंत ने 48 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक

दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल ने 170 गेंदों पर एक छक्का और 15 चौकों की मदद से नाबाद 127 रन की पारी खेली। वहीं मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में कप्तान ऋषभ पंत पहले रिटायर हर्ट हो गए, लेकिन इसके बाद वो बैटिंग के लिए मैदान पर आए और अपना अर्धशतक सिर्फ 48 गेंदों पर छक्के के साथ पूरा किया और दूसरी पारी में उन्होंने 54 गेंदों पर 4 छक्के और 5 चौकों की मदद से 65 रन की तेज पारी खेली।

सुल्तान अजलान शाह कप के लिए कप्तानी करेंगे संजय

नई दिल्ली। डिफेंडर संजय 31वें सुल्तान अजलान शाह कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को 23 से 30 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में होने वाले प्रतिष्ठित आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए आराम दिया गया है। भारत की पहली पसंद के दोनों गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा को आराम दिया गया है। उनकी जगह पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार को टीम में चुना गया है। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह और स्ट्राइकर मनदीप सिंह भी टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। संजय, जुगराज सिंह और अमित रोहिदास तीन सीनियर खिलाड़ी हैं, जिन्हें रक्षात्मक पंक्ति में रखा गया है।

एनएसडब्ल्यू ओपन के फाइनल में पहुंचीं रतिका, अब शाहीन से खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी रतिका सुथांथरा सीलन ने सिडनी में खेले जा रहे एनएसडब्ल्यू ओपन में न्यूजीलैंड की छठी वरीयता प्राप्त एम्मा मर्सन पर सीधे गेम में जीत हासिल करके अपने चौथे पीएसए फाइनल में प्रवेश किया। पिछले सप्ताह नॉर्थ कोस्ट ओपन की सेमीफाइनलिस्ट रहीं दूसरी वरीयता प्राप्त रतिका ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एम्मा को 32 मिनट में 11-9, 11-7, 11-6 से हराया।

विश्व रैंकिंग में 180वें स्थान पर काबिज तमिलनाडु की यह 24 वर्षीय खिलाड़ी इस चैलेंजर प्रतियोगिता के खिताब के लिए कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त इमान शाहीन से भिड़ेंगी। इस बीच स्प्रिंगफील्ड (अमेरिका) में पांचवीं वरीयता प्राप्त और दुनिया के 51वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी वीर चोटरानी ने क्वार्टर फाइनल में मिस्र के दूसरे वरीय और दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद एलशेरबिनी को 7-11, 12-10, 11-8, 5-1, 11-6 से हराकर सेंट जेम्स एक्सप्रेशन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

सबालेंका ने अनिसिमोवा को हराया अब रयबाकिना से खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| रियाद

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में जगह बनाई।

सबालेंका खिताबी मुकाबले में एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी रयबाकिना ने एक अन्य सेमीफाइनल में 15 ऐस के दम पर विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। सबालेंका को चौथे नंबर की अनिसिमोवा ने कड़ी टक्कर दी। पहला सेट एक घंटे तक चला। अनिसिमोवा ने ब्रेक प्वाइंट के पांच मौके गंवाए और 24 अनफोर्स्ड एरर किए। लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और तीन बार सबालेंका की सर्विस तोड़कर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया।

सबालेंका ने निर्णायक सेट के सातवें गेम में ब्रेक बनाकर स्कोर 4-3 कर दिया और फिर मैच अपने नाम किया। कजाकिस्तान की 2022 की विंबलडन चैंपियन रयबाकिना ने इस प्रतियोगिता में अभी तक अपने सभी चार मैच जीते हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके अपने पहले मैच प्वाइंट पर पेगुला पर जीत हासिल की। पिछले साल की उपविजेता सबालेंका रयबाकिना से उनके करियर मुकाबलों में 8-5 से आगे हैं। इसमें 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में जीत भी शामिल है। एलेना रयबाकिना के खिलाफ मुकाबले को लेकर सबालेंका ने कहा, यह एक और जबरदस्त मुकाबला होने वाला है। मुझे लगता है कि इस मैच के साथ एलेना ने शानदार तैयारी की है।

टोकियो डेफलिम्पिक्स के लिए भारत भेजेगा 111 सदस्यों का दल

नई दिल्ली। भारत 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक टोकियो में होने वाले डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) के लिए 73 खिलाड़ियों सहित 111 सदस्यों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा। भारतीय खिलाड़ी 11 खेल एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस में भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने भारतीय दल को मंजूरी दे दी है। इसका खर्चा सरकार वहन करेगी। भारत मई 2022 में ब्राजील में आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण, एक रजत और सात कांस्य सहित 16 पदक जीतकर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 77 प्रतिभागी देशों में नौवें स्थान पर रहा था। डेफलिम्पिक्स का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बधिर खेल समिति (आईसीएसडी) की ओर से किया जाता है। यह समिति अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता प्राप्त है।

भारत की महिला क्रिकेटरों का जलवा नई ऊंचाइयों पर पहुंची ब्रांड वैल्यू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत को महिला वनडे विश्व कप में पहली बार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली खिलाड़ियों का इसके बाद ब्रांड मूल्य भी आसमान छूने लग गया है और उनके पास पैसा कमाने का यह सबसे अच्छा मौका है।

स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो उन्हें संभालने वाली प्रबंधन फर्मों के अनुसार व्यक्तिगत रूप से एक करोड़ से अधिक के विज्ञापन सौदों में तब्दील हो जाएगा। इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन का चेहरा बनाने के लिए कतार में लगे ब्रांडों में ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल और शिक्षा निगमों के साथ भी सौदे होने की उम्मीद है। मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली बेसलाइन वेंचर्स के एमडी और सह-संस्थापक तुहिन मिश्रा तथा शेफाली और जेमिमा का प्रबंधन करने वाले जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी करण यादव दोनों महिला क्रिकेटरों के भविष्य के बारे में उत्साहित थे।

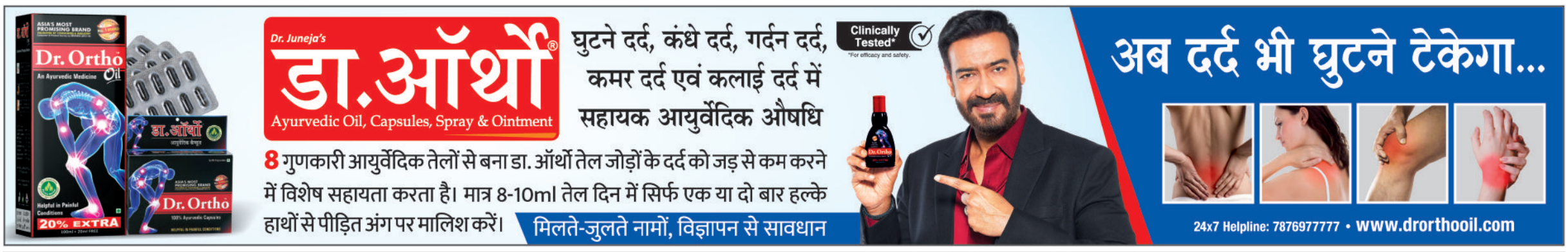

सफेद खाल, नुकीले कान और शेर जैसी चाल, स्पेन में दिखी दुर्लभ जंगली बिल्ली

स्पेन। स्पेन के पहाड़ी इलाके जाएन से आई ये खबर किसी फिल्म जैसी लगती है। यहां पहली बार एक सफेद इबेरियन लिंक्स को कैमरे में कैद किया गया है। आमतौर पर ये जंगली बिल्ली जैसी दिखने वाली प्रजाति सुनहरी या भूरे रंग की होती है, लेकिन इस बार जो नजारा दिखा, वो एकदम अनोखा था। इस दुर्लभ लिंक्स का वीडियो स्पेनिश वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर एंजेल हिडाल्गो ने कैप्चर किया। उन्होंने कहा, "सालों से कैमरे लगा रहा था, कई बार कोशिश नाकाम रही, लेकिन इस बार कुदरत ने मुझे कुछ ऐसा दिया जो जीवन भर याद रहेगा।

कुदरत का करिश्मा वायरल!

इस दुर्लभ इबेरियन लिंक्स का वीडियो सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर शेयर किया जा रहा है। उन्होंने कैप्शन लिखा - साउथ स्पेन में एक फोटोग्राफर ने दुनिया का पहला सफेद इबेरियन लिंक्स कैमरे में कैद किया है, जो इतना दुर्लभ है कि मानो कोई कहानी का जादुई जीव हो। पहले से ही दुनिया की सबसे दुर्लभ जंगली बिल्लियों में शामिल यह प्रजाति दो दशक पहले विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई थी, जब इसकी संख्या 100 से भी कम रह गई थी।

क्यों खास है ये खोज?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस लिंक्स को ल्यूसिस्म नाम की एक दुर्लभ जेनेटिक कंडीशन है, जिससे शरीर का रंग हल्का पड़ जाता है। लेकिन अल्बिनो जानवरों के उलट, इसकी आंखें और शरीर पूरी तरह से सामान्य हैं। यानी यह सफेद होते हुए भी बिल्कुल स्वस्थ है। बता दें कि इस पोस्ट को 44.6 मिलियन से ज्यादा व्यूज, 1 लाख 91 हजार लाइक्स और डेढ़ हजार यूजर्स की प्रतिक्रियाएं मिल चुकी हैं।

कभी लुप्त होने वाली थी प्रजाति

कभी यह प्रजाति विलुप्ति के कगार पर थी। 2002 में पूरे स्पेन में 100 से भी कम इबेरियन लिंक्स बचे थे। लगातार कंजरवेशन प्रोजेक्ट्स, सरकारी कोशिशों और एनजीओ के सहयोग से अब इनकी संख्या 2000 के करीब पहुंच गई है। यह सफेद लिंक्स उसी उम्मीद की जीती-जागती मिसाल है कि जब इंसान नेचर के साथ मिलकर काम करे, तो चमत्कार होते हैं।

लोगों ने क्या कहा?

सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखकर लोग हैरान भी हैं और खुश भी। एक यूजर ने लिखा, "नेचर सच में जादू करती है जब हम उसे बचाने की कोशिश करते हैं।" दूसरे ने कहा, "यह खूबसूरती नहीं, उम्मीद की तस्वीर है।" भले ही सफेद रंग इसे जंगल में छिपने में मुश्किल दे, लेकिन इसकी मौजूदगी एक बड़ा संदेश देती है... जब इंसान नेचर को वक्त और जगह देता है, तो वो खुद अपनी खोई हुई खूबसूरती लौटा देती है। हालांकि, कुछ यूजर को लगा कि यह वीडियो एआई से बना है।

ये हैं दुनिया के सबसे खतरनाक फूड्स गलत ढंग से खाए तो मौत आना निश्चित

दुनिया में कई ऐसे फूड हैं, जो दिखने में बहुत सुंदर व टेस्टी लगते हैं लेकिन अगर इन्हें जरा सी गलती से खा लिया जाए तो जानलेवा साबित हो सकते हैं। इस तरह के कुछ फूड में प्राकृतिक रूप से जहर पाया जाता है, जो इन्हें गलत तरह से पकाने या साफ न करने की वजह से होता है। कई देशों में तो ये फूड पारंपरिक खान-पान का हिस्सा भी होते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपे खतरे इन्हें डेडली फुल फूड की लिस्ट में शामिल करते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं ऐसे खतरनाक फूड्स के बारे में, जिन्हें खाते वक्त जरा-सी भी चूक आपकी जान ले सकती है।

बिना पका एकी फल बेहद जहरीला

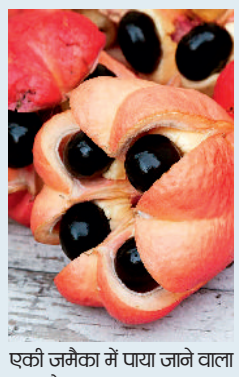

एकी जमैका में पाया जाने वाला फल है। यह फल तब तक जहरीला होता है, जब तक यह पूरी तरह पक न जाए। इस कच्चे फल में जहर होता है, जो वोमिटिंग सिकनेस यानी लगातार उल्टियां का कारण बनता है। इसके अलावा यह इंसान को कोमा में भी पहुंचा सकता है। इस फल को तब खाया जाता है, जब यह फल खुद फटकर खुल जाए और इसका पीला हिस्सा साफ दिखने लगे।

ठीक से नहीं पकाया तो जान ले लेता है कसावा

कसावा भी दुनिया का सबसे खतरनाक फूड माना जाता है। अफ्रीका और एशिया में खाए जाने वाले इस रूट फूड को अगर ठीक से पकाया या भिगोया न जाए तो यह साइनाइड छोड़ सकता है। इससे उल्टी चक्कर और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। खास बात यह है कि कच्चा या अधपका कसावा खाना सीधे साइनाइड प्वाइजनिंग का कारण बन सकता है।

सन्नाकजी जिंदा ऑक्टोपस, सबसे खतरनाक फूड

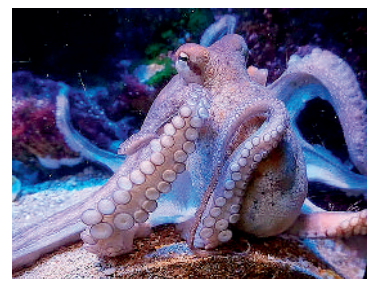

सन्नाकजी जिंदा ऑक्टोपस होता है। यह भी दुनिया के सबसे खतरनाक फूड में शामिल है। कोरिया की इस डिश में छोटे-छोटे ऑक्टोपस काटकर जिंदा परोसे जाते हैं। हालांकि, इसके टेंटेकल गले में फंसने से दम घुटने से मौत हो सकती है। ऐसे में इसे खाते वक्त बहुत सावधानी रखना और पूरी तरह चबाकर खाना जरूरी होता है।

फुगु पफर फिश, साइनाइड से 1000 गुनी जहरीली

जापान की फुगु पफर फिश को भी सबसे खतरनाक डिश में गिना जाता है। इसमें मौजूद टेरोडोटॉक्सिन जहर साइनाइड से 1000 ज्यादा गुना ताकतवर होता है। ऐसे में इसे सिर्फ लाइसेंस प्राप्त शेफ ही बना सकते हैं, क्योंकि जरा सी गलती भी इसे मौत का कारण बना सकती है।

पैंगियम कच्चा खाते ही हो जाएगी मौत

दक्षिण पूर्व एशिया में मिलने वाला पैंगियम एक जहरीला बीज फल होता है। इस फल के बीजों में हाइड्रोजन सायनाइड पाया जाता है। वहीं, लोग इसे महीने भर तक जमीन में दबाकर और फर्मेंटेड करके ही खाते हैं। अगर कोई इसे कच्चा खा ले तो उसकी तुरंत मौत हो सकती है।

सबसे तीखी मिर्च ड्रैगन ब्रेथ

ड्रैगन ब्रेथ दुनिया की सबसे तीखी मिर्च है. यह भी बहुत खतरनाक फूड में से एक मानी जाती है। यह मिर्च 2.48 मिलियन स्कोविल यूनिट की तीव्रता वाली है। इसका मतलब है यह घोस्ट पेपर और कैरोलिना रीपर से भी ज्यादा खतरनाक होती है। इसे खाने से गले में जलन, सांस रुकना या शॉक जैसी स्थिति हो सकती है।

जब हज करने गया इतिहास का सबसे अमीर शख्स, अरब देशों में गुड़ के दाम बिकने लगा था सोना

लोगों को खूब बांटा सोना

कुछ रिपोर्ट्स में कहा जाता है कि उन्होंने अपने हज के सफर के दौरान रास्तों में गरीबों को इतना सोना बांटा कि लोगों की जिंदगियां संवर गई थीं। जगह-जगह मस्जिदों के लिए चंदा दिया और उस समय के विद्वानों को भी इनामों से नवाजा।

नई दिल्ली। आज जब हम दुनिया के सबसे अमीर लोगों की बात करते हैं तो उनमें एलन मस्क, जेफ बेजोस, अडानी, अंबानी जैसे लोगों का जिक्र जरूर आता है लेकिन अगर हम कहें कि इतिहास का सबसे अमीर इंसान कौन था? तो इसका जवाब बदल जाएगा और फिर कई अन्य कहानियों भी खुलकर सामने आएंगी। इतिहास का सबसे अमीर इंसान माली साम्राज्य के बादशाह मनसा मूसा को माना जाता है। मनसा ने वर्तमान के माली, सेनेगल, गिनी, नाइजर और मौरिटानिया के हिस्सों पर सन 1312–1337 तक शासन किया है। उनकी राजधानी का नाम टिंबकटू था।

मनसा मूसा आज भी चर्चा में रहते हैं

मनसा मूसा आज भी धन, धार्मिकता और दूरदर्शिता को लेकर चर्चा में रहते हैं। फोर्ब्स और टाइम मैगजीन जैसी आधुनिक संस्थाओं ने भी उन्हें इतिहास का सबसे अमीर व्यक्ति बताया है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने मनसा को 'सोने का राजा' के तौर पर प्रदर्शित किया था. उनकी दौलत का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। कहा जाता है कि उनके शासनकाल में माली अफ्रीका का सबसे ताकतवर साम्राज्य बन गया था। कहा जाता है कि यूरोप के मानचित्र बनाने वालों ने पहली बार अफ्रीका के पश्चिमी हिस्से को मैप में दिखाया।

मनसा ने हजयात्रा में कौड़ियों के दाम बेचा सोना

मनसा मूसा की हज यात्रा भी काफी सुर्खियों में रहती है। जिस समय वो हज यात्रा पर जा रहे थे तो उनके साथ 60000 से ज्यादा लोग ऊंटों पर सवार थे और उन सभी पौशाकें सोने से सजी हुई थीं। इसके अलावा वो अपने साथ इतना सोना लादकर ले गए थे कि मिस्र के मिस्र और अरब के बाजारों में कई सालों तक सोना कौड़ियों के दाम बिका था।

बास्केटबॉल खिलाड़ी जॉर्डन के जूते होने वाले हैं नीलाम, करोड़ों रुपए है कीमत

न्यूयार्क। माइकल जॉर्डन अमेरिका के पूर्व बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं, जिन्होनें अपने कौशल के जरिए दुनियाभर के लोगों को अपना प्रशंसक बना लिया। लोग उन्हें प्यार से ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स कहकर पुकारते हैं। जॉर्डन को जूतों का बहुत शौक है और नाइकी के साथ मिलकर बनाए गए उनके 'एयर जॉर्डन' पहनना लाखों का सपना है। अब उनके प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है कि जल्द ही जॉर्डन के 5 जूते नीलाम होने वाले हैं। जॉर्डन के जूतों की नीलामी का आयोजन 'जूपिटर' नामक नीलामीघर द्वारा करवाया जा रहा है। यह नीलामी 6 नवंबर से शुरू हो गई जो 18 नवंबर तक चलेगी। इसमें दुनियाभर के लोग बोली लगा सकते हैं और जॉर्डन के जूतों को हासिल कर सकते हैं। इन सभी जूतों को खिलाड़ी ने अपने जीवन के अहम पड़ावों में पहना था। ये सभी जूते खास तौर से जॉर्डन के लिए ही बनाए गए थे और इन्हें 'जॉर्डन्स जॉर्डन्स' बिक्री के तहत बेचा जाएगा। इस नीलामी में जिस जूते की सबसे ज्यादा मांग है, वह है 'एयर जॉर्डन 1S'। इन्हें 1985 में तैयार किया गया था और इन दोनों जूतों का आकार अलग है। इन पर जॉर्डन के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं। इस बिक्री के दौरान 2 'एयर जॉर्डन 11S' भी बेचे जाएंगे, जो पूरे संग्रह में से खिलाड़ी का पसंदीदा जूता है। इनमें कॉनकॉर्ड-11 की दोहरी हस्ताक्षरित जोड़ी और काले और लाल एयर जॉर्डन 11 की खेल में पहनी गई जोड़ी शामिल है।

नीलामी में 1993 में खेल के दौरान पहने गए 'एयर जॉर्डन VIII' की एक जोड़ी भी बेची जाने वाली है। इसके अलावा एक दुर्लभ 'एयर जॉर्डन IX बेसबॉल क्लीट' भी बिक्री का हिस्सा रहेगा, जिसे जॉर्डन ने बेसबॉल खेलते समय पहना था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com